जबलपुर बुधवार 3 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया

वर्ष 31 अंक 334 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज शिक्षा-दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.7°C

न्यूनतम तापमान 26.4°C

सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.53

कमिश्नर ने जनसुनवाई में आमजन समस्याओं ⏩ 2

ठुकरा के मेरा प्यार सीजन-2 में पहले से अधिक ⏩ 7

कलेक्टर जनसुनवाई में सुन रहे लोगों की समस्याएं ⏩ 9

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की चेतावनी

10 रुपये तक महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में वृद्धि से अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति-जनित दबाव बढ़ने की आशंका है, जिससे आने वाले महीनों में परिवहन एवं विनिर्माण लागत बढ़ सकती है और आम उपभोग की वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। रिपोर्ट कहती है कि 15 मई के बाद से पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है और अगर कच्चे तेल के दाम ऊंचे स्तर पर बने रहते हैं तो यह बढ़ोतरी निकट भविष्य में 10 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच सकती है। क्रिसिल ने कहा, 'इसका असर पूरी अर्थव्यवस्था में ढुलाई लागत में बढ़ोतरी के जरिये दिखेगा, जिससे खाने-पीने की चीजों और अन्य वस्तुओं की महंगाई दोनों बढ़ेंगी।' रिपोर्ट के मुताबिक, ईंधन कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा। ईंधन कीमतों में 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से खुदरा मुद्रास्फीति करीब 0.36 प्रतिशत बढ़ सकती है। अगर ईंधन कीमतें 10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ जाती हैं तो खुदरा महंगाई में करीब 0.48 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि ईंधन के दाम बढ़ने का सर्वाधिक प्रभाव सड़क परिवहन पर पड़ेगा क्योंकि इसकी लागत का लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा ईंधन पर निर्भर है। इससे माल ढुलाई महंगी हो जाएगी और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। देश में करीब 71 प्रतिशत माल ढुलाई सड़क मार्ग के जरिये ही होती है। क्रिसिल के मुताबिक, ढुलाई लागत बढ़ने से दूध, फल, दालें, चाय-कॉफी, मसाले, अंडे, मांस और मछली जैसे खाद्य उत्पादों की कीमतों में तेजी आ सकती है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर परिवहन नेटवर्क पर निर्भर हैं। रिपोर्ट कहती है कि कपड़ा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, लकड़ी उत्पाद, सीमेंट और सिरेमिक जैसे क्षेत्रों में भी लागत बढ़ेगी। रसायन, कोयला और धातु क्षेत्र भी महंगाई की चपेट में आएंगे। ऐसी स्थिति में कंपनियां लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल सकती हैं या उत्पाद की मात्रा में कटौती कर सकती हैं। सितंबर, 2025 में जीएसटी दरों में की गई कटौती से कुछ राहत मिल सकती है लेकिन ऊंची ऊर्जा लागत के असर को यह पूरी तरह संतुलित नहीं कर पाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में कच्चे तेल की औसत कीमत 112 डॉलर प्रति बैरल रही है, जो पूरे वर्ष के अनुमान 95 डॉलर प्रति बैरल से अधिक है।

महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के लक्ष्य से नीचे

हालांकि, सकल मुद्रास्फीति अभी भारतीय रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत लक्ष्य से नीचे है, लेकिन आगे चलकर इसके बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यह भारतीय रिजर्व बैंक के दो से छह प्रतिशत के दायरे में रह सकती है। रिजर्व बैंक महंगाई के रुझान, खासकर घरेलू अपेक्षाओं और व्यापक मूल्य वृद्धि के जोखिम पर नजर बनाए रखेगा। इसके साथ ही रिपोर्ट कहती है कि भारतीय रिजर्व बैंक की नजर कमजोर मानसून और अल नीनो जैसी मौसम संबंधी स्थितियों पर भी रहेगी जिनकी वजह से खाद्य महंगाई बढ़ने की आशंका है।

अधिकार अभिलेखों पर स्टॉम्प ड्यूटी और पूरा पंजीयन शुल्क होगा माफ

विकास, जन-कल्याण और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के लिए 21 हजार 485 करोड़ की स्वीकृति

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के चहुंमुखी विकास, जन-कल्याण और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए 21 हजार 485 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई। साथ ही प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण के लिए ऐतिहासिक एवं दूरगामी निर्णय लिए गए। मंत्रि-परिषद ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026' के तहत स्टॉम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क को पूरी तरह माफ करने का फैसला किया है, जिसका संपूर्ण 3800 करोड़ रूपये का वित्तीय भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा। मंत्रि-परिषद ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 की स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश में स्वामित्व योजना में जिन भू-खण्डधारियों के अधिकार अभिलेख निर्मित किए गए हैं उन्हें आसानी से ऋण उपलब्ध कराने के लिए इन निर्मित अधिकार अभिलेखों का पंजीयन कराया जाए। इसके लिए डीड ऑफ कन्वेयेंस का निष्पादन एवं पंजीयन किया जाएगा ताकि नागरिक आवश्यकतानुसार गृह निर्माण, व्यवसाय एवं कृषि संक्रियाओं आदि के लिए ऋण प्राप्त कर अपनी आजीविका एवं आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें। मध्यप्रदेश पहला राज्य होगा जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी के नागरिकों के भू-खण्ड संबंधी अधिकार सुरक्षित कर उनकी आर्थिक उन्नति के मार्ग को प्रशस्त किया जा रहा है। स्वामिव योजना में मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी में निवासरत नागरिकों को उनका वैधानिक अधिकार प्रदान करने के लिए अधिकार अभिलेखों का निर्माण ड्रोन तकनीक का उपयोग करते हुए किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत 17 हजार 59 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई, जिससे नए चिकित्सा महाविद्यालयों के निर्माण और एमबीबीएस तथा पीजी सीटों में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त होगा। बैठक में ग्रामीण विकास और वित्तीय सुधारों को गति देने के लिए 'मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम' तथा 'मध्यप्रदेश उपकर अधिनियम' में संशोधन संबंधी अध्यादेशों के प्रारूपों को मंजूरी दी गई। वहां, स्कूली शिक्षा में पारदर्शिता लाने के लिए सत्र 2026-27 में कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को निविदा प्रक्रिया के माध्यम से सिली-सिलाई गणवेश प्रदाय करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त इंदौर जिला न्यायालय भवन के पुनरीक्षित लागत, बरगी जलाशय हादसे की न्यायिक जांच के लिए आयोग गठन के निर्णय का अनुसमर्थन तथा 2 प्रमुख फिल्मों को एसजीएसटी से छूट देने जैसे महत्वपूर्ण फैसलों पर मंत्रि-परिषद द्वारा मुहर लगाई गई। ये सभी निर्णय राज्य में बुनियादी ढांचे के विस्तार और पारदर्शी शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

दो फिल्मों को टैक्स फ्री करने का निर्णय

मंत्रि-परिषद ने राज्य शासन द्वारा अनुपम खेर द्वारा निर्देशित हिन्दी फीचर फिल्म, 'तन्वी द ग्रेट' और आशीष मल्ल द्वारा निर्देशित हिन्दी फीचर फिल्म, 'शतक: संघ के 100 वर्ष' के मध्यप्रदेश में प्रदर्शन पर एस.जी.एस.टी. से छूट देने के निर्णय का अनुसमर्थन किया है। निर्णय अनुसार दोनों फिल्मों का मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के अधीन राज्य माल और सेवा कर के समतुल्य राशि की प्रतिपूर्ति करते हुए सिने-दर्शकों को उक्त राशि की छूट प्रदान की गई है।

बरगी हादसा: न्यायिक जाँच आयोग का गठन

मंत्रि-परिषद द्वारा बरगी बांध, जबलपुर में 30 अप्रैल 2026 को क्रूज दुर्घटना के कारण हुई जनहानि की न्यायिक जाँच के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति, उच्च न्यायालय जबलपुर संजय द्विवेदी की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय न्यायिक जाँच आयोग गठित किये जाने के संबंध में 10 मई 2026 को जारी आदेश का अनुसमर्थन किया गया।

8वीं तक के विद्यार्थियों को गणवेश

मंत्रि-परिषद ने शासकीय शालाओं में कक्षा पहली से 8 वीं तक के विद्यार्थियों को सत्र 2026-27 से निविदा प्रक्रिया के माध्यम से सिली-सिलाई गणवेश प्रदाय करने का निर्णय लिया है। निविदा प्रक्रिया के लिए मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम को अधिकृत किया गया है। शासकीय शालाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व 2 जोडी गणवेश प्रदाय किया जाना लक्षित है। इससे समय सीमा में विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त गणवेश प्रदाय सुनिश्चित हो सकेगा।

सीबीएसई बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव को हटाया

राहुल सिंह, चेयरमैन हिमांशु गुप्ता, सचिव

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से जुड़े मामलों में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव का हटा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग विवादों के मद्देनजर सीबीएसई के अध्यक्ष राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता को मंगलवार को हटा दिया। इसके साथ ही सीबीएसई द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग सेवाओं की खरीद से संबंधित प्रक्रिया की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन भी किया गया है। इस संबंध में कैबिनेट सचिवालय ने कार्यालय ज्ञापन जारी किया। जारी आदेश के अनुसार, समिति की अध्यक्षता क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान करेंगी।

सीबीआई ने एलयूसीसी चिटफंड घोटाले के दो मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/देहरादून (वार्ता)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने उत्तराखंड के बहुचर्चित लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी चिटफंड घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो प्रमुख आरोपियों को महाराष्ट्र के मुंबई से गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि दोनों आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। यह कार्रवाई विस्तृत वित्तीय दस्तावेजों के विश्लेषण, बैंक लेन-देन की जांच, मौखिक साक्ष्य जुटाने तथा देश के विभिन्न राज्यों में व्यापक जांच-पड़ताल के बाद की गई है।

एसबीआई शाखा प्रबंधक रुपये रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने झारखंड के डुमरिया में तैनात एसबीआई के एक शाखा प्रबंधक को रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तार किया है। 31 मई को इस आरोप में मामला दर्ज किया गया कि आरोपी रोहित कुमार सिंह ने शिकायतकर्ता की दिवंगत मां से संबंधित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत दो लाख रुपये के दावे का निपटान करने के लिए 60,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपी ने कथित रूप से शिकायतकर्ता की मां के बैंक खाते को शिकायतकर्ता के नाम पर स्थानांतरित करने के बाद 35,000 रुपये की निकासी पर लगी रोक को हटाने के लिए अतिरिक्त 17,000 रुपये की भी मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट को मिल गए 5 और न्यायाधीश

सीजेआई सूर्यकांत ने दिलाई नए जजों को शपथ

नई दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय में नियुक्त किए गए पांच नए न्यायाधीशों ने मंगलवार को पद की शपथ ले ली। इसके साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने उच्चतम न्यायालय के ऑडिटोरियम में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति चंद्रशेखर, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति अरुण पल्ली के साथ-साथ वरिष्ठ अधिवक्ता वी मोहना को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम द्वारा पिछले महीने की गई सिफारिशों के बाद केंद्र सरकार ने सोमवार को नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की थी। शपथ लेने वाले न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति शील नागू पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे जबकि न्यायमूर्ति चंद्रशेखर बम्बई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायमुर्ति संजीव सचदेवा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे वहीं न्यायमूर्ति अरुण पल्ली जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे रहे थे। वरिष्ठ अधिवक्ता वी मोहना उच्चतम न्यायालय में ही वकालत कर रही थीं। वह बार काउंसिल के उन गिने-चुने सदस्यों में शामिल हैं, जिन्हें सीधे शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ही एक अध्यादेश के जरिए शीर्ष न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 की गयी थी। अब इन पांच न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ वर्तमान में केवल एक सीट खाली रह गयी है।

अब 37 हो गई सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या

मौजूदा 'मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर' (एमओपी) के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों से मिलकर गठित कॉलेजियम सर्वोच्च न्यायालय में रिक्त पदों को भरने के लिए केंद्र सरकार को अपनी सिफारिशें भेजता है। इन पांच नियुक्तियों के बाद सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक क्षमता और मजबूत होगी। नई नियुक्तियों के साथ सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई है।

पश्चिम एशिया संकट और तेल कीमतों पर मोदी की खामोशी अनुचित : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस ने पश्चिम एशिया में तनाव और ईरान-अमेरिका वार्ता का भारत पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा है कि इसमें भारत का बहुत कुछ दाव पर लगा हुआ है और ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी को उचित नहीं कहा जा सकता है। पार्टी का कहना है कि यदि वार्ता सफल होती है तो होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल सकता है और वैश्विक तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, जिसका सीधा लाभ भारत को मिलेगा। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति को समाप्त करने के लिए बातचीत चल रही है लेकिन इस बीच इज़रायल की लेबनान में जारी सैन्य कार्रवाई के कारण किसी भी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों पर नाराजगी जता चुके हैं और दुनिया के कई अन्य देश भी लेबनान में इज़रायली अभियान की आलोचना कर रहे हैं। रमेश ने कहा कि ऐसे समय में जब इज़रायल की कार्रवाई संभावित अमेरिका-ईरान समझौते को प्रभावित कर सकती है मोदी ने इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह चुप्पी कई सवाल खड़े करती है, जबकि इस पूरे घटनाक्रम का असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा और तेल कीमतों पर पड़ सकता है।

भर्ती परीक्षाओं में बड़ा बदलाव

अब मध्यप्रदेश से होंगे 25 प्रतिशत सवाल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने भर्ती परीक्षाओं के पैटर्न में बदलाव करने की तैयारी की है। इसके लिए कनिष्ठ सेवा संयुक्त परीक्षा नियम-2026 का मसौदा तैयार किया गया है। इसमें तय किया है कि 100 अंकों की परीक्षा में से 25 प्रश्न मध्य प्रदेश संदर्भित, राजव्यवस्था और शासकीय योजनाओं से संबंधित पूछे जाएंगे। जबकि गणित और रीजनिंग विषयों के प्रश्नों की संख्या पहले की तुलना में कम कर दी जाएगी। यह परीक्षा पैटर्न युवाओं को ध्यान में रखते हुए संशोधित किया गया है। कुल मिलाकर विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में मध्य प्रदेश का सामान्य ज्ञान बढ़ाया जाएगा। बता दें कि पहले भर्ती परीक्षाओं में मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान से केवल 10 प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन अब इनकी संख्या बढ़ाकर 25 कर दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य से जुड़े विषयों की बेहतर समझ रखने वाले युवाओं को अधिक अवसर मिल सकेंगे।

तकनीकी व इंजीनियरिंग परीक्षाओं का पैटर्न भी बदला

ईएसबी ने तकनीकी और इंजीनियरिंग पदों की भर्ती परीक्षाओं के स्वरूप में भी बदलाव किया है। अब इन परीक्षाओं में भी मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान, कंप्यूटर ज्ञान, तार्किक योग्यता तथा संबंधित तकनीकी विषयों के प्रश्न पूछे जाएंगे। यहां भी गणित और रीजनिंग के प्रश्नों का अनुपात कम किया गया है।

ये होंगी तीन नई पात्रता परीक्षाएं

1. संयुक्त सामान्य पात्रता परीक्षा में 100 प्रश्न होंगे, जिन्हें चार बराबर भागों में विभाजित किया जाएगा। इसमें सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनाएं, मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान, राजव्यवस्था एवं शासकीय योजनाएं, गणित, तार्किक योग्यता, डाटा विश्लेषण, कंप्यूटर ज्ञान और भाषा ज्ञान से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे।
2. संयुक्त तकनीकी पात्रता परीक्षा में 25 प्रश्न मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान, राजव्यवस्था और सरकारी योजनाओं से होंगे, जबकि 75 प्रश्न संबंधित तकनीकी विषयों से पूछे जाएंगे। इसमें कृषि, विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, सिविल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स सहित 15 विषय शामिल किए हैं।
3. शिक्षक पात्रता परीक्षा स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित की जाएगी।

15 की जगह होंगी तीन पात्रता परीक्षाएं

नए नियमों के तहत ईएसबी द्वारा आयोजित की जाने वाली लगभग 15 अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं के स्थान पर अब केवल तीन पात्रता परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इन परीक्षाओं में प्राप्त स्कोर के आधार पर विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया पूरी होगी। शासन ने नियमों के मसौदे पर आम नागरिकों और अभ्यर्थियों से पांच जून तक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित किए हैं। प्रस्तावित नियम एक अक्टूबर 2026 से लागू होंगे और वर्ष 2013 के पुराने नियमों का स्थान लेंगे।

स्कोर कार्ड रहेगा भर्ती का आधार

ईएसबी इन परीक्षाओं के परिणाम परसेंटाइल स्कोर के रूप में घोषित करेगा। निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को स्कोर कार्ड जारी किया जाएगा। सामान्य और तकनीकी पात्रता परीक्षाओं का स्कोर कार्ड परिणाम घोषित होने वाले वर्ष से अगले दो वर्षों की 31 दिसंबर तक यानी लगभग ढाई वर्ष तक मान्य रहेगा। वहीं शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आजीवन बनी रहेगी, लेकिन विभागीय भर्ती में उनका स्कोर कार्ड भी केवल ढाई वर्ष तक ही मान्य होगा।

मौसम हुआ खुशगवार, अब मानसून का इंतजार

बादलों ने दी नौतपा को विदाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पिछले नौ दिनों से सूरज की प्रचंड तपिश और झुलसा देने वाली लू का सामना कर रहे जबलपुर वासियों के लिए मंगलवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। नौतपा के आखिरी दिन सूर्यदेव के तेवर पूरी तरह से ढीले पड़ गए और सुबह से ही आसमान में छाए घने बादलों ने समूचे अंचल को अपनी आगोश में ले लिया। बादलों के इस मजबूत पहरे के कारण कई दिनों बाद संस्कारधानी का मौसम बेहद खुशमिजाज और ठंडा बना रहा, जिससे लोगों को भीषण तपन से राहत मिली है।

तापमान में गिरावट जारी

मंगलवार को सुबह से ही सूरज और बादलों के बीच लुकाछिपी का दौर चलता रहा। दोपहर तक आसमान में बादलों का छाता इस कदर तना रहा कि धूप का असर लगभग खत्म हो गया। पिछले कई दिनों से रिकॉर्ड तोड़ रहे पारे में गिरावट आने से शहर की फिजाओं में एक सुखद ठंडक महसूस की गई। मॉइसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 38.7 तो वही न्यूनतम तापमान 24.6 दर्ज किया गया। इस बदले हुए खुशनुमा मौसम के कारण दोपहर के समय भी सड़कों और बाजारों में लोगों की आवाजाही सामान्य रूप से बनी रही। लंबे समय बाद उमस और पसीने से मुक्त होकर राहत की सांस लेते हुए लोग इस बदले मिजाज का आनंद लेते नजर आए।

बेसब्री से है मानसून का इंतजार

हालांकि, इस मामूली राहत के बीच अब लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से स्थाई निजात पाने के लिए मानसून का बेसब्री से इंतजार है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी किसान और आम नागरिक आसमान की तरफ टकटकी लगाए बादलों को निहार रहे हैं, ताकि अच्छी बारिश के साथ इस बार के भीषण और कष्टप्रद ग्रीष्मकाल का पूरी तरह अंत हो सके। वर्तमान में जिले में पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जो अपने साथ अरब सागर से नमी लेकर आ रही हैं, जिसके कारण ही वातावरण में बादलों की सघन मौजूदगी देखी जा रही है।आंचलिक मौसम केंद्र जबलपुर ने इस बीच एक और उत्साहजनक पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, स्थानीय स्तर पर बने मजबूत सिस्टम और नमी के कारण अगले 24 घंटों में जिले के कई शहरी और ग्रामीण इलाकों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। विभाग ने संभावना जताई है कि आगामी घंटों में गरज-चमक के साथ पानी की तेज बौछारें पड़ सकती हैं। यदि यह बौछारें गिरती हैं, तो प्री-मानसून की यह गतिविधि नौतपा की विदाई को और भी अधिक सुहाना बना देगी और आगामी दिनों में तापमान नियंत्रण में रहेगा।

रैम्प पुल से फिसली महिला, ट्रेन के गेट में बैठने से घायल हुआ युवक

घायल यात्रियों को रेलवे ने पहुंचाई त्वरित मदद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ईएमआर स्टाफ द्वारा दी गयी सहायता से एक घायल महिला यात्री और युवक को राहत मिली। दरअसल जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर स्थित रैम्प पुल के समीप एक महिला यात्री फिसलकर गिर गई जिस कारण उनके पैर में अंदरूनी चोट आ गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे स्टेशन पर तैनात उप स्टेशन प्रबंधक एवं आकस्मिक चिकित्सा सुविधा स्टाफ की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्राथमिक परीक्षण किए जाने पर महिला के पैर में अंदरूनी चोट पाई गई। जिसके बाद ईएमआर स्टाफ द्वारा आवश्यक प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। महिला का नाम ममता है, जो जबलपुर से सिवनी जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंची थीं।

दरवाजे पर बैठे युवक का पैर हुआ जख्मी

इसी प्रकार रेलवे हेल्पलाइन के माध्यम से ट्रेन संख्या 12142 में एक डॉक्टर कॉल प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही उप स्टेशन प्रबंधक एवं आपातकालीन चिकित्सा सुविधा टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और चिकित्सकीय जांच की गई। घायल यात्री सोनू कुमार के पैर के तलवे में चोट लगी थी। वह यात्रा के दौरान ट्रेन के दरवाजे पर बैठा हुआ था इसी दौरान किसी बाहरी वस्तु के संपर्क में आने से उसके पैर के तलवे में चोट लग गई।

चोट की गंभीरता को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवे एम्बुलेंस की सहायता से घायल यात्री को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के बाद रेलवे चिकित्सा दल ने तत्परता दिखाते हुए आवश्यक सहायता प्रदान की, जिससे उन्हें शीघ्र राहत मिल सकी।

सभी के लिए प्रेरणादायी है कैलाश नारायण सारंग का जीवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महापुरूषों का जीवन हमें निरंतर आगे बढने की प्रेरणा देता है। महापुरूष अपने जीवन से औरों को सीखने के लिये बहुत कुछ दे जाते हैं जिसे आत्मसात कर हम अपने जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाते है। कैलाश नारायण सारंग का जीवन भी हम सभी के लिये प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय रहा है। जिससे प्रेरणा पाकर हम कर्मशील, लगनशील, कर्तव्यनिष्ठ न्यायप्रियता, एवं अनुशासन का पाठ पढते हैं। उक्त आशय उनके जन्मोत्सव पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने महासभा द्वारा आयोजित कैलाश सारंग के जन्मोत्सव पर व्यक्त किये। कार्यक्रम में निर्णय लिया गया कि कक्षा 10वी एवं 12वीं के मेधावी के कायस्थ छात्रों जिन्होने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये हैं उनका अभिनंदन समारोह महासभा द्वारा आगामी 10 जून को किया जायेगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव, डॉ. शरद श्रीवास्तव, सुधीर खरे, बच्चन श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

पमरे ने की 670 कोचों/वैगनों की मरम्मत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों एवं वैगनों के अनुरक्षण कार्य को निरंतर उच्च गुणवत्ता के साथ संपादित किया जा रहा है। मुख्य कारखाना प्रबंधकों के मार्गदर्शन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दूसरे माह मई 2026 के दौरान दोनों कारखानों में कुल 670 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। इस उपलब्धि में सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल द्वारा 94 कोचों तथा डब्ल्यूआरएस, कोटा द्वारा 576 वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूआरएस, कोटा ने रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 575 वैगनों के लक्ष्य को पार करते हुए 576 वैगनों का अनुरक्षण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

तकनीकी कर्मचारी संघ ने सेवानिवृत्त हुए गोलीराम पटेल को दी भावभीनी विदाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पाटन कार्यपालन अभियंता कार्यालय के अंतर्गत तकनीकी कर्मचारी संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों एवं स्थानीय संगठन द्वारा पाटन सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में विद्युत कंपनी से ससम्मान सेवानिवृत्त हुए तकनीकी कर्मचारी संघ के पाटन शाखा अध्यक्ष गोलीराम पटेल का पुष्पहारों, शॉल और श्रीफल से आत्मीय स्वागत किया। संगठन और विभागीय सहयोगियों की ओर से उन्हें सेवाकाल की यादों के रूप में एक स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया। इस अवसर पर तकनीकी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरेन्द्र श्रीवास्तव, वरिष्ठ पदाधिकारी मोहन धुर्वे, दशरथ शर्मा, राकेश नामदेव, संदीप दीपाकर, विकास ठाकुर सहित पाटन क्षेत्र के अनेक बिजली अधिकारी, कर्मचारी और संघ के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा निवृत्त हुए गोलीराम पटेल के दीर्घायु और सुखद सेवानिवृत्त जीवन की कामना की।

शराब के लिए रूपए ना देने पर मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रांझी थाने में 36 वर्षीय पंकज वर्मा निवासी नेमचंद पान भंडार,पुरानी बस्ती झंडा चौक ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की बीती रात वह अपने घर के सामने रोड पर टहल रहा था। उसी समय कुक्कू उर्फ तरूण आकर उससे शराब पीने के लिये 1 हजार रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया जिसके बाद कुक्कू ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया और धमकी देते हुये भाग गया। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीईओ ने किया सिहोरा के विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी द्वारा सिहोरा विकासखंड अंतर्गत संचालित पीएम श्री विद्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मझगवां एवं पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल ,भंडरा में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया गया। सोनी ने निर्माण कार्य करा रही एजेंसी एवं संबंधित ठेकेदार को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यालयों को आधुनिक, तकनीक-संपन्न, समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्रों के रूप में विकसित करना है। इस योजना के अंतर्गत विद्यालयों में आधुनिक अधोसंरचना, नवाचार आधारित शिक्षण, डिजिटल संसाधनों, अटल टिंकरिंग लैब तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान गौतम बर्बे, कृष्णकांत शर्मा , अरविन्द धुर्वे एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बिजोरा निवासी एक अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अन्नू खान पिता खलील खान उम्र 45 वर्ष निवासी बिजोरा के रूप में हुई। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार सन्नू खान मंगलवार को अपने एक रिश्तेदार के यहां भोजन करने गए थे। वहां से लौटने के कुछ समय बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें उल्टियां होने लगीं। परिजन उन्हें उपचार के लिए सिहोरा अस्पताल लेकर पहुंचे पर रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने मामले को संदिग्ध मानते हुए पोस्टमार्टम कराने की बात कही। आज शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंचे 60 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम मुख्यालय और सभी 16 संभागों में साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान 60 आवेदन प्राप्त हुए, जिसपर त्वरित कार्यवाही की जाकर आवेदकों को राहत पहुंचाने का कार्य किया गया। प्रभारी आयुक्त अरविन्द शाह के निर्देशानुसार अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव एवं सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने मुख्यालय तथा सभी संभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यालयों में आवेदकों की सुनवाई की और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को बुलाकर आवेदरों का निराकरण कराया।

इस संबंध में अपर आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि बताया कि आज मुख्यालय में 40 आवेदन प्राप्त हुए । समस्त शिकायतों को संबंधित विभाग में प्रेषित किया गया व कुछ शिकायतों का राजस्व एवं स्वास्थ विभाग द्वारा त्वरित निराकरण किया गया।

सड़क निर्माण में लापरवाही खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

ग्राम पंचायत पौंडीकला के आश्रित ग्राम निंदौरा जो की आदिवासी बाहुल्य ग्राम है, यहां पर लोगों की आवागमन की सुविधा को देखते हुए जनप्रतिनिधियों एवं पीएमजीएसवाई विभाग के अधिकारियों के द्वारा पौड़ी खुर्द अतरिया से निंदौरा ग्राम के लिए मध्य प्रदेश ग्रामीण संपर्कता योजना के तहत बीटी रोड का निर्माण बीते फरवरी माह के आसपास किया गया था। परंतु ठेकेदार द्वारा लापरवाही पूर्वक इस तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया। सड़क बनने के दो-तीन महीने बाद ठेकेदार द्वारा साइट पट्टी पर नाम मात्र की मुरुम डाली जा रही है। वहीं अनेक हिस्सों पर मुरूम की जगह मिट्टी डाल दी गई है जो बारिश के समय लोगों के लिए आवागमन में परेशानी का सबब बनेगी। इस सड़क में मुरूम भी निंदौरा गांव से अवैध उत्खनन करके डाली गई ।

गांव के शुरुआती स्थान पर ठेकेदार द्वारा जो परियोजना से संबंधित सूचना बोर्ड लगाए गए वह भी आधे अधूरे हैं। इस बोर्ड में न तो मार्ग स्वीकृत की दिनांक, कार्य पूर्णता की दिनांक, गारंटी पीरियड दिनांक, स्वीकृत राशि जैसे चीजो का उल्लेख नहीं है क्षेत्रीय लोगों ने इस दिशा में वरिष्ठ अधिकारियों से ध्यान देने की मांग की और ग्रामीणों का कहना है की ठेकेदार की लापरवाही की शिकायत जल्द ही जिला कलेक्टर को सौंपी जाएगी।

हत्या या हादसा, बेटी की मौत पर इंसाफ मांगने दर-दर भटक रहा पिता

मेजर दामाद पर 2 करोड़ दहेज मांगने का आरोप, कोर्ट पहुंचा मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा के मामले की तरह अब एक और पिता अपनी बेटी की मौत को हत्या बताते हुए न्याय के लिए कोर्ट की शराण में पहुंचा है। दरअसल चेन्नई निवासी व्यवसायी पी दक्षिणामूर्ति की बेटी कविता नागार्जुन की एक साल पहले संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। अब उन्होंने आर्मी में मेजर दामाद पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक साल से हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं किए जाने के चलते उन्होंने अब जबलपुर की एडीजे कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जिस पर 3 जून 2026 को सुनवाई प्रस्तावित है। इस मामले में पी. दक्षिणामूर्ति ने बताया कि बेटी कविता का विवाह 2 मार्च 2025 को तमिलनाडु निवासी डॉ. ओम नागार्जुन से हुआ था।

अस्पताल बनवाने मांगी रकम

बताया जा रहा है कि ओम नागार्जुन वर्तमान में शहर के जेकेआरआरसी में मेजर पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने बताया कि दामाद बार-बार बेटी से कहा रहा था कि अस्पताल बनवाने के लिए पिता से 2 करोड़ रुपए मांगकर लाओ। जबकि मैं 3 करोड़ रुपए शादी पर ही खर्च कर चुका था। बेटी ने जब रुपए मांगने से इंकार कर दिया तो उसकी हत्या कर दी गई। बाद में इसे दुर्घटना का रूप दिया गया। दहेज के लिए मेरी बेटी की हत्या की गई है। उन्होंने जबलपुर पुलिस से उच्च स्तरीय जांच और हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन पुलिस ने केवल मर्ग कायम किया है। बता दें, कविता की मौत 10 जून की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई थी।

शादी में दिया लाखों का दहेज

कविता के पिता पी दक्षिणामूर्ति ने परिवाद में दावा किया है कि बेटी की शादी में 100 तोला सोना, 25 लाख रुपए का हीरे का हार और लगभग 30 लाख रुपए की कार सहित अन्य उपहार दिए थे। लेकिन इसके बावजूद दहेज की अतिरिक्त मांग की जाती रही और बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। पिता का आरोप है कि मेजर डॉ. ओम नागार्जुन के माता-पिता, जो तमिलनाडु में रहते हैं, ने कविता को परेशान करने के उद्देश्य से घर में काम करने वाली नौकरानी को हटा दिया था। इसके बाद घर का पूरा काम कविता से कराया जाता था। कविता के पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि शादी के बाद उनके दामाद का अधिकांश समय इंदौर की एक महिला मित्र से फोन पर बातचीत में गुजरता था।

मामला को बताया संदिग्ध

उन्होंने बताया कि इससे पहले प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी (जेएमएफसी) की अदालत में परिवाद प्रस्तुत कर एफआइआर दर्ज करने की मांग की गई थी। वहां से राहत नहीं मिलने पर रिवीजन दायर किया गया। अधिवक्ता मनीष वर्मा का कहना है कि मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि आर्मी क्षेत्र में रहने वाले मेजर डॉ. ओम नागार्जुन कथित रूप से रात लगभग 10 बजे घायल पत्नी को कार में लेकर घर से निकले, लेकिन मिलिट्री अस्पताल रात लगभग एक बजे पहुंचे। पुलिस को दिए बयान में डॉक्टर के बंगले पर तैनात चौकीदार ने यह बताया है। अधिवक्ता का कहना है कि घर से मिलिट्री अस्पताल की दूरी महज 5 मिनट की है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि गंभीर रूप से घायल कविता को लेकर ओम नागार्जुन लगभग 3 घंटे तक कहां रहे और अस्पताल पहुंचने में इतनी देरी क्यों हुई।

छात्र, शिक्षक और अभिभावकों के बीच संबंध और शिक्षा का सतत् विकास

शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान का हस्तांतरण नहीं अपितु एक निरंतर प्रगतिशील प्रक्रिया है जो व्यक्ति के विचार, व्यवहार और व्यक्तित्व को समग्र रूप में विकसित करती है। इस प्रक्रिया में तीन प्रमुख स्तंभ- छात्र, शिक्षक और अभिभावक- त्रिकोण के रूप में जुड़े होते हैं। इन तीनों के बीच सशक्त, सकारात्मक और सहयोगात्मक संबंध ही शिक्षा के सतत् विकास का आधार बनते हैं। छात्र-शिक्षक-अभिभावक के संबंध को यदि एक त्रिकोण के रूप में देखें, तो- छात्र उसकी केन्द्र बिंदु शक्ति हैं, शिक्षक मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत होते हैं और अभिभावक आधारशिला होते हैं। यदि इन तीनों कोणों के बीच समन्वय और संवाद बना रहे, तो शिक्षा न केवल सार्थक होती है, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए स्थायी मूल्यों की स्थापना भी करती है। सतत् विकास का आशय केवल शैक्षणिक परिणाम से नहीं, अपितु जीवन मूल्यों, सामाजिक कौशल और राष्ट्र निर्माण से है। इसके लिए आवश्यक है- नैतिक शिक्षा और मूल्यनिष्ठ पद्धतियाँ, समावेशी शिक्षा नीति, शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण और अभिभावकों की सकारात्मक भागीदारी।

समन्वय की आवश्यकता- वर्तमान युग में त्रिकोणीय समन्वय के लिए कुछ आवश्यक इस प्रकार पहल हैं- पीटीएम को संवादमूलक और समाधानपरक बनाना, छात्रों के उपलब्धियों और चुनौतियों को मिलकर साझा करना, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से संवाद और सूचना का आदान-प्रदान बढ़ाना।

छात्र: जिज्ञासा और विकास का केन्द्र

छात्र शिक्षा व्यवस्था के केंद्र में हैं। उनके अंदर जन्म लेने वाली जिज्ञासा, सृजनशीलता, नैतिकता और कौशल को यदि सही दिशा मिले, तो वे समाज के निर्माता बनते हैं। परंतु इसके लिए उन्हें समझदारी से मार्गदर्शन चाहिए (शिक्षक की भूमिका) और भावनात्मक-सामाजिक समर्थन चाहिए (अभिभावक की भूमिका)।

शिक्षक: शिक्षण से जीवन निर्माण तक

शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माता, पथप्रदर्शक और मूल्य-प्रेरक होते हैं। वे यदि छात्रों को प्रेरित करें, अभिभावकों से नियमित संवाद करें और तकनीकी नवाचारों के साथ स्वयं को अद्यतन रखें तो वे शिक्षा के 'सतत् विकास' में एक सशक्त स्तंभ सिद्ध होते हैं।

अभिभावक: सहयोगी की भूमिका

घर ही पहली पाठशाला है। अभिभावक बच्चों के व्यवहार, भावनात्मक स्वास्थ्य और अध्ययन के प्रति रुचि को प्रभावित करते हैं। विद्यालय से नियमित संवाद और सहभागिता के माध्यम से शिक्षक के प्रयासों को आगे बढ़ा सकते हैं। घर का शैक्षिक वातावरण निर्माण कर सकते हैं।

चुनौतियाँ

1. संचार की कमी।
2. अभिभावकों की उदासीनता।
3. शिक्षकों पर प्रशासनिक दबाव।
4. छात्रों में डिजिटल व्यसन।

समाधान

1. कार्यशालाओं के आयोजन
2. संवेदनशील संवाद,
3. परामर्श केंद्रों की स्थापना,
4. विद्यालय और घर के बीच निरंतर संवाद।

पहेलियां

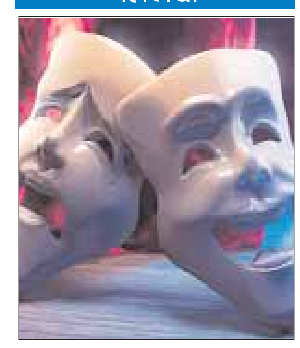

- हाथ में है पैर में है पर्ची में नहीं है, बताओ क्या।

हड्डी

***

- ऐसी कौन सी चीज है जो अधिक ठंडी में भी नहीं पिघलती है।

मोमबत्ती

***

- वह कौन से दो दान हैं जो गरीब और अमीर दोनों दान करते हैं।

कन्यादान और मतदान

***

रोचक तथ्य

लद्दाख का सबसे ऊंचा रेलवे स्टेशन

दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे स्टेशन यहां बदलों से होकर गुजरती है ट्रेन

दुनिया में कुछ ऐसे रेलवे स्टेशन हैं, जो सामान्य से बहुत ऊपर हैं, करीब पहाड़ों की चोटी जैसी ऊंचाई पर बने हैं। यहां सफर करना आसान नहीं, लेकिन नजारे इतने अद्भुत हैं कि हर यात्री देखकर हैरान रह जाता है।

इनमें भारत का भी एक स्टेशन है,जो दुनिया के सबसे ऊंचे स्टेशन की सूची में शामिल है जहां साहस और रोमांच का अनुभव भी कराते हैं। वर्तमान में लद्दाख में कोई चालू रेलवे स्टेशन नहीं है, क्योंकि यह क्षेत्र अभी तक भारतीय रेलवे के नेटवर्क से नहीं जुड़ा है। निकटतम रेलवे स्टेशन जम्मू तवी (लगभग 700 किमी दूर) है। लद्दाख के पास स्थित यह स्टेशन भारत का सबसे ऊंचा रेलवे स्टेशन बनने वाला है। 5,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर यह कठिन वातावरण में हरी-भरी और दूरदराज की जगहों को जोड़ने का काम करेगा।

नाउम्मीद

मनोचिकित्सक के क्लिनिक के बाहर इंतजार करते हुए वे सोच रहे थे कि दिमागी बीमारी की यह मुसीबत जाने कहां से पल्ले पड़ गई? उन्होंने तो कभी किसी चीज की कमी नहीं होने दी...बंगलानुमा घर, गाड़ी, दो प्यारे बच्चे...आखिर कहां कमी रह गई थी... इन्हीं विचारों में डूबते उतरते उन्होंने अनमना मन और थका-सा तन देख पत्नी का हाथ थामा ही था कि नर्स ने अंदर जाने का इशारा किया...अच्छी तरह चेकअप करने के बाद डॉक्टर साहब माहौल सहज करने के लिए मुस्कराकर बोले- इस उम्र में भी आप खूब ख्याल रखते हैं अपनी पत्नी का...कमाल की आपसी समझ रही होगी आपके वैवाहिक जीवन में, लेकिन मैं पहले ही कह चुका हूं दवाइयां नहीं धैर्य, साथ और संवाद काम करता है...ऐसे मरीजों के मामले में प्लीज आप इनसे कुछ बुलवाइए, इन्होंने तो मानों अपनी जुबान ही खो दी है...जबकि समझती सब हैं, पर न जाने क्यों कुछ बोलती नहीं...इनका बोलना बेहद जरूरी है मन हलका करने के लिए और इस बीमारी का बोझ उतारने के लिए। बस मुस्किल था तो यह समझना कि जिसे उम्रभर चुप रहने के लिए कहते आए हैं उसे अब बोलने को कहें भी तो कैसे कहें?

पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य के लिए नींद भी है जरूरी

बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं। तैयारियों के लिए विद्यार्थी अपना ज्यादा से ज्यादा समय पढ़ाई में लगा रहे हैं। कुछ की तो दिनचर्या ही गड़बड़ा गई है। परीक्षा का डर ऐसा कि विद्यार्थी नींद भूलकर दिन-रात एक करने में लगे हैं। भास्कर ने एक्सपर्ट से चर्चा की तो उन्होंने कहा पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य की दृष्टि से भरपूर नींद जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर थकान के साथ याद करने की क्षमता भी कम हो जाती है। इन दिनों परीक्षा के लिए विद्यार्थी लगातार 18 से 20 घंटे तक पढ़ाई कर रहे हैं। यहां तक की खाने पीने पर भी ध्यान नहीं दे रहे। ऐसे में उनकी सेहत पर विपरीत असर पड़ सकता है। जिला अस्पताल में आरएमओ डॉ. जितेंद्र बामनिया कहते हैं। विद्यार्थियों को लगातार सीटिंग नहीं करनी चाहिए। बीच-बीच में अपने दिमाग को कुछ राहत भी दें। इसके लिए गहरी नींद जरूरी है। डॉ. बामनिया कहते हैं जिस तरह हमें शारीरिक श्रम करने के बाद थकान लगती है और रिलेक्स होने के लिए हम आराम करते है, ठीक उसी तरह पढ़ाई दिगामी कसरत है और इसके लिए आराम भी उतना ही अनिवार्य है।

जीवन बहुमूल्य है, इसके हर एक पल को उत्साह और खुशी के साथ जीना चाहिए

प्रेरक कहानियां

5 वर्ष पहले एक राजा ने मंत्री को दे दी फांसी पर लटकाने की सजा, इससे पहले मंत्री अपने परिवार के साथ मना रहा था उत्सव। पुराने समय में एक राजा अपने मंत्री की किसी बात से बहुत नाराज हो गया। उसने मंत्री को फांसी पर चढ़ाने की सजा दे दी। राजा ने सैनिकों से कहा कि जाओ आज शाम मंत्री को फांसी पर लटकाना है, इसकी सूचना मंत्री को दे आओ। राजा के सैनिक मंत्री के घर के पहुंचे। सभी ने घर को चारों ओर से घेर लिया और कुछ सैनिक घर के अंदर गए। वहां मंत्री और उसके रिश्तेदार, मित्र उत्सव मना रहे थे। क्योंकि मंत्री का जन्मदिन था।

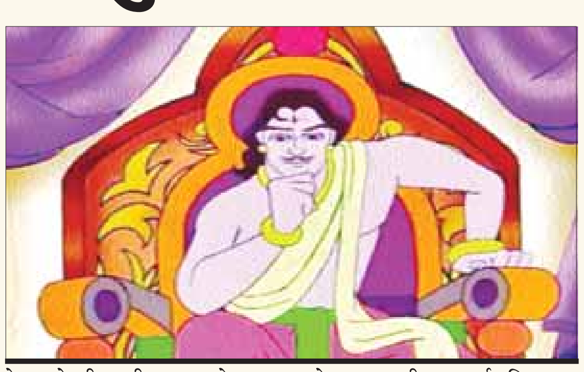

सैनिकों ने मंत्री और वहां सभी लोगों को राजा का आदेश बताया। ये सुनते ही सभी उदास हो गए। लेकिन, मंत्री ने सभी को समझाया कि हमारे आज शाम तक का तो समय है ही, हमें हर एक पल को उत्साह के साथ जीना चाहिए।

मित्र और परिवार के लोग निराश थे, लेकिन मंत्री की बात मानकर फिर से उत्सव मनाने लगे। ये बात सैनिकों ने राजा को बताई तो राजा भी आश्चर्यचकित रह गया। उसने तुरंत ही मंत्री को बुलवाया।

राजा ने मंत्री से कहा कि क्या तुम पागल हो गए हो, आज शाम तुम्हें फांसी पर लटका दिया जाएगा और तुम उत्सव मना रहे हो। मंत्री ने कहा कि राजन् आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आपने मुझे शाम तक समय तो दिया। अब मैं शाम तक अपने परिवार के साथ रह सकूंगा। अगर मैं निराश होकर बैठ जाऊंगा तो परिवार के साथ रहने का ये समय बर्बाद हो जाएगा। इसीलिए मैं शाम तक का एक-एक पल उत्साह और खुशी के साथ ही बिताना चाहता हूं। ये बात सुनकर राजा बहुत खुश हुआ। उसने सोचा कि जो व्यक्ति जीवन के हर एक पल की कद्र करता है, उसे मृत्युदंड देना उचित नहीं है। उसने मंत्री की सजा माफ कर दी।

सीख- हमें जीवन के पल-पल का मूल्य समझना चाहिए। निराशा से बचें और खुश होकर

ईमानदारी अनमोल है

झेन चेंग एक उपकरण मरम्मत की दुकान का मालिक था। वह दयालु, ईमानदार था और कायदे से कारोबार करता था। वह कभी किसी की आँखों में धूल झोंकने की कोशिश नहीं करता था, बल्कि वह अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मुश्किल से ही पैसा कमा पा रहा था। कुछ समय बाद, उसके परिवार के सदस्य और एक साथी व्यापारी ने उसे कारोबार के हथकंडों को आजमाने के लिए उकसाया, और झेन चेंग उस कहावत पर विश्वास करने लगा जो एक शैतानी सिद्धांत को दर्शाती है- बिना दूसरी आमदनी के आदमी कभी अमीर नहीं बन सकता, जैसे कि घोड़ा अगर रात में अपने तबेले में भूखा रहेगा तो कभी उसका वजन नहीं बढ़ेगा। मजबूत आदमी खा-खा कर मरता है; और कमजोर आदमी भूख से, पैसा सब कुछ नहीं है, लेकिन इसके बगैर तुम कुछ भी नहीं कर सकते। और पैसा सबसे पहले है। झेन चेंग ने

अपने उस अच्छे विवेक को खो दिया जिसने पहले उसका पथ-प्रदर्शन किया था और वह ज़्यादा से ज़्यादा पैसा कमाने के गलत तरीकों को इस्तेमाल करने लगा। यूँ तो उसने पहले से ज्यादा पैसा कमाया, और उसके जीवन स्तर में भी इजाफा भी हुआ, लेकिन झेन चेंग नाखुश था और खालीपन महसूस कर रहा था; जीवन खोखला और कष्टों से भरा हुआ था।

जब झेन चेंग ने सर्वशक्तिमान परमेश्वर के अंत के दिनों के कार्य को स्वीकार किया, उसको परमेश्वर के वचन से यह समझ में आ गया कि परमेश्वर ईमानदार लोगों से प्रेम करते हैं और धोखा देने वालों से घृणा करते हैं। झेन चेंग को यह भी समझ आ गया कि सिर्फ ईमानदार व्यक्ति होना ही एक सच्चे इंसान की तरह व्यवहार करने का और परमेश्वर की प्रशंसा पाने का एकमात्र रास्ता है, इसलिए उसने एक ईमानदार व्यक्ति बनने की कसम खा ली। हालाँकि, असल जीवन में ईमानदार होना बहुत ही कठिन सिद्ध हुआ। कलीसिया में भाइयों और बहनों के साथ, वह साफ़-साफ़ कहने वाला व्यक्ति था जैसा कि उसको होना भी चाहिए था, लेकिन अगर ऐसा ही व्यवहार वह अपने कारोबार में भी करता, तो क्या वह ज्यादा पूंजी बना पाएगा? शायद वह सिर्फ कम पैसा ही नहीं बनाएगा, बल्कि कुछ और भी नुकसान उठा सकता है और शायद उसकी दुकान भी बंद हो सकती है......इन सब परेशानियों को झेलते हुए, क्या झेन चेंग अपने कारोबार को ईमानदारी के साथ चला सकेगा?

सीख- इस कहानी से सीख मिलती है कि ईश्वर ईमानदार लोगों से प्रेम करते हैं और धोखा देने वालों से घृणा।

नया सत्र नई सोच

शिक्षक ऐसे करें भविष्य निर्माण की तैयारी

हर नया शैक्षणिक सत्र केवल विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए भी नई चुनौतियों और अवसरों का संदेश लेकर आता है। बदलते पाठ्यक्रम, नई शिक्षण तकनीकों और विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं के बीच शिक्षक की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में सत्र शुरू होने से पहले की गई सुनियोजित तैयारी न केवल कक्षा शिक्षण को प्रभावी बनाती है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास की मजबूत नींव भी रखती है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक के लिए जरूरी है कि वह नए सत्र का स्वागत स्पष्ट योजना, नवाचार और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ करे।

पाठ्यक्रम की गहरी समझ

सबसे पहले शिक्षक को अपने विषय और पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन करना चाहिए। समय-समय पर पाठ्यक्रम में परिवर्तन होते रहते हैं। नई शिक्षा नीति, संशोधित पाठ्यपुस्तकों और नवीन शिक्षण पद्धतियों की जानकारी रखना आवश्यक है। शिक्षक को यह समझना चाहिए कि पूरे वर्ष में कौन-कौन से विषय पढ़ाने हैं, किन अध्यायों को अधिक समय की आवश्यकता होगी और किन विषयों को प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से समझाया जा सकता है। इसके लिए वार्षिक, मासिक और साप्ताहिक शिक्षण योजना तैयार करना उपयोगी होता है।

छात्रों की रूचि और क्षमता को समझें

नए सत्र की शुरुआत विद्यार्थियों को समझने से भी होती है। प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति, रुचि और क्षमता अलग-अलग होती है। इसलिए शिक्षक को कक्षा के पहले कुछ दिनों में विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि, उनकी शैक्षणिक स्थिति और उनकी आवश्यकताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। इससे शिक्षक को उपयुक्त शिक्षण रणनीति बनाने में मदद मिलती है और विद्यार्थियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित होता है।

डिजिटल टूल्स से बनाएं टीचिंग को रोचक

आज के डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग शिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। शिक्षक को स्मार्ट क्लास, प्रेजेंटेशन, ऑनलाइन संसाधनों, शैक्षणिक ऐप्स और डिजिटल कंटेंट के उपयोग की तैयारी करनी चाहिए। तकनीक आधारित शिक्षण न केवल विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाता है बल्कि जटिल विषयों को भी सरल और रोचक बना देता है। शिक्षकों को अपने डिजिटल कौशल को निरंतर विकसित करते रहना चाहिए ताकि वे आधुनिक शिक्षण आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार रख सकें।

प्रोत्साहन से निखरती है प्रतिभा

एक सफल शिक्षक केवल विषय विशेषज्ञ नहीं होता, बल्कि वह एक प्रेरक मार्गदर्शक भी होता है। इसलिए नए सत्र की शुरुआत में सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण करना आवश्यक है। कक्षा में अनुशासन और मित्रतापूर्ण व्यवहार के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, अपने विचार व्यक्त करने और नई चीजें सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। ऐसा वातावरण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाता है और सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाता है।

अच्छा शिक्षक, अच्छा मार्गदर्शक भी

नए सत्र में विद्यार्थियों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है। प्रतिस्पर्धा और शैक्षणिक दबाव के कारण कई विद्यार्थी तनाव का अनुभव करते हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों के व्यवहार, सहभागिता और प्रदर्शन पर ध्यान देते हुए उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। आवश्यक होने पर अभिभावकों और परामर्शदाताओं से भी सहयोग लिया जा सकता है। एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

क्लास मैनेजमेंट भी जरूरी

स्वयं के व्यावसायिक विकास पर ध्यान देना भी शिक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नए सत्र की शुरुआत में शिक्षक को प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, वेबिनार और शैक्षणिक संगोष्ठियों में भाग लेने की योजना बनानी चाहिए। नई शिक्षण तकनीकों, शोध और नवाचारों की जानकारी शिक्षक को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाती है। सीखना केवल विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए भी एक सतत प्रक्रिया है। कक्षा प्रबंधन की तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बैठने की व्यवस्था, शिक्षण सामग्री, गतिविधियों की योजना और समय प्रबंधन जैसे पहलुओं पर पहले से विचार करने से शिक्षण कार्य सुचारु रूप से संचालित होता है। शिक्षक को ऐसी रणनीतियां विकसित करनी चाहिए जो विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करें और कक्षा को सीखने का जीवंत केंद्र बना दें।

सागौन तस्करी का भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

17 लट्ठे और ट्रैक्टर-बाइक जप्त, आरोपियों से पूछताछ में जुटी वन विभाग की टीम

कटंगी

वन विभाग की टीम ने रात्री गश्ती के दौरान गोरेघाट से बड़पानी के बीच रास्ते में बेशकीमती इमारती लकड़ी की अवैध तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने ट्रैक्टर से सागौन का अवैध परिवहन कर रहे 4 आरोपियों को पकड़ा है। उनके पास से 17 नग सागौन के लट्ठे बरामद किए गए है। इस वनोपज का कुल आयतन 0.987 घन मीटर है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 46 हजार रुपये आंकी गई है। मौके से एक मोटर साइकिल भी जप्त की गई है। पकड़े गए सभी आरोपी पठार अंचल के ग्राम महकेपार के निवासी हैं। जिनकी पहचान वासुदेव पिता मूलचंद डोंगरवार 30 वर्ष, महेश पिता जगन कोटेकार 38 वर्ष, अरविंद पिता प्यारेलाल सोनवाने 29 वर्ष और दिनेश पिता फागण लाल डोंगरवार 36 वर्ष के रुप में हुई हैं। वन विभाग ने सभी के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रं. 11913/24 दिनांक 1.6.26 दर्ज किया है। जब्त वाहन और सागौन के लट्ठों को विभागीय सुपुर्दगी में लिया गया है। आगे की जांच परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वन क्षेत्र में अवैध कटाई और तस्करी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। रात्री गश्ती बढ़ा दी गई है। इस पूरी कार्रवाई को मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी और वन मंडल अधिकारी नित्यानंदम एल के निर्देशन में प्रशिक्षु आईएफएस उपवन मंडल अधिकारी जितेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में वन विभाग की टीम ने अंजाम दिया है। वन विभाग इस बात की पड़ताल करने में जुटा हुआ है कि आखिरकार आरोपियों ने किस जंगल से सागौन के पेड़ किस जंगल से काटे थे और सागौन को कहां बेचा जा रहा था।

पठार अंचल के ग्राम महकेपार और आंजनबिहरी में सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला पहले ही सामने आया है। इस पूरे घटनाक्रम ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और उसके कर्मचारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महकेपार निवासी संदीप सोनवाने ने महकेपार में होने वाली अवैध कटाई की शिकायत डीएफओ और कलेक्टर से की। हालांकि शिकायत से पहले ही वरिष्ठ अधिकारियों को इस कटाई की जानकारी मिल चुकी थी। इसके बाद विभाग का उड़नदस्ता मौके पर पहुंचा और जांच में पाया कि जंगल में 70 से अधिक पेड़ों की कटाई की गई है, जिनमें हेमरिंग की गई थी। वहीं स्थानीय वन विभाग की टीम ने भी जांच की और नए पेड़ों में हेमरिंग की पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार जंगल में लगभग 90 पेड़ों की अवैध कटाई चिन्हित की गई। वहीं शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कटाई की संख्या इससे भी कहीं अधिक है। महकेपार में हुई अवैध कटाई के बाद प्रथम दृष्टया परिक्षेत्र सहायक और वन रक्षक को दोषी माना गया। विभाग ने इनके खिलाफ वसूली की कार्रवाई प्रस्तावित की है। महकेपार से पहले कन्हड़गांव सर्कल के कक्ष क्रमांक 570 में अवैध सागौन कटाई कर महाराष्ट्र राज्य के एक गांव में बेचने के मामले में वन रक्षक संतोष चौबे को निलंबित कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध कटाई में वन विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत रही है। बिना विभाग की जानकारी के इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई संभव नहीं।

कछार के जंगल से सागौन चोरी की कोशिश

वन विभाग की कार्रवाई में दो आरोपी पकड़े गए, एक घायल

कटंगी

वन परिक्षेत्र कटंगी के अंतर्गत आने वाले एकमात्र वनग्राम कछार के जंगल में सोमवार की देर रात वन विभाग ने सागौन चोरी की बड़ी वारदात को विफल कर दिया। सिवनी जिले के लकड़ी चोरों की सक्रियता की सूचना पहले से ही विभाग को मिल चुकी थी। इसी आधार पर वन अमला ने जंगल में जाल बिछाकर निगरानी शुरू की। देर रात जब आरोपी सागौन की सिल्ली लेकर जंगल से बाहर निकलने लगे, तभी विभाग ने उनका पीछा किया। भागते समय विजय पिता सेवकराम (52 वर्ष, निवासी दौदीवाड़ा थाना अरी) गिरकर घायल हो गया। उसे कटंगी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं खुमानसिंह पिता हरीचंद पटले (48 वर्ष, निवासी दौदीवाड़ा थाना अरी) को भी पकड़ लिया गया। सूत्रों की माने तो अन्य दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। वन विभाग ने पकड़े गए आरोपियों से अन्य आरोपियों के बारे पूछताछ की, लेकिन उन्होंने चोरी के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। आरोपियों के पास एक से एक नग सागौन की सिल्ली भी बरामद की गई है। वन विभाग ने बताया कि जंगल से सागौन सहित अन्य प्रजातियों की लकड़ी चोरी रोकने के लिए लगातार गश्त की जा रही है। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र को भी मजबूत किया गया है ताकि समय रहते सूचना मिल सके और कार्रवाई की जा सके। दरअसल, सागौन की लकड़ी अपनी मजबूती और सुंदरता के कारण बेहद कीमती मानी जाती है। इसका उपयोग फर्नीचर और निर्माण कार्यों में होता है। यही कारण है कि जंगलों में सागौन चोरी की घटनाएं लगातार सामने आती रहती हैं। कटंगी क्षेत्र के जंगलों में सागौन की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि लकड़ी माफिया इस इलाके को निशाना बनाते हैं। विभाग के अनुसार, चोरी रोकने के लिए गश्ती दल रात-दिन सक्रिय रहते हैं, लेकिन जंगल का विशाल क्षेत्र और सीमित संसाधन चुनौती बने हुए हैं। वनग्राम कछार के ग्रामीणों ने भी कई बार विभाग को सूचना दी है कि बाहरी लोग जंगल में घुसकर पेड़ों को काटते हैं।

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन हुए घायल

कटंगी

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बासी में मंगलवार की सुबह लगभग साढ़े 11 बजे नहर के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। दो मोटरसाइकिलों के आमने-सामने टकराने से तीन लोग घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कुरई क्षेत्र के ग्राम विजयपानी निवासी सतीश धुर्वे अपने ससुराल खमरिया से घर लौट रहे थे। उसी समय ग्राम बासी निवासी सूर्य प्रकाश अपने गांव के रजक (धोबी) लकेश भंडुरिया को उसके घर छोड़ने जा रहे थे। नहर के पास दोनों बाइक आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार सड़क पर गिर पड़े। हादसे में सतीश और सूर्य प्रकाश को गंभीर चोटें आईं, जबकि लकेश भी घायल हुआ। सतीश धुर्वे की हालत को नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। चिकित्सक के अनुसार सूर्य प्रकाश और लकेश ने शराब का सेवन कर रखा था। शराब पीकर वाहन चलाना इस दुर्घटना का प्रमुख कारण माना जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही संजीवनी 112 मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद डायल 112 पुलिस भी घटनास्थल और अस्पताल पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अयोध्या-काशी के लिए 31 जुलाई को रवाना होगी स्पेशल ट्रेन, 17 जुलाई तक करें आवेदन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत अयोध्या और वाराणसी (काशी) के दर्शन के लिए विशेष ट्रेन 31 जुलाई को रवाना होगी। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि इस यात्रा के लिए उमरिया जिले को 262 यात्रियों का कोटा आवंटित किया गया है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो आयकरदाता नहीं हैं, तीर्थ यात्रा के पात्र होंगे। महिलाओं को आयु सीमा में दो वर्ष की छूट प्रदान की गई है। कलेक्टर ने बताया कि 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे आवेदक, जो अकेले यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की अनुमति होगी। इसके अलावा, 65 वर्ष से अधिक आयु के 3 से 5 व्यक्तियों के समूह को भी एक सहायक ले जाने की पात्रता रहेगी। हालांकि, पति-पत्नी के साथ यात्रा करने की स्थिति में सहायक की अनुमति नहीं होगी। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के निर्देशानुसार इच्छुक पात्र नागरिक 17 जुलाई तक कार्यालयीन समय में आवेदन कर सकते हैं।आवेदन केवल विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज किए जाएंगे। सभी आवेदनों की पोर्टल पर प्रविष्टि 17 जुलाई दोपहर 2 बजे तक पूर्ण की जाएगी। यदि निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आवेदकों के नाम, आधार क्रमांक, मोबाइल नंबर और पूर्ण पते सहित सभी जानकारियों का सत्यापन कर ही पोर्टल पर प्रविष्टि की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति पूर्व में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ ले चुके हैं, उनके आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऐसे मामलों की आवश्यक जांच सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पुलिस लाइन पदस्थ सहायक उप निरीक्षक के निधन पर उमरिया पुलिस विभाग में शोक

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी गई अंतिम विदाई

उमरिया (स्वतंत्रमत)

पुलिस लाइन उमरिया मे आर्म्स शाखा मे पदस्थ सउनि विजय सिंह ने दिनाँक 31.05.2026 को स्वंय को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की सूचना प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर प्रकरण जाँच मे लिया गया। इस अत्यंत दुखद अवसर पर श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन शहडोल सुश्री एन. चौत्रा, पुलिस अधीक्षक उमरिया श्री विजय भागवानी सहित पुलिस अधिकारीध् कर्मचारियों द्वारा पुष्प अर्पित कर दिवंगत अधिकारी को भावभीनी श्रद्धांजली दी गई। दिवंगत स.उ.नि. विजय सिंह के अंतिम संस्कार एवं श्रद्धांजली कार्यक्रम मे पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन शहडोल, पुलिस अधीक्षक उमरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमरिया, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी उमरिया सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा दिवंगत अधिकारी के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हे भावभीनी श्रद्धांजली दी तथा गार्ड आफ आनर के दौरान पुलिस जवानों ने निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार

सलामी देकर दिवंगत सउनि विजय सिंह के प्रति सम्मान व्यक्त किया। सलामी के पश्चात उपस्थित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और साथी कर्मचारियों ने मौन धारण कर दिवंगत आत्मा को नमन किया। श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक उमरिया ने दिवंगत अधिकारी के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी मे पूरा पुलिस परिवार दिवंगत अधिकारी के परिवार के साथ खड़ा है। उमरिया पुलिस द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की ।

इलाज के लिए रेडक्रॉस सोसायटी ने की 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता के लिए जिला प्रशासन एवं रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा लगातार मानवीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में नौरोजाबाद के ग्राम निपनिया निवासी रामकुमार सिंह राठौर की पत्नी श्रीमती सुमित्रा सिंह राठौर को उपचार के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।जानकारी के अनुसार, श्रीमती सुमित्रा सिंह राठौर सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं और वर्तमान में जबलपुर स्थित मुखर्जी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने तथा गरीबी रेखा के अंतर्गत जीवन-यापन करने के कारण उपचार का खर्च वहन करना कठिन हो रहा था। इस संबंध में परिवार द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आवेदन प्रस्तुत किया गया था।आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती राखी सहाय ने मामले का संज्ञान लिया और पीड़ित परिवार को राहत प्रदान करते हुए उपचार हेतु 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की।सहायता राशि प्रदान किए जाने के दौरान रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति अखिलेश त्रिपाठी तथा जिला सचिव राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

प्रतिबंध के बावजूद की जा रही बोरिंग पर एसडीएम ने की कार्यवाही

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले में जल संकट को देखते हुए लागू किए गए प्रतिबंधों के बावजूद अवैध रूप से बोरिंग कराए जाने के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती राखी सहाय द्वारा सम्पूर्ण उमरिया जिले को जल अभावग्रस्त घोषित करते हुए नए निजी हैंडपंप और ट्यूबवेल उत्खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद बांधवगढ़ तहसील क्षेत्र में बोरिंग का कार्य किए जाने की शिकायत मिलने पर एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 3 के तहत

जिले को जल अभावग्रस्त घोषित किया गया है। साथ ही अधिनियम की धारा 6(1) के अंतर्गत जिले में नए निजी हैंडपंप, ट्यूबवेल उत्खनन तथा स्टॉप डैम, चेकडैम, नदी और तालाबों के पानी का सिंचाई कार्य में उपयोग आगामी आदेश तक प्रतिबंधित किया गया है।शिकायत के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह ने ग्राम डोगरगवां, पोस्ट मजमानी कला, वृत्त तामन्नारा में जांच की। जांच के दौरान रामलाल यादव पिता स्वर्गीय श्यामलाल यादव के घर परिसर में बोरिंग मशीन क्रमांक एमपी-54-जेडसी 1555 तथा ट्रक क्रमांक एमपी-54-जेडसी 1667 से बोरिंग कार्य करते हुए पाया गया।जांच में संबंधित पक्ष द्वारा बोरिंग कराने के लिए कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इसके बाद प्रशासन ने बोरिंग मशीन एवं संबंधित वाहन को जब्त कर थाना कोतवाली में अभिरक्षा हेतु खड़ा कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जल संरक्षण संबंधी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

कुडी डैम मे क्षत विक्षत अवस्था में मिला महिला का शव

उमरिया (स्वतंत्रमत)। इंदवार थाना अमरपुर चौकी अन्तर्गत कुडी डैम में क्षत विछत अवस्था मे महिला की लाश मिलने का समाचार प्रकाश में आया है। घटना की जानकारी अमरपुर चौकी पुलिस को लगते ही घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की जांच की जा रही है। जानकारी अनुसार मामला अज्ञात बताया जा रहा है। पुलिस जांच के बाद ही पता चलेगा की महिला की किन कारणों से मौत हुई है। जिन हालातों में महिला का शव घटना स्थल कुड़ी डैम के पास क्षत विक्षत अवस्था मे मिला है,उससे प्राथमिक दृष्ट्या हत्या का अंदेशा जताया जा सकता है।दरअसल चेहरे में भी चोट के निशान है और चेहरा रक्त रंजित हालत में है।घटना स्थल पर आसपास के कई गांव के लोग मौजूद है, जो फिलहाल मृत महिला को पहचान नही पा रहे है, जिससे वर्तमान में महिला की शिनाख्ती नही हो सकी है। पुलिस इस मामले में ज़रूरी कार्यवाही कर रही है, साथ ही शिनाख्ती के प्रयास में भी जुटी है।

मलेरिया निरोधक जन जागरूकता रथ को सीएमएचओ ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

उमरिया (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय बैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत माह जून मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है, अत: इस वर्ष भी मलेरिया माह जून के आयोजन हेतु डॉ व्ही.एस चंदेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मलेरिया रथ को हरी झंडी दिखाकर ग्राम स्तर तक व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने हेतु रथ रवाना किया गया है। मलेरिया निरोधक माह जून 2026 मनाये जाने का प्रमुख उददेश्य है कि मलेरिया का संक्रमण काल प्रारंभ होने के पूर्व जनसमुदाय में मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम संबंधी विस्तृत प्रचार-प्रसार गतिविधि की जाकर जनजाग्रति लाई जावे ताकि जनसमुदाय की सक्रिय सहभागिता प्राप्त की जा सके। जनसमुदाय की सक्रियता से मलेरिया बीमारी के आउटब्रेक एवं मलेरिया से होने वाली मृत्यु को रोका जा सकता है। जैसा कि विदित ही है कि मानसून के प्रारंम्भ होने के पूर्व व मानसून के पश्चात मच्छरों के उत्पत्ति स्थल बढ़ जाने के कारण मलेरिया वाहक मच्छर जन्य परिस्थितियाँ निर्मित हो जाती हैं एवं मलेरिया का प्रसार अधिक होने लगता है। जिसके दृष्टिगत आवश्यक है कि मानसून प्रारम्भ होने के पूर्व जून माह में मच्छारों के उत्पत्ति स्थलों के नियंत्रण एवं मलेरिया बीमारी की रोकथाम के सम्बन्ध में समस्त जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं सामान्यजन में व्यापक रूप से दी जावेंगी जिससे आगामी माह में प्रभावी रूप से मलेरिया बीमारी की रोकथाम हो सके। मलेरिया उन्मूलन हेतु सार्थक परिणाम प्राप्त करने हेतु जनुसमुदाय को जागरूक किया जावेगा जिससे मलेरिया निरोधक माह का आयोजन मात्र मलेरिया बीमारी के नियंत्रण के उपाय के प्रभावी नियंत्रण हेतु भी किया जावे। इसका प्रचार-प्रसार गॉव-गॉव तक किया

जाकर जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित किया जावेगा। मलेरिया रोग के रोकथाम हेतु प्रचार ग्रामीणो में मलेरिया से बचाव हेतु मलेरिया रथ के माध्यम से जन जागरूकता लाने का निरंतर प्रयास किया गया है। मलेरिया रोगो की जानकारी एवं जनजागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार किया जावेगा एवं जिला स्तर से मलेरिया रथ को रवाना किया गया है तीनो ब्लाको हाई रिष्क ग्रामों में जहां पॉजिविटी केश पाये गये है वहा पर भ्रमण करेगा आशाओ के माध्यम से ग्राम स्तर पर जनजागरूकता हेतु नारे, दीवार लेखन एवं ग्रामीणो को समझाईस दी जावेगी।

जिला मलेरिया सलाहकार रवि कुमार साहू के द्वारा बताया गया कि मलेरिया संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। मलेरिया से बचाव हेतु घर के आस-पास पानी जमा न होने दें व सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। सप्ताह में एक बार कूलर का पानी बदले एवं आस पास पाये जाने वाले कूलर टायर मटका टूटे फूटे डिब्बो में पानी जमा न होने दे एवं रूके हुये पानी में जला हुआ ऑयल केरोसीन एक ढक्कन डाले। मलेरिया निरोधक माह जून मुख्यत: मलेरिया से बचाव हेतु गांव-गांव में जनजागरूक अभियान चलाया जा रहा है। इस दरम्यान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी श्री शारदा गुप्ता जिला टीवी कार्यक्रम समन्वयक, रोहित सिंह प्रभारी जिला कम्यूनिटी मोबिलाईजर, सुधीर सोनी जिला डाटा मेनेजर आईडीएसपी, विनोद जावरकर सुपरवाईजर, संतोष पटेल, गौरी शंकर कुशवाहा, वृजेन्द्र सिंह, श्रीकांत द्विवेदी, अंगद चौधरी एवं अन्य उपस्थित रहे।

डीजल-पेट्रोल संकट से थमी विकास की रफ्तार सरकारी निर्माण कार्य हुए प्रभावित, आमजन परेशान

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

धीरे-धीरे ईधन संकट दिखाई देने लगा है। अब सहजता से डीजल पेट्रोल और रसोई गैस उपभोक्ताओं को नही मिल पा रही है। यह संकट कब खत्म होगा कैसे खत्म होगा इस पर ठोस जानकारी सामने नही आ रही है। संकट के चलते कालाबाजारी ने पैर पसारे हैं। तो वहीं महंगाई भी शनै:शनै पैर पसार रही है सब्जी किराना दूध दही फल दवा सभी के दाम हर दिन बढ़ रहे हैं। इसी बीच अब खबर चल रही है कि जिले भर में चल रहे सरकारी और गैर सरकारी कामों में भी रोक लग गई है। सरकारी निर्माण कार्यो में मटेरियल के बढ़ते दाम तो डीजल पेट्रोल की अनुउपलब्धता ठेकेदारों को परेशान कर रही है। ठेका कम्पनियों ने निर्माण कार्यो में रोक लगा दी है जहां काम चल भी रहे हैं तो उनकी गति काफी धीमी हो गई है। वहीं दूसरी ओर डीजल पेट्रोल ड्रम कैन जरकिन में प्रतिबंधित हो जाने से अनेक मशीनरी उपकरण खड़े हो गए हैं। क्रेशर संचालक परेशान बताए जा रहे हैं वहीं जनरेटर, फोकलेन मशीन, जेसीबी मशीन जैसे अनेक उपकरण बंद हो गए हैं जिले में इस बात की न तो किसी को चिंता है और न ही कोई

बैठक हो रही है अनेक ठेका कम्पनी के अधिकारी कर्मचारियों ने बताया कि यही हाल रहा तो कुछ ही दिनों में काम बंद करना पड़ेगा। वही पम्प संचालकों ने बताया कि सरकार और कम्पनी कोई भी चीज स्पष्ट नही कर रही है हर दिन पेट्रोल पम्पों में विवाद हो रहा है। जिले में लगातार गहराता डीजल और पेट्रोल संकट अब केवल वाहनों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि इसका सीधा असर जनजीवन, परिवहन व्यवस्था, कृषि कार्यों और सरकारी निर्माण परियोजनाओं पर भी दिखाई देने लगा है। हालात ऐसे बन चुके हैं कि जिले के कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन की उपलब्धता अनिश्चित हो गई है जिसके कारण आम नागरिकों को घंटों कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है। दूसरी ओर सरकारी विभागों के निर्माण कार्य भी ईंधन के अभाव में प्रभावित हो रहे हैं। भारी मशीनें खड़ी हैं वाहन बंद हैं और विकास कार्यों की रफ्तार पर मानो ब्रेक लग गया है मिली जानकारी के अनुसार जिले में पिछले कुछ दिनों से डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है। इसका सबसे अधिक असर उन परियोजनाओं पर पड़ा है जिनमें जेसीबी, पोकलेन, रोड रोलर, डंपर, ट्रैक्टर और अन्य भारी मशीनों का उपयोग किया जाता है। ईंधन नहीं मिलने के कारण कई निर्माण स्थलों पर मशीनें बंद पड़ी हुई हैं और मजदूरों को भी काम नहीं मिल पा रहा है। इससे निर्माण एजेंसियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है जिले में सड़क निर्माण, पुल-पुलिया निर्माण, जल जीवन मिशन से जुड़े कार्य, पंचायत स्तर के विकास कार्य और अन्य निर्माण गतिविधियां डीजल पर ही निर्भर हैं। लेकिन ईंधन संकट ने इन सभी कार्यों को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई ठेकेदारों का कहना है कि मशीनों को चलाने के लिए पर्याप्त डीजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। नतीजतन कई परियोजनाएं समय सीमा से पीछे चल रही हैं निर्माण एजेंसियों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो करोड़ों रुपये की योजनाओं पर गंभीर असर पड़ेगा। शासन द्वारा तय समय सीमा में कार्य पूरा करना मुश्किल हो जाएगा और इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ेगा जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं लोग इस उम्मीद में घंटों इंतजार कर रहे हैं कि उन्हें कुछ मात्रा में पेट्रोल या डीजल मिल जाए कई स्थानों पर तो स्थिति ऐसी बन गई है कि ईंधन समाप्त होने की सूचना लगानी पड़ रही है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और विद्यार्थियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है रोजाना आवागमन करने वाले लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं कई लोग मजबूरी में अतिरिक्त कीमत चुकाकर निजी स्तर पर ईंधन खरीदने की कोशिश कर रहे हैं डीजल संकट का असर कृषि क्षेत्र पर भी पड़ने लगा है जिले के अनेक किसान खेती-किसानी के कार्यों के लिए ट्रैक्टर, पंप सेट और अन्य डीजल चालित उपकरणों पर निर्भर हैं लेकिन ईंधन नहीं मिलने के कारण खेतों से जुड़े कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं किसानों का कहना है कि खेती का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है और यदि समय पर आवश्यक कार्य नहीं हो पाए तो उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा ऐसे में प्रशासन और संबंधित विभागों को जल्द से जल्द व्यवस्था सुधारनी चाहिए ताकि किसानों को नुकसान न उठाना पड़े बस संचालकों मालवाहक वाहन चालकों और निजी परिवहन व्यवसायियों के सामने भी संकट खड़ा हो गया है। डीजल की कमी के कारण कई वाहन सीमित संचालन कर रहे हैं। कुछ वाहन मालिकों ने तो अपने वाहनों को खड़ा करने का निर्णय लिया है इसका असर यात्रियों और व्यापारिक गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है।

नि :शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान के संयुक्त तत्वावधान में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन तथा जन-जन तक योग स्वास्थ्य और विश्व शांति का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से निशुल्क योग प्राणायाम एवं ध्यान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को योग के प्रति जागरूक करना स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रशिक्षित करना है। शिविर में योगासनों प्राणायाम ध्यान तथा प्राकृतिक स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। साथ ही प्रतिभागियों को मानसिक तनाव से मुक्ति शारीरिक सुदृढ़ता, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा सकारात्मक जीवन दृष्टि विकसित करने के उपाय भी बताए जा रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन प्रात: 6:30 बजे आयोजित किया जा रहा है जिसमें सभी आयु वर्ग के महिला-पुरुष एवं युवा निशुल्क भाग ले सकते हैं।

जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस का शंखनाद

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)

कांग्रेस पार्टी द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया कार्यकर्ता सम्मेलन में समूचे क्षेत्र के कार्यकर्ताओ ने उपस्थित होकर अपने अपने क्षेत्र की समस्या लेकर मोहगांव पहुंचे उक्ताशय की जानकारी देते हुए कांग्रेस जन समस्या निवारण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हसीब खान ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन समस्याओं को प्रशासन को अवगत कराना एवं त्वरित कार्यवाही कर निराकरण कराना है जिनमे मुख्य रूप से महंगाई बेरोजगारी बिजली पानी पेंशन आवास उक्त विभिन्न समस्याओं को लेकर भारी संख्या में जन मानस मोहगांव पहुंचें जहां सभी ने कार्यक्रम में आये नेता गणों के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा कार्यकर्ता सम्मेलन में सभी वक्ताओं ने जन हित मे उद्बोधन दिया ओर उपस्थित जन समुदाय को उनकी समस्या से निजात दिलाने हेतु आश्वस्त किया उद्बोधन उपरांत सभी कांग्रेस जनों द्वारा रैली निकाली गई लगभग एक किलोमीटर पैदल मार्च कर कांग्रेस के

झंडे लेकर कांग्रेस जिंदाबाद के नारे के साथ ज्ञापन स्थल तक पहुंचे कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप से सम्बोधित करते हुए जिले के वरिष्ठ विधायक नारायण सिंह पट्टा ने मौजूदा सरकार पर जमकर हल्ला बोला श्री पट्टा ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी ने आज छोटे और मध्यम वर्गीय परिवार को तोड़कर रख दिया डीजल पेट्रोल नही मिल रहा किसान डीजल की उपलब्धता न होने से समय पर कृषि यंत्रों का उपयोग कर खेती नही कर पा रहा है समय पर खाद बीज नही मिल रहा गांव में जल संकट का अंबार है जल जीवन मिशन की पोल खोलते हुए विधायक पट्टा बोले जनता आज भी अपने अधिकार को तरस रही है और सरकार तमाशबीन बनकर जनता के दर्द का तमाशा देख रही है सरकार के वादे बड़े बड़े घोषणाएं बड़ी बड़ी पर गांव में बच्चों के पढ़ने के लिए कॉलेज नही है वही क्षेत्रीय विधायक चैनसिंह वरकड़े कार्यकर्ताओं को और जन मानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि क्षेत्रीय मुद्दों को संगठन स्तर पर लगातार कार्यक्रम रखेंगे ओर जनता की आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचाएंगे। वहीं नायब तहसीलदार को थाना प्रभारी मोहगांव की उपस्थिति में ज्ञापन सौंपा गया इस दौरान जिला संगठन प्रभारी जगदीश सैनी, विधायक नारायण सिंह पट्टा, चैनसिंह वरकड़े, निवास विधानसभा प्रभारी राजेश तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष एड. राकेश तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवकुमार मिश्रा, जिला महासचिव किशोर अग्रवाल, ब्लॉक अध्यक्ष इकबाल खान ,जिला कार्यसमिति सदस्य गत सिंह भवेदी ,राधे मरावी,नफीस मलिक, हीरा सिंह उइके सोमबति धुर्वे, प्रेम लता उइके, महेंद्र मरकाम ,इमरान खान, प्रेम धुर्वे, फेमिदा खान, महेश अग्रवाल, अमरीश मिश्रा, गुंदिया बाई, जयपाल मार्को, किशन टांडिया, जाकिर हुसैन, महेश धुर्वे, हल्के राम कुडापे, धनेश झारिया, प्रीतम झारिया, अमर सिंह राजेंद्र झारिया एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

भगवान शिव का किया अभिषेक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत देवदरा अंतर्गत झंडा चौक राजीव कॉलोनी में इन दिनों पूरा माहौल भक्तिमय हो गया

है। स्थानीय धर्मप्रेमियों और सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की महिला मंडल के विशेष सहयोग से यहां सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हो गया है। इस पावन कथा के पुराण वाचक देवगांव वाले सुप्रसिद्ध पंडित कुलदीप महाराज हैं जिनके मुखारविंद से क्षेत्रवासियों को भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य और अलौकिक लीलाओं का वर्णन किया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान आगामी 7 जून तक निरंतर जारी रहेगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति महिला मंडल और क्षेत्रवासियों ने मंडला जिले के समस्त धर्मप्रेमियों श्रद्धालुओं और माताओं-बहनों से करबद्ध अपील की है कि वे प्रतिदिन समय पर सपरिवार कथा पंडाल में उपस्थित होकर इस अलौकिक कथा श्रवण और दिव्य अभिषेक का पुण्य लाभ अर्जित करें।

ओबीसी जनगणना पर होगा आंदोलन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने सख्त विरोध किया है कि वर्तमान में जो जनगणना चल रही है उसमें ओबीसी समाज का कालम नहीं है जब मकान अन्य या सामान्य में जुड़ जाएगा तब आखिर जनगणना में ओबीसी की संख्या कैसी दिखाई जा सकती है केंद्र की भाजपा सरकार ओबीसी वर्ग को धोखे में रख रही है 52 प्रतिशत आबादी के साथ हर बार भाजपा का झंडा लेकर चाहे राम मंदिर का मुद्दा हो या सरकार बनाने की बात हो सड़क पर उतरने वाला ओबीसी कार्यकर्ता आज ठगा

सा महसूस कर रहा है ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नियत साफ नहीं है यदि सरकार की नियत साफ होती तो जनगणना के पहले चरण में मकान की गणना में ओबीसी का कालम जरूरी था क्योंकि मकान एसटी एससी के साथ अन्य का नाम दिया गया है जबकि ओबीसी के भी मकान है और अन्य याने सामान्य चौधरी विकास पटेल आपने घोषणा की है कि आगामी दिनों में 5 जून को सारे देश में ओबीसी पिछड़ा वर्ग मोर्चा आंदोलन करेगा और अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

कपिल को विद्यावाचस्पति सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पत्रकारिता साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने वाले पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. कपिल वर्मा चित्रांश को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ऋषि वैदिक विश्वविद्यालय फतेहाबाद-आगरा उत्तरप्रदेश द्वारा प्रतिष्ठित विद्यावाचस्पति सारस्वत सम्मान से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान उन्हें पत्रकारिता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्जित प्रतिष्ठा तथा समाज हित में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर प्रदान किया गया विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के अनुसार यह सम्मान विश्वविद्यालय की प्रबंध कार्यकारिणी की अनुशंसा पर प्रदान किया गया है। सम्मान पत्र पर कुलपति डॉ. मुकेश कुमार ऋषि वर्मा एवं कुलसचिव डॉ. नरेश कुमार सिंहल एडवोकेट के हस्ताक्षर अंकित हैं।

एक दिन में विधिक संरक्षक नियुक्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और बाल कल्याण समिति ने समन्वय से सुशासन की मिसाल कायम की। आठ वर्षीय बालक के आधार न बन पाने के कारण स्कूल प्रवेश अटका था। बालक की नानी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में विधिक संरक्षक प्रमाणपत्र के लिए आवेदन दिया जिसे तुरंत बाल कल्याण समिति को भेजा गया। बाल कल्याण समिति ने आवेदन मिलने के एक दिन के भीतर नानी दादा-दादी को बुलाकर दस्तावेज जांचे और कथन लिए। बालक की माता का निधन हो चुका है और पिता दूसरा विवाह कर बालक को छोड़कर चला गया है बालक दादा-दादी के पास रहता है। काउंसलिंग के बाद सभी की सहमति से दादा को विधिक संरक्षक घोषित किया गया। समिति अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि इस आदेश और विधिक संरक्षक के बायोमेट्रिक के आधार पर अब बालक का आधार कार्ड बन सकेगा। पूरी प्रक्रिया किशोर न्याय अधिनियम और यूआईडीएआई के निर्देशों के अनुरूप एक दिन में पूर्ण कर जिले ने संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण पेश किया है।

इलाजरत कैदी की हुई मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला जेल में निरुद्ध एक कैदी की उपचार के दौरान जिला चिकित्सालय में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतक बंदी की पहचान आनंद चक्रवर्ती 48 वर्ष के रूप में हुई है जो मूल रूप से सिवनी जिले के केवलारी थाना क्षेत्र के ग्राम साठई का निवासी था। बताया गया है कि वह भरण पोषण से जुड़े एक मामले में 11 महीने की सजा काट रहा था। उसे 21 जुलाई 2025 से जेल में रखा गया था और आगामी 19 जून को उसकी रिहाई होनी थी। इस घटना के बाद जेल प्रशासन और परिजनों के बीच आरोपों प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया है। मृतक कैदी की दूसरी पत्नी रचना चक्रवर्ती और बहनोई मदन चक्रवर्ती ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजनों का दावा है कि आनंद पिछले 4-5 दिनों से लगातार बीमार चल रहा था लेकिन जेल के भीतर उसे समय पर उचित उपचार मुहैया नहीं कराया गया जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे उच्च केंद्र के लिए रेफर कर दिया था उसके बावजूद उसे समय रहते मेडिकल कॉलेज नहीं ले जाया गया।

पुलिस ने पकड़ा मोबाइल चोर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। थाना कोतवाली पुलिस ने मोबाइल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से रात्रि के समय घरों के खुले दरवाजों से मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की पूछताछ में आरोपी मयंक श्रीवास पिता भद्दूलाल श्रीवास निवासी चिरईडोंगरी तहसील बम्हनी एवं वर्तमान निवासी स्वामी सीताराम वार्ड मंडला ने रात के समय लोगों के घरों में खुले दरवाजों से प्रवेश कर मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 6 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

सेवानिवृत्ति पर राजकुमार पंजवानी को भावभीनी बिदाई

35 वर्षो के कार्यकाल को मिला सम्मान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर नगर पालिका परिषद में अधिवर्षिता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हुए राजकुमार पंजवानी को भावभीनी विदाई दी गई। नगर पालिका सभागार मर आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस के द्वारा राजकुमार पंजवानी के उत्कृष्ट कार्यकाल को याद किया और उनके उज्जवल भविष्य उत्तम स्वास्थ्य तथा दीर्घायु होने की कामना की। उन्होंने बताया कि उनका 35 वर्षो का कार्यकाल समर्पण और कर्तव्य निष्ठा का एक उदाहरण है जो अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक है । अपने विदाई उद्बोधन में राजकुमार पंजवानी भावुक होते हुए विभाग के सभी अधिकारियों और सहकर्मियों के

प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन 34 वर्षों में उन्हें अपने साथियों का जो अपार स्नेह और सहयोग मिला वह उनके जीवन की बड़ी पूंजी है इस अवसर पर विभाग के अन्य प्रभारियों एवं कर्मचारियों के साथ बिताए संस्मरण भी उन्होंने साझा किये। समारोह के अंत में विभाग की ओर से स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी , उपाध्यक्ष श्रीमती संजू लता वैष्णव, पार्षद राजाराम शर्मा, नितिन ठाकुर, करण सिंह इनवाती, श्रीमती पिंकी चौधरी, सुनील विश्वकर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बालकिशन खंडेलवाल, पूर्व पार्षद ओमकार यादव, अजीत चौधरी गणमान्य नागरिक अंजनी तिवारी एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे ।

समय-सीमा बैठक का आयोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने समय-सीमा और विभागीय समन्वय समिति की बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि टीएल पत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी स्वयं इनका फॉलोअप लें और निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में खरीफ सीजन की तैयारी सीएम हेल्पलाइन स्वास्थ्य पुनर्वास और शासन की अन्य प्राथमिक योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई खरीफ सीजन को देखते हुए कलेक्टर ने उर्वरक वितरण व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में सुनी समस्याएं

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला योजना भवन में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई के क्रम में कलेक्टर ने जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आए 134 आवेदकों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुना। कलेक्टर ने आवेदकों की शिकायतों और मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के संबंध में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष 2026 की तैयारियों एवं समीक्षा के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की जाएगी उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार यह बैठक आज दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक आयोजित होगी बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी नगरीय एवं पंचायत क्षेत्र के पंजीकरण सहायक पंजीकरण अधिकारी तथा सहायक अधीक्षक स्थानीय निर्वाचन शामिल होंगे।

अवैध रेत परिवहन पर जप्ती

मण्डला(स्वतंत्रमत)। खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्राप्त शिकायतों के आधार पर बम्हनी क्षेत्र में भ्रमण के दौरान खनिज रेत के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त एक डम्पर वाहन क्रमांक एमपी 20 एक्ससी 8975 को खनिज विभाग की टीम द्वारा जब्त किया गया जब्त वाहन को शासकीय अभिरक्षा में थाना बम्हनी की सुपुर्दगी में रखा गया है। वाहन के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है।

पानी को तरसी पुरानी बस्ती

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। निवास की पुरानी बस्ती बूंद बूंद पानी को तरस रही है जानकारी के मुताबिक मझगांव डैम के पानी की अनुपलब्धता के कारण नल से पानी की सप्लाई नहीं हो पाई है लेकिन जब से गर्मी शुरू हुई है तब से पानी की कमी की सबसे विकट समस्या निवास की पुरानी बस्ती ही झेल रही है गौरतलब है कि नगर परिषद द्वारा निवास की पुरानी बस्ती में सिर्फ बिझौली वाली लाइन से ही पानी की सप्लाई की जाती है जिसका उपयोग सिर्फ निस्तार के लिए किया जा सकता है।

सीखे स्वस्थ जीवन के सूत्र

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्वाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) रसईयादौना में 1 जून से 5 जून तक योग प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

संपादकीय

इबोला का संक्रमणकाल

कोरोना वैश्विक महामारी का खौफ, तनाव और मौत का भय आज भी हम महसूस करते हैं, लेकिन इबोला वायरस ने नए 'स्वास्थ्य आतंकवाद' का भाव पैदा कर दिया है। अब इबोला सिर्फ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि 10 अन्य अफ्रीकी देश संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। अकेले कांगो में ही करीब 200 मौतें हो चुकी हैं। मौत का कुल आंकड़ा अभी तक 250 के करीब बताया जा रहा है और करीब 1000 लोग संदिग्ध मरीज बताए जा रहे हैं। ये आंकड़े सरकारी हैं, हकीकत नहीं हैं, क्योंकि संदिग्ध मरीजों में से कितने स्वस्थ हो गए हैं अथवा कितनों की मौत हो चुकी है, इसका कोई भी डाटा सामने नहीं है। इस त्रासद स्थिति से पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला वायरस और संक्रमण को 'वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित कर दिया था। भय, तनाव, असहाय स्थितियां इसलिए भी हैं, क्योंकि अभी तक इबोला 'लाइलाज' है। दुनिया में एक भी टीका या गोली अथवा कैप्सूल ऐसा नहीं है, जो इबोला का इलाज कर सके, लिहाजा इस संक्रमण से मौत की संभावनाएं 25-80 फीसदी तक हैं, यह विशेषज्ञ चिकित्सकों का मानना है। लिहाजा हम मौजूदा दौर को आदमी का 'मृत्यु-काल' मानते हैं। हालांकि सीरम इंस्टीट्यूट, पुणे और ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से इबोला के टीके पर प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें भरोसा है कि आगामी 6 माह में एक कारगर टीका विश्व-बाजार में होगा। सीरम और ऑक्सफोर्ड यूनि. ने कोरोना के टीके 'कोविशील्ड' का व्यापक स्तर पर उत्पादन किया, नतीजतन करोड़ों मरीज स्वस्थ हुए और अंततः कोरोना गायब हो सका। उस टीके का आविष्कार ऑक्सफोर्ड ने किया था, लेकिन सीरम ने उसे विश्व स्तर पर उत्पादित किया। बहरहाल अब रूस का भी दावा है कि उसके विशेषज्ञ डॉक्टर और शोधकर्ता भी इबोला के टीके पर काम कर रहे हैं। बहुत जल्द इबोला का टीका बाजार में आ सकता है! इबोला वायरस और संक्रमण के अधिकतर लक्षण एक-समान लगते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, त्वचा पर चकत्ते, उल्टी, दस्त, थकान, बेहद कमजोरी, गले में खराश आदि इबोला वायरस के भी शुरुआती लक्षण हैं। आंख, नाक, कान या मल-मूत्र के रास्ते आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव होना भी महत्वपूर्ण लक्षण है। इबोला से संक्रमित जानवरों (चमगादड़ या बंदर) का मांस खाने से भी यह संक्रमण फैलता है। इसका संक्रमण इतना भयावह है कि यूरोपीय देशों, अमरीका, भारत आदि को 'हाई अलर्ट' घोषित और लागू करना पड़ा है। कनाडा ने तो कुछ समय के लिए वीजा जारी करने पर ही रोक लगा दी है। हालांकि भारत में अभी तक इबोला संक्रमण का एक भी मामला नहीं आया है, लेकिन हवाई अड्डों पर विशेष जांच और निगरानी जारी है। संक्रमण के लक्षण पाए जाने के बाद 'आइसोलेशन' (अलग-थलग रखना) का प्रोटोकॉल भी शुरू कर दिया गया है। अफ्रीकी देशों में ही तीन बार इबोला वायरस का संक्रमण फैल चुका है, जिनमें 11,000 से अधिक मौतें हुईं। 1976 से यह वायरस महसूस किया जा रहा है, लेकिन देश घातक, संहारक हथियार तो खरीद कर जमा कर सकते हैं, लेकिन इबोला-रोधी टीके पर आज तक अनुसंधान निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाया, यह भी त्रासद विडंबना ही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस बीमारी का फिलहाल कोई इलाज नहीं है। वैज्ञानिकों को प्राथमिकता के साथ इस रोग का इलाज ढूंढना होगा। केंद्र सरकार को इसके लिए अलग से बजट की व्यवस्था करनी होगी। स्वास्थ्य से जुड़े मसलों के मामले में तेजी से काम होना चाहिए।

विश्व साइकिल दिवस आज

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है।

पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया। आज अनेक लोग साइकिल को केवल गरीबों का वाहन मानते हैं, जबकि विकसित देशों में साइकिल प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों ने साइकिल को शहरी जीवन का केंद्र बनाया है। वहाँ अलग साइकिल लेन, सुरक्षित मार्ग और अनुकूल नीतियाँ उपलब्ध हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी।

समय की माँग है कि साइकिल को केवल खेल या मनोरंजन का साधन न मानकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बनाया जाए। शहरों में सुरक्षित साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहन तथा सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। विश्व साइकिल दिवस मनाने का उद्देश्य भी यही है कि समाज साइकिल के बहुआयामी महत्व को समझे और इसे दैनिक जीवन में अपनाए। यह दिवस हमें बताता है कि बड़े परिवर्तन हमेशा जटिल तकनीकों से नहीं आतेय कभी-कभी एक साधारण दो पहियों वाला वाहन भी मानवता को बेहतर भविष्य की दिशा दिखा सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम साइकिल को अतीत की वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखें। जब दुनिया सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है, तब साइकिल एक ऐसा माध्यम है जो स्वास्थ्य, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय-सभी क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान दे सकती है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि हम स्वस्थ शरीर, स्वच्छ वातावरण और संतुलित जीवन चाहते हैं, तो साइकिल को पुनः अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है-सादगी, संतुलन, स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवन-दर्शन। आने वाला भारत तभी अधिक स्वस्थ, हरित और प्रगतिशील बन सकेगा जब साइकिल फिर से उसकी सड़कों, गलियों और जनजीवन की धड़कन बनेगी। यही विश्व साइकिल दिवस की सार्थकता है और यही हरियाली भरे भविष्य की दिशा में हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

लोकतन्त्र में हिंसा निषेध

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

स्वतन्त्रता के बाद भारत को जो लोकतान्त्रिक प्रणाली हमारी आजादी की लड़ाई के पुरोधा हमें सौंप कर गये हैं उसमें अहिंसा इसके लिए खाद-पानी का काम करती है। बेशक आजादी की लड़ाई की कई धाराएं थीं जिनमें क्रान्तिकारी व नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज का भी उल्लेखनीय योगदान था परन्तु जिस नेतृत्व के पीछे देश के गरीब मजदूर से लेकर संभ्रान्त व कुलीन तक कहे जाने वाले लोग इकट्ठा हुए उसका नाम महात्मा गांधी था। महात्मा गांधी राष्ट्रपिता इसीलिए कहलाये कि उन्होंने आजादी की लड़ाई को जन आन्दोलन में तब्दील कर दिया था। उनकी इस ताकत को सबसे पहले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने ही पहचाना और विदेश में आजादी की लड़ाई लड़ते हुए भारतीयों के नाम अपने रेडियो सन्देश में महात्मा गांधी को 'राष्ट्रपिता' कह कर सम्बोधित किया। राष्ट्रपिता का यह प्रण था कि उनका स्वतन्त्रता आन्दोलन केवल अहिंसक तरीके से ही चलेगा इसी वजह से उन्होंने 1922 के लगभग शुरू हुए असहयोग आन्दोलन में हिंसा भड़क जाने की वजह से उसे वापस ले लिया था जिससे उस समय के कुछ बड़े कांग्रेसी नेता भी असहमत थे। इन नेताओं में देशबन्धु चितरंजन दास का नाम सबसे प्रमुख था। कहने का मतलब यह है कि गांधी बाबा हमें जो लोकतन्त्र सौंप कर गये हैं उसमें हिंसा के लिए लेशमात्र भी स्थान नहीं है।

यही वजह है कि आजादी मिलने के बाद पहले लोकसभा चुनाव होने से पूर्व ही तत्कालीन प्रधानमन्त्री स्व. पं. जवाहर लाल नेहरू ने 26 जनवरी, 1950 को अंगीकृत भारतीय संविधान में पहला संशोधन किया जिसमें यह प्रावधान था कि हिंसात्मक विचार फैलाने वाला कोई भी राजनीतिक दल भारतीय चुनावों में हिस्सा नहीं ले सकता। इस संशोधन के बाद ही आजादी मिलते ही प्रतिबन्धित हुई भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने भारत के संविधान और चुनावी व्यवस्था के जरिये सत्ता परिवर्तन के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। अतः भारत ने जो लोकतान्त्रिक प्रणाली अपनाई उसमें आम नागरिक अपने एक वोट के अधिकार का इस्तेमाल करके शान्तिपूर्ण तरीके से अपनी मनपसन्द के राजनीतिक दल की सरकारें स्थापित कर सकते थे। भारत को आजादी मिले 78 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है और इस दौरान देश व विभिन्न राज्यों में चुनावों के माध्यम से विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारें बनती-बिगड़ती रही हैं और इनके बीच हार-जीत होती रही है परन्तु हारने वाली राजनीतिक पार्टी को भी सत्ता में आने वाली पार्टी बराबर का सम्मान देती रही है और उसकी खामियों के खिलाफ पूर्ण अहिंसक तरीके से ही जनता को बताती रही है। लोकतन्त्र में यह लड़ाई निरन्तर चलती रहती है जिसकी वजह से सत्तारूढ़ दल अदलते-बदलते रहते हैं। यह देश मूलतः गांधी का ही देश है और गांधी जी ने आजादी मिलने के मुहाने पर बैठे भारत में एक अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर को दिये गये लम्बे साक्षात्कार में कहा था कि वह अपने विरोधी के विचार उसे अपने से ऊंचे आसन पर बैठा कर सुनना पसन्द करेंगे। लोकतन्त्र कभी भी हिंसात्मक तरीकों से नहीं चलता, बल्कि यह आपसी संवाद व परिसंवाद से चलता है इसीलिए यह उक्ति बनी है कि प्रजातन्त्र में सरकारें बल प्रयोग से नहीं बल्कि इकबाल से चलती हैं। मगर हम देख रहे हैं कि प. बंगाल में हाल ही में हुए चुनावों में हारी हुई तृणमूल कांग्रेस पार्टी के नेता अभिषेक बनर्जी और पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी पर हिंसक हमला हुआ। इतना ही नहीं उनके घायल होने पर जब उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराने का प्रयास किया गया तो दो अस्पतालों ने उनका उपचार करने से ही इन्कार कर दिया। इसकी जितनी निन्दा की जाये वह कम है।

सवाल यह है कि यदि चुनावों के दौरान अभिषेक बनर्जी के खिलाफ लोगों में गुस्सा था तो वह चुनाव परिणामों में बाहर निकल गया इसके बाद उनके खिलाफ भीड़ द्वारा हिंसक कार्रवाई करना उस पश्चिम बंगाल की संस्कृति का ही अपमान है जिसने सैकड़ों की तादाद में स्वतन्त्रता सेनानी दिये हैं। उन पर हमले की घटना की निन्दा विपक्षी नेताओं के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने भी की है, अतः सत्ता पर काबिज हुई भाजपा सरकार का यह कर्त्तव्य बनता है कि वह चुनाव बाद हिंसा पर काबू रखने के लिए आवश्यक कदम उठाये और राज्य की राजनीति में नई नजीर पेश करे क्योंकि राज्य में 2021 में जब पिछले चुनाव हुए थे तो तृणमूल कांग्रेस की सरकार दोबारा गठित हुई थी और चुनावों के बाद व्यापक हिंसा भी हुई थी जिसे रोकने के लिए तत्कालीन मुख्यमन्त्री सुश्री ममता बनर्जी ने अपेक्षित कदम नहीं उठाये थे अतः वर्तमान मुख्यमन्त्री श्री सुभेन्दु अधिकारी को नई नजीर पेश करते हुए चुनाव हारी हुई पार्टी के नेताओं के लिए शान्तिपूर्ण माहौल पैदा करना चाहिए।

वैसे प. बंगाल में 1967 के बाद से राजनीतिक हिंसा का माहौल बनना शुरू हुआ और इसी दौरान इस राज्य से नक्सलवादी आन्दोलन भी निकला जिस पर 70 के दशक में काबू पाया गया लेकिन 1977 से 2011 तक राज्य में वामपंथियों के शासन के दौरान राजनीतिक संस्कृति कहीं न कहीं हिंसा के आवेश में आती रही। इसके बाद ममता दीदी के 15 वर्षों के शासन के दौरान भी इस संस्कृति में बुनियादी फर्क नहीं आ पाया जिसे अब बदले जाने की सख्त जरूरत है। इस संस्कृति को बदलने के लिए राज्य में सक्रिय सभी राजनीतिक दलों को जमीनी स्तर से काम करना चाहिए जिससे आम लोग उस मानसिकता से बाहर आ सकें जिसमें हारे हुए दल के साथ हिंसक व्यवहार करने की प्रवृत्ति छिपी हुई है। हमारे लोकतन्त्र में शुरू से ही यह परंपरा रही है कि सत्तारूढ़ दल में बैठे नेता विपक्षी नेताओं की कुशलक्षेम का ध्यान रखते आये हैं जैसे कि पिछले दिनों कांग्रेस नेता श्रीमती सोनिया गांधी के बीमार होने पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके स्वास्थ्य के बार में श्री राहुल गांधी से जानकारी प्राप्त की थी।

ऐसा ज्ञान बेकार है जो करुणा न जगाए, सूत्र- संवेदनशील बनें

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

जीवन का मूल्य इस बात में नहीं कि हमने कितना ज्ञान अर्जित किया है, बल्कि इस बात में है कि हमारे कारण कितने लोगों का दुख कम हुआ। मनुष्य इस संसार में जन्म केवल अपने लिए नहीं लेता। अगर उसका समस्त ज्ञान, सारी विद्वता और उपलब्धियां केवल उसके अहंकार की दीवारें ऊंची करने में लग जाएं, तो वह ज्ञान नहीं, सिर्फ बोझ है। मैं उस विद्या को अधूरी मानता हूं, जो मनुष्य के भीतर करुणा न जगाए। मैंने अपने जीवन में देखा है कि समाज विद्वानों का तो सम्मान करता है, मगर दुखियों की पीड़ा सुनने से बचता है। लोग शास्त्रों के पन्ने तो उलटते हैं, किंतु मनुष्य के हृदय को पढ़ने का प्रयास नहीं करते। मुझे सदैव यह लगा कि यदि शिक्षा हमें मनुष्य के दुख के प्रति संवेदनशील नहीं बनाती, तो वह केवल शब्दों का संग्रह है, प्रकाश नहीं।

जब मैं छोटा था, तब मैंने गरीबी को बहुत करीब से देखा। मैंने उन रातों को जिया है, जब दीपक जलाने के लिए हमारे यहां तेल भी नहीं हुआ करता था और सड़क की मद्धिम रोशनी में पढ़ना पड़ता था। उस समय मैंने जाना कि ज्ञान का वास्तविक मूल्य क्या है। समाज में मैंने अनेक लोगों को देखा, जो धर्म और परंपरा की बड़ी-बड़ी बातें तो करते थे, किंतु एक विधवा के आंसू उन्हें विचलित नहीं करते थे। वे शास्त्रों की रक्षा में इतने व्यस्त हो गए थे कि मनुष्यता की रक्षा करना तक भूल गए। तब मेरे भीतर यह प्रश्न बार-बार उठता था कि अगर किसी व्यवस्था के कारण मनुष्य का जीवन अपमान और पीड़ा में डूब जाए, तो उस व्यवस्था की पवित्रता का क्या अर्थ रह जाता है? धर्म वह नहीं हो सकता, जो करुणा को कुचल दे। मनुष्य का कर्तव्य केवल सत्य को जानना नहीं, बल्कि अन्याय के सामने खड़े होने का साहस रखना भी है। मेरे लिए जीवन का उद्देश्य पीड़ित मनुष्य की पीड़ा को थोड़ा कम कर देना है। यदि आपके कारण किसी निराश व्यक्ति को आशा मिले, किसी भूखे को भोजन मिले, अशिक्षित को शिक्षा मिले, अपमानित को सम्मान मिले, तो समझिए आपका जीवन सार्थक हुआ। सच्चा ज्ञान वही है, जो सिखाए कि हर मनुष्य का दुख हमारे अपने दुख से अलग नहीं है। हम सब एक-दूसरे से जुड़े हैं। मनुष्य चाहे कितनी ही पुस्तकें पढ़ ले, उसके जाने के बाद लोग उसके शब्दों को नहीं, उसके व्यवहार को याद रखते हैं। वे यह याद रखते हैं कि उसने कितनों के आंसू पोंछे, कितनों को सहारा दिया और कितनों के लिए अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई।

शिक्षा का अर्थ है-अपने भीतर ऐसी दृष्टि विकसित करना, जिससे हम हर मनुष्य में अपनी ही आत्मा का अंश देख सकें। यदि कभी तुम्हें यह निर्णय लेना पड़े कि अपनी प्रतिष्ठा या किसी पीड़ित की सहायता करने में से महत्वपूर्ण क्या है, तो सदैव मनुष्यता को चुनना। समाज की प्रशंसा क्षणिक होती है, किंतु किसी पीड़ित मनुष्य की आंखों में लौटती हुई आशा अमर होती है। वही तुम्हारे जीवन का सबसे बड़ा पुरस्कार होगा।

जीवन की सार्थकता ज्ञान के संचय में नहीं, बल्कि दूसरों के दुखों को दूर करने में है। सच्चा मनुष्य वही है, जो शास्त्रों के पन्ने पलटने के बजाय इन्सानी दिल को पढ़े और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस रखे। सदैव प्रतिष्ठा से ऊपर मानवता और सेवा को चुनें। आपके जाने के बाद लोग आपकी उपलब्धियों को नहीं, बल्कि आपकी संवेदनशीलता को याद रखेंगे।

पेपर लीक की आड़ में डिजिटल शिक्षा पर अंजना का 'दो कौड़ी' तंज

प्रो. आरके जैन अरिजीत

भारतीय शिक्षा जगत में यह शायद ही पहले कभी देखने को मिला हो कि एक टीवी स्टूडियो में कही गई टिप्पणी इतनी तेज़ी से राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाए। लेकिन जब वरिष्ठ एंकर अंजना ओम कश्यप ने नीट पेपर लीक पर चर्चा के दौरान यूट्यूब शिक्षकों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक्सप्लेनर बनाते हैं, जानते कुछ नहीं और उन्हें दो कौड़ी के यूट्यूब गुरु तक कह दिया, तो यह सिर्फ एक टीवी बहस नहीं रही। यह बयान देखते ही देखते ब्लैकबोर्ड पर ब्रेकिंग न्यूज़ बन गया। वास्तव में, यह डिजिटल शिक्षा की बढ़ती ताकत के सामने मुख्यधारा मीडिया की असहजता को उजागर करता है। अंजना का यह हमला तथ्यों से अधिक पूर्वाग्रह का प्रतीक प्रतीत होता है।

जब लाखों छात्रों का भरोसा किसी मंच से जुड़ जाए, तो उस पर उठी उंगली केवल व्यक्तियों पर नहीं, पूरी व्यवस्था पर सवाल बन जाती है। अंजना ओम कश्यप की इस टिप्पणी को खान सर, अभिनय शर्मा जैसे लोकप्रिय यूट्यूब शिक्षकों पर भी लागू माना गया। उन्होंने कुछ डिजिटल शिक्षकों को 'बड़ा फ्रॉड' तक कह दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई, जब लाखों छात्र ऑनलाइन शिक्षा के सहारे अपने सपने संवार रहे हैं। इसलिए इसे केवल कुछ शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल शिक्षा जगत की साख पर प्रहार माना गया। सवाल है, क्या यह आलोचना तथ्यों पर आधारित है या महज़ सुर्खियाँ बटोरने की कोशिश? क्या कुछ अपवादों के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा करना उचित है?

शोर और आरोपों से परे, किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन उसके परिणामों से होता है। पिछले एक दशक में यूट्यूब आधारित शिक्षा ने लाखों छात्रों तक ज्ञान पहुँचाया, जिनकी पहुँच महंगी कोचिंग तक नहीं थी। खान सर और अभिनय शर्मा जैसे शिक्षकों ने दूर-दराज़ क्षेत्रों के युवाओं को अवसर, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास दिया। इनके पक्ष में सबसे बड़ा प्रमाण लाखों सफल छात्र हैं। यदि ये कुछ नहीं जानते, तो यह सफलता कैसे संभव हुई? हालाँकि कुछ अपवाद हो सकते हैं, लेकिन उनसे पूरे योगदान को नकारा नहीं जा सकता। अंजना जी, यह आरोप केवल शिक्षकों पर नहीं, उनके समर्पण और मेहनत पर भी सवाल उठाता है।

जब दुनिया थम-सी गई थी और शिक्षा के पारंपरिक रास्ते बंद हो गए थे, तब डिजिटल मंचों ने सीखने की लौ बुझने नहीं दी। कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षक लाखों विद्यार्थियों के लिए सहारा बने। स्कूलों और कक्षाओं के बंद रहने पर मोबाइल और इंटरनेट के जरिए शिक्षा घर-घर पहुँची। जहाँ कई कोचिंग संस्थानों की फीस लाखों रुपये तक है, वहीं अनेक यूट्यूब शिक्षक मुफ्त या कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते रहे। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को सीमित दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुँचाया है। ऐसे योगदान को अनदेखा कर पूरे समुदाय को फ्रॉड बताना न केवल अनुचित, बल्कि एकतरफा दृष्टिकोण भी है। हालाँकि कुछ चैनलों में क्लिकबेट, भ्रामक थंबनेल और पेड कोर्स की आक्रामक मार्केटिंग जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं।

विवाद के बीच शिक्षकों की प्रतिक्रिया ने अंजना के आरोपों पर नए सवाल खड़े कर दिए। अभिनय सर और खान सर जैसे शिक्षकों ने कहा कि उनका काम छात्रों का भविष्य संवारना है, न कि सनसनी फैलाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई उन्हें ज्ञानहीन सिद्ध कर दे, तो वे सीखने को तैयार हैं, लेकिन निराधार आरोप स्वीकार्य नहीं हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर छात्रों ने भी खुलकर उनका समर्थन किया। हजारों प्रतिक्रियाओं में छात्रों ने बताया कि इन शिक्षकों ने शिक्षा को महंगे दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाया है। ऐसे में दो कौड़ी जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों और परिवारों के विश्वास पर भी चोट करती है, जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं।

इस प्रकरण ने मुख्यधारा मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। जब यूट्यूब शिक्षक नीट लीक, सीबीएसई विवादों और शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें फ्रॉड कहकर खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या टीवी एंकर हर विषय के अंतिम विशेषज्ञ हैं? यदि डिजिटल मंचों की विश्वसनीयता पर संदेह किया जाता है, तो टीआरपी-केंद्रित बहसों की निष्पक्षता भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। अंजना ओम कश्यप का बयान इसी विरोधाभास को उजागर करता है। एक ओर डिजिटल शिक्षक शिक्षा की पहुंच बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके योगदान पर संदेह जताया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा जगत भी कमियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। कुछ यूट्यूब चैनलों पर क्लिकबेट और भ्रामक जानकारी की समस्या मौजूद है, जिसकी आलोचना और जवाबदेही आवश्यक है। कुछ टीचर्स पर पेपर लीक या गलत मार्गदर्शन के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन कुछ उदाहरणों के आधार पर पूरे समुदाय को फ्रॉड या दो कौड़ी का कहना उचित नहीं। शिक्षा में गुणवत्ता जरूरी है, पर उसके नाम पर पूरे आंदोलन को अपमानित नहीं किया जा सकता। किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन तथ्यों और परिणामों से होना चाहिए, न कि अपमानजनक टिप्पणियों से। अंजना का बयान इसी अतिसामान्यीकरण की मिसाल प्रतीत होता है।

वस्तुतः, इस पूरे विवाद का केंद्र कोई एंकर या शिक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा का बदलता परिदृश्य है। आज करोड़ों छात्र सीमित संसाधनों के बीच डिजिटल मंचों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे में मुख्यधारा मीडिया और डिजिटल शिक्षा जगत, दोनों से संतुलन, जवाबदेही और संवाद की अपेक्षा है। किसी शिक्षक का मूल्यांकन आरोपों या उपहास से नहीं, बल्कि उसके विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होना चाहिए। दो कौड़ी के गुरु जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन करोड़ों छात्रों के विश्वास और आकांक्षाओं पर भी आघात है; ऐसे में संबंधित टिप्पणी पर पुनर्विचार और खेद की अपेक्षा स्वाभाविक है। शिक्षा राष्ट्र की नींव है; इसलिए इस पर विमर्श पूर्वाग्रह नहीं, तथ्यों और सम्मान के आधार पर होना चाहिए।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
बुधवार 3 जून 2026

दुनिया भर में मदद की बढ़ती मांगो के बावजूद संयुक्त राष्ट्र धन की भारी कमी से जूझ रहा है : अमीना मोहम्मद

न्यूयॉर्क, (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया भर से मदद की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसकी विकास समन्वय प्रणाली धन की भारी कमी से जूझ रही है। एजेंसी ने विभिन्न देशों में अपने काम को मजबूत करने के लिए अपनी नई यूएन80 पहल के तहत तुरंत सुधार करने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने न्यूयॉर्क में एक बैठक में कहा कि इस समय दुनिया भर में विकास को लेकर उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं, लेकिन साथ ही संकट, कर्ज का बोझ और असमानता भी तेजी से बढ़ रही है।

सुश्री अमीना ने आगाह किया कि बजट में हो रही कटौती की वजह से संयुक्त राष्ट्र को कई देशों से अपना दायरा समेटने पर मजबूर होना पड़ रहा है। सदस्य देशों से मिलने वाली मदद में भारी कमी के कारण दुनिया भर में संयुक्त राष्ट्र को अपने काम और कर्मचारियों को लेकर बेहद कड़े फैसले लेने पड़ रहे हैं।

उप महासचिव ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में उसके %निवासी समन्वयक% (रेजिडेंट कोआर्डिनेटर) होते हैं, जो इस काम के मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि 93 प्रतिशत देश इन समन्वयकों के काम की तारीफ करते हैं, जबकि 90 प्रतिशत देश इन्हें संयुक्त राष्ट्र का मुख्य चेहरा मानते हैं। अब इस व्यवस्था को और बड़ा रूप दिया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की नई सुधार योजना के तहत इन समन्वयकों से उम्मीद की जा रही है कि वे 160 से अधिक देशों में जरूरी बदलाव लागू करने में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

सुश्री अमीना ने कहा कि आपदा या युद्ध के समय ये समन्वयक विकास, मानवीय मदद और शांति स्थापित करने वाले कामों को एक साथ जोड़ने का काम करते हैं। जब तक किसी क्षेत्र में बड़ी मानवीय सहायता पहुंचती है, तब तक यही लोग सबसे पहले मोर्चा संभालते हैं।

उप महासचिव ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने अपने काम करने के तरीकों में सुधार करके वर्ष 2025 में लगभग 98 करोड़ डॉलर से अधिक की बचत भी की है। इसके अलावा, खर्च कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की 33 प्रतिशत इमारतें अब साझा दफ्तरों के रूप में इस्तेमाल हो रही हैं।

इस बचत के बावजूद पैसों का संकट कम नहीं हुआ है। यह पूरी व्यवस्था देशों की इच्छा से मिलने वाले दान पर चलती है, जो कि अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया है।

सुश्री अमीना ने कहा कि वर्ष 2025 में इस काम के लिए 28.1 करोड़ डॉलर की जरूरत थी, लेकिन केवल 23.6 करोड़ डॉलर ही मिल पाए। इस तरह करीब 4.6 करोड़ डॉलर की कमी रह गई। बजट कम होने की वजह से 36 प्रतिशत समन्वयकों के दफ्तरों में पूरे कर्मचारी तक नहीं हैं।

उप महासचिव ने जोर देकर कहा कि मौजूदा व्यवस्था में कागजी और प्रशासनिक खर्च बहुत ज़्यादा हैं, इसलिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को इस पर तुरंत विचार करने की जरूरत है।

सुश्री अमीना ने कहा कि नए सुधारों के तहत, अब दफ्तरों को स्थानीय जरूरतों के हिसाब से ढाला जाएगा ताकि राज्यों और क्षेत्रों को तेजी से और सीधे मदद पहुंचाई जा सके।हवाई दावों के बजाय अब मुख्यालय में नेतृत्व को मजबूत किया जाएगा और डिजिटल टूल्स, डेटा सिस्टम तथा भविष्य का अनुमान लगाने वाली तकनीकों का विस्तार किया जाएगा। उद्देश्य सिर्फ आज के संकटों को टालना नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करना भी है। संयुक्त राष्ट्र को इसके लिए पूरी तरह तैयार और सक्षम होना होगा।

उप महासचिव ने कहा कि समन्वय का यह तरीका काम करता है या नहीं, इस पर अब कोई बहस नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या दुनिया इस व्यवस्था को चलाने के लिए जरूरी संसाधन और पैसे देने को तैयार है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि साल 2030 के सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का यह आखिरी दौर है, और %यूएन80 पहल% का मकसद इस अंतिम समय में वैश्विक विकास को नई रफ्तार देना है।

बंगाल की धरती से तेजी से कम हो रहे घुसपैठिये

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से लेकर उत्तर 24 परगना तक और दिल्ली से लेकर असम तक अब एक ही संदेश गूंज रहा है कि भारत अब घुसपैठियों की शरणस्थली नहीं बनेगा। बंगाल की धरती पर वर्षों से जिस अवैध घुसपैठ को राजनीतिक संरक्षण देकर वोट बैंक की खेती की गई, अब उस पर निर्णायक प्रहार शुरू हो चुका है। मुर्शिदाबाद के रानीनगर सीमा बिंदु से सत्रह बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा जाना भारत की सुरक्षा और अस्मिता की रक्षा के प्रति कठोर संकल्प का प्रमाण है।

हम आपको बता दें कि मुर्शिदाबाद प्रशासन ने लालगोला होल्डिंग सेंटर में रखे गए इन घुसपैठियों की पहचान की पुष्टि होने के बाद उन्हें सीमा सुरक्षा बल को सौंपा। इसके बाद सीमा सुरक्षा बल ने रोशनबाग सेक्टर मुख्यालय में प्रक्रिया पूरी कर उन्हें बांग्लादेश की सीमा के पार धकेल दिया। यह कार्रवाई उस बड़े अभियान का हिस्सा है जिसके अंतर्गत बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की धरपकड़ तेज कर दी गई है। पुलिस ने अलग-अलग चरणों में 26 संदिग्ध युवकों से पूछताछ की जिनमें से सत्रह को बांग्लादेशी पाया गया। इनमें कई ऐसे लोग थे जो केरल में मजदूरी कर रहे थे और एजेंटों से संदेश मिलने के बाद बंगाल के रास्ते भागने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि उन्हें पता चल चुका था कि अब बंगाल में घुसपैठियों पर शिकंजा कस चुका है।

देखा जाये तो यह वही बंगाल है जहां कभी घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की सरकार ने साफ कर दिया है कि बंगाल की जमीन पर केवल भारतीयों का अधिकार होगा। उनकी घोषित नीति डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट अब धरातल पर दिखाई देने लगी है। होल्डिंग सेंटर बनाए जा रहे हैं, सीमाओं पर निगरानी बढ़ रही है और अवैध घुसपैठियों को पहचान कर वापस भेजा जा रहा है। यही कारण है कि सैकड़ों बांग्लादेशी खुद ही सीमा चौकियों पर पहुंचकर वापस लौटने की गुहार लगा रहे हैं। उन्हें समझ में आ चुका है कि अब बंगाल में छिपकर रहना आसान नहीं होगा।

जो लोग वर्षों से भारत की उदारता का दुरुपयोग कर यहां अवैध तरीके से बसे, भारतीय संसाधनों पर कब्जा किया, मजदूरी छीनी और कई मामलों में सुरक्षा के लिए खतरा बने, उन्हें अब स्पष्ट चेतावनी है भारत की सीमा कोई खुला दरवाजा नहीं है। यदि कोई अवैध रूप से भारत में घुसने की कोशिश करेगा तो उसे वापस धकेला जाएगा। यह केवल कानूनी नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार ने जिस सख्त नीति को अपनाया, उसने पूरे देश में संदेश दिया कि घुसपैठ अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्यों को निर्देश दिए गए, सीमा सुरक्षा बल को खुली कार्रवाई का अधिकार मिला और अब परिणाम सामने हैं।

हम आपको बता दें कि मुर्शिदाबाद जिले में एक सौ पच्चीस किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़ लगाने का कार्य तेज कर दिया गया है। प्रशासन का लक्ष्य है कि एक सौ पांच किलोमीटर क्षेत्र को जल्द पूरी तरह सुरक्षित कर दिया जाए। भूतगाड़ी इलाके में सीमा सुरक्षा बल का नया शिविर बनाने का विरोध कुछ किसानों ने किया, लेकिन प्रशासन ने साफ कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। उचित मुआवजे के आश्वासन के बाद विरोध समाप्त हो गया। यह दर्शाता है कि अब सरकार सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए किसी भी स्तर तक जाने को तैयार है। उधर, बांग्लादेश की ओर से आपत्तियां जरूर उठाई जा रही हैं। ढाका इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बता रहा है, लेकिन भारत का भी स्पष्ट तर्क है कि वर्षों से हजारों सत्यापन अनुरोध लंबित पड़े हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दो हजार आठ सौ बासठ से अधिक मामलों में बांग्लादेश ने अब तक पहचान की पुष्टि नहीं की। ऐसे में भारत कब तक अवैध घुसपैठियों का बोझ उठाता रहेगा। देश की सुरक्षा और जनसांख्यिक संतुलन बनाए रखना हर सरकार का दायित्व है।

यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर रूस का बड़ा हमला, 13 से अधिक लोगों की मौत

कीव, (वार्ता)

यूक्रेन पर रूस के मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी है। इनमें से नौ लोग निप्रो में और चार राजधानी कीव में मारे गये। यह हाल के महीनों में मॉस्को की ओर से किये गये सबसे बड़े हमलों में से एक है। रात भर हुए इन हवाई हमलों में आवासीय इमारतें मलबे में तब्दील हो गयीं, जिसमें कई बच्चों सहित दर्जनों लोग घायल हुए हैं। आपातकालीन दल कीव में मलबे के नीचे दबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तेजी से काम कर रहा है। मंगलवार तड़के यूक्रेन के अधिकतर हिस्सों में हवाई हमले के अलर्ट जारी कर दिये गये थे।

मंगलवार को राजधानी कीव के केंद्र से धुएं के बड़े गुबार उठते देखे गये, जहां सैन्य प्रशासन प्रमुख ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने की चेतावनी दी। वहीं, कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने निवासियों से शेल्टरों में ही रहने का आग्रह किया। सुबह-सुबह हुए इन हमलों के दौरान एक के बाद एक दर्जन से अधिक तेज विस्फोटों की आवाजों के बीच ड्रोनों की गूंज सुनी जा सकती थी। मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि इस हमले के कारण एक पेट्रोल पंप, एक निर्माण स्थल, कई अपार्टमेंट ब्लॉकों और दो घरों के पास आग लग गयी। पूरे शहर में बिजली गुल होने की भी रिपोर्टें हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस कार्रवाई को यूक्रेन के पिछले हमलों का जवाब बताते हुए एक बयान में कहा कि इस हमले के सभी उद्देश्य पूरे कर लिये गये हैं। पिछले हफ्ते पूर्वी यूक्रेन के कब्जे वाले हिस्से में एक छात्र छात्रावास पर हुए घातक हमले के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराते हुए रूस ने व्यवस्थित हमला शुरू करने की चेतावनी दी थी। वहीं, यूक्रेन का कहना था कि उसने रूस की एक सैन्य इकाई को निशाना बनाया था।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार रात अपने वीडियो संबोधन में ही एक बड़े हमले की आशंका जताते हुए निवासियों से हवाई हमले के अलर्ट पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया था। मंगलवार सुबह जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने रात भर चले इस हमले में 656 स्ट्राइक ड्रोन और बैलिस्टिक, क्रूज व एंटी-शिप सहित विभिन्न प्रकार की 73 मिसाइलें दागी हैं। रूसी मिसाइलों को रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाले इंटरसेप्शन हार्डवेयर का जिक्र करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हमें पैट्रियट सिस्टम के लिए मिसाइलों की आपूर्ति के लिए अमेरिका से तत्काल मदद की आवश्यकता है।

लेबनान पर हमलों को लेकर ट्रंप ने नेतन्याहू को फटकारा : रिपोर्ट

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू को लेबनान में इजरायल की सैन्य कार्रवाई को लेकर कड़ी फटकार लगाते हुए संयम बरतने की सलाह दी है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार श्री ट्रंप ने टेलीफोन पर बातचीत में श्री नेतन्याहू को पागल बताया और उन पर कृतघ्न होने का आरोप लगाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि बातचीत के दौरान एक समय श्री ट्रंप ने ऊंची आवाज में पूछा, आप आखिर कर क्या रहे हैं? यह कथित बातचीत उस समय हुई जब नेतन्याहू ने इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) को बेरूत के दाहियेह क्षेत्र में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करने का आदेश दिया था। इजरायली सेना द्वारा जमीनी अभियान तेज किये जाने और वर्षों में पहली बार लेबनान के भीतर अधिक गहराई तक प्रवेश करने के कारण दक्षिणी लेबनान में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। श्री नेतन्याहू ने रविवार को जारी एक बयान में कहा था कि उन्होंने सेना को लेबनान में अपने जमीनी अभियान का विस्तार करने का निर्देश दिया है। इजरायल ने नबातियेह शहर के निकट एक रणनीतिक पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले पर भी कब्जा कर लिया है। इजरायली सेना ने इससे पहले 1982 में इस 12वीं शताब्दी के किले पर कब्जा किया था और लेबनान से वापसी करने तक 18 वर्षों तक उस पर नियंत्रण बनाये रखा था।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि लेबनान में इजरायली हमले सात अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच हुए व्यापक युद्धविराम समझौते का उल्लंघन हैं। श्री अराघची ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ईरान और अमेरिका के बीच हुआ युद्धविराम स्पष्ट रूप से सभी मोर्चों पर लागू है, जिसमें लेबनान भी शामिल है। किसी एक मोर्चे पर इसका उल्लंघन, सभी मोर्चों पर युद्धविराम का उल्लंघन माना जाएगा। इसके परिणामों के लिए अमेरिका और इजरायल जिम्मेदार होंगे। फोन वार्ता के बाद श्री ट्रंप ने अपनी बातचीत को सकारात्मक और उपयोगी बताया और कहा कि इजरायल बेरूत में कोई बड़ा सैन्य अभियान नहीं चलाएगा। श्री ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, आज मेरी बिबी नेतन्याहू से बातचीत हुई।

झूठे प्रचार, भ्रामक वादों के दम पर सत्ता में आयी कांग्रेस : बीआरएस

हैदराबाद, (वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मंगलवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी झूठे प्रचार और भ्रामक वादों के दम पर सत्ता में आयी थी। श्री रामाराव ने तेलंगाना भवन में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और पिछली बीआरएस सरकार के खिलाफ झूठ और दुर्भावनापूर्ण अभियानों के ज़रिये तेलंगाना की राजनीति को दूषित कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अपने कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा करने के बावजूद, कांग्रेस सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है और उसने तेलंगाना को 25 साल पीछे धकेल दिया है।

कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल के हत्यारों को मिले कड़ी सजा: मायावती

लखनऊ (वार्ता)

बसपा सुप्रीमो मायावती ने मेरठ जिले में राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल की हत्या पर दुख जताते हुये दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। सुश्री मायावती ने सरधना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चिरोड़ी निवासी राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल (17) की हत्या को अत्यंत दु:खद और चिंताजनक बताया है। उन्होने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा है कि बदमाशों द्वारा की गई यह हत्या समाज को झकझोर देने वाली है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि इस जघन्य अपराध में शामिल सभी दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

मायावती ने जोर दिया कि त्वरित कार्रवाई से पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकेगी। गौरतलब है कि सोमवार को अनुष्का पाल की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया था। पुलिस ने इस मामले में एक फास्ट फूड विक्रेता को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर करीब डेढ़ माह बाद नाले से शव बरामद किया है। शव की स्थिति अत्यंत खराब होने के कारण पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए परीक्षण कराया जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने सोमवार को बताया कि जांच के दौरान कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को पता चला कि अनुष्का की आखिरी गतिविधियां आरोपी श्याम धानक के साथ दर्ज हुई थीं। आरोपी मूल रूप से देहरादून का निवासी है और घटना के बाद चंडीगढ़ चला गया था। वहीं से पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जिसमें उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस के अनुसार अनुष्का कंकरखेड़ा क्षेत्र में किराये पर रहकर पढ़ाई और कबड्डी का अभ्यास कर रही थी। उसके आवास के निकट आरोपी की फास्ट फूड की दुकान थी जहां उसका कुछ पैसा बकाया था। 15 अप्रैल की रात दोनों के बीच रुपये को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसके सिर पर ईंट से वार कर दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। बाद में शव को बोरे में भरकर रोहटा रोड स्थित नाले में फेंक दिया गया और आरोपी फरार हो गया।

बौद्ध-जैन सर्किट से मिलेगा रोजगार को बढ़ावा, फाजिलनगर का नाम होगा पावागढ़: योगी

कुशीनगर, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को तमकुहीराज स्थित एनएचएआई पार्किंग ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार कुशीनगर और आसपास के क्षेत्र को बौद्ध एवं जैन सर्किट के रूप में विकसित कर रही है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कुशीनगर में 424 करोड़ से अधिक की 278 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह भगवान बुद्ध, भगवान महावीर और भगवान राम के पुत्र कुश की पावन धरती है। उन्होंने घोषणा की कि फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ किया जाएगा, जिसे भगवान महावीर से जोड़कर नई पहचान दी जाएगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

शर्वरी और वेदांग के 'मस्कारा' ने इंटरनेट पर मचाया धमाल

इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा का रोमांटिक ट्रैक मस्कारा दर्शकों के दिलों को छूने में कामयाब रहा है और देखते ही देखते साल के सबसे चर्चित गानों में शामिल हो गया है। एक करोड़ से अधिक व्यूज़ और सोशल मीडिया पर एक लाख से ज्यादा रील्स के साथ मस्कारा इस साल का एक बड़ा वायरल म्यूजिक मोमेंट बनकर उभरा है। फिल्म के एक गीत से आगे बढ़कर यह अब एक डिजिटल फेनोमेनन का रूप ले चुका है। शर्वरी और वेदांग रैना की शानदार केमिस्ट्री से सजा मस्कारा, जिसे महान संगीतकार ए. आर. रहमान ने संगीतबद्ध किया है और जिसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं, दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इसकी चुलबुली रोमांटिक भावना, खूबसूरत विजुअल्स और तुरंत जुबान पर चढ़ जाने वाली धुन ने इसे हर प्लेटफॉर्म पर पसंदीदा बना दिया है। गाने ने फैन वीडियोज़, डांस ट्रेंड्स और कंटेंट क्रिएटर्स के जरिए सोशल मीडिया पर एक बड़ी लहर पैदा कर दी है, जिससे यह एक सांस्कृतिक ट्रेंड बन गया है। इस सफलता पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए शर्वरी ने कहा,मैं हमेशा से बॉलीवुड संगीत की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं क्योंकि गानों में लोगों की यादों और उनके खास पलों का हिस्सा बनने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए जिन गानों से मैं जुड़ी हूं, उन्हें दर्शकों से इतना प्यार मिलता देखना मेरे लिए बेहद खास है। तरस, हाँ के हाँ और अब मास्करा, ये तीनों गाने अपने मूड और व्यक्तित्व में पूरी तरह अलग हैं, लेकिन दर्शकों का प्यार इन सभी को समान रूप से मिला है।मस्कारा को लेकर मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि लोगों ने इसे अपनी रचनात्मकता के साथ अपनाया है। हर दिन मुझे इस गाने के नए-नए और अनोखे संस्करण देखने को मिलते हैं। अलग-अलग तरीकों से लोगों का इस गाने से जुड़ना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। एक कलाकार के तौर पर इससे बड़ा पुरस्कार कोई नहीं कि दर्शक आपके काम को अपने जीवन और अपनी कहानियों का हिस्सा बना लें।

लगान' के 25 वर्ष पूरे,लगान पोस्टर चैलेंज के साथ दर्शकों को मिला रचनात्मक अवसर

भारतीय सिनेमा की ऐतिहासिक और विश्व स्तर पर सराही गई फिल्म लगान = वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया ने अपने 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। रजत जयंती अवसर पर आमिर खान प्रोडक्शन्स ने दर्शकों के लिए एक खास लगान पोस्टर चैलेंज की घोषणा की है, जिसके तहत फैंस को फिल्म का नया पोस्टर डिजाइन करने का मौका दिया गया है। चयनित प्रतिभागियों को फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में कलाकारों और निर्माण टीम के साथ शामिल होने का अवसर मिलेगा। सोशल मीडिया पर शुरू किए गए लगान पोस्टर चैलेंज के तहत प्रतिभागियों को फिल्म के प्रतिष्ठित पोस्टर को अपने नए और अनोखे अंदाज़ में तैयार करना होगा। विजेताओं का चयन किया जाएगा और उन्हें फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में कलाकारों व निर्माण दल के साथ शामिल होने का मौका मिलेगा। फिल्म के निर्माताओं ने बताया कि यह पहल दर्शकों को लगान की विरासत से जोड़ने और उनकी रचनात्मकता को मंच देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि ईमेल के माध्यम से पर भेज सकते हैं या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा कर टैग कर सकते हैं। वर्ष 2001 में रिलीज़ हुई इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई थी। ब्रिटिश भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस कहानी में एक गांव के लोग भारी कर से बचने के लिए क्रिकेट मैच खेलते हैं और संघर्ष की एक प्रेरक गाथा रचते हैं। फिल्म में ए. आर.रहमान का संगीत आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है, जिसमें 'मितवा', 'घनन घनन' और 'राधा कैसे न जले' जैसे गीत शामिल हैं।फिल्म में आमिर खान, ग्रेसी सिंह, रघुबीर यादव और अन्य कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। लगान को ऑस्कर नामांकन सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हुए थे।

ठुकरा के मेरा प्यार सीजन-2 में पहले से अधिक सशक्त नजर आएगी शानविका : संचिता बसु

अभिनेत्री संचिता बसु ने कहा है कि वेब सीरीज ठुकरा के मेरा प्यार के दूसरे सीजन में उनका किरदार शानविका पहले से अधिक मजबूत, आत्मनिर्भर और परिपक्व रूप में नजर आएगा। संचिता बसु इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज ठुकरा के मेरा प्यार के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज के ट्रेलर लॉन्च के सिलसिले में राजधानी पटना पहुंचीं संचिता बसु ने संवाद एजेंसी यूनीवार्ता से विशेष बातचीत में कहा कि पहले सीजन को मिली जबरदस्त सफलता और दर्शकों के अपार प्यार ने पूरी टीम का उत्साह बढ़ा दिया है। यही कारण है कि दूसरे सीजन को और बेहतर बनाने के लिए सभी ने काफी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि शो के नए सीजन में कहानी के साथ-साथ किरदारों की भावनात्मक यात्रा भी दर्शकों को गहराई से जोड़ने में सफल होगी। संचिता बसु ने अपने किरदार शानविका के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह उनके करियर के सबसे महत्वपूर्ण किरदारों में से एक है। उन्होंने कहा कि शानविका केवल एक पात्र नहीं, बल्कि एक ऐसी लड़की की कहानी है जो जीवन के विभिन्न चरणों से गुजरते हुए लगातार संघर्ष करती है और हर चुनौती का सामना करती है। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में दर्शकों ने उसके कॉलेज जीवन, प्रेम, रिश्तों, विवाह और उसके बाद आने वाले कठिन दौर को देखा था। कई दुखद घटनाओं और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद वह हार नहीं मानती और अपने जीवन को नई दिशा देने का प्रयास करती है। संचिता ने कहा कि दूसरे सीजन में शानविका का व्यक्तित्व और अधिक परिपक्व तथा सशक्त रूप में सामने आएगा। उन्होंने कहा कि यह सीजन दर्शकों को दिखाएगा कि एक महिला किस प्रकार कठिन परिस्थितियों से निकलकर खुद को मजबूत बनाती है और अपने फैसले स्वयं लेना सीखती है।

ध्रुव चरित्र और शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

तुलसी मानस भवन में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, शिव विवाह की सुंदर झांकी रही आकर्षण का केंद्र

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढ़िया) में समस्त मातृशक्ति संगठन नरसिंहपुर के तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन आज कथा पंडाल में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। भक्ति और आनंद के इस महासंगम में नगर की मातृशक्तियों और धर्मप्रेमी प्रबुद्ध जन शिव विवाह के भजनों और प्रसंगों पर झूमते नजर आए। कथा के तीसरे दिन व्यास पीठ की रिद्धि-सिद्धि महिला मंडल द्वारा विधि-विधान से पूजन करने के पश्चात सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने संगीतमयी वाणी में कथा का शुभारंभ किया। उन्होंने सर्वप्रथम भागवत महापुराण के अनुसार ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति, चौदह भुवन और मनु-शतरूपा के दिव्य प्रसंग का सजीव वर्णन किया। महाराज जी ने बताया कि भगवान नारायण की इच्छा से ही इस संपूर्ण ब्रह्मांड का प्राकट्य हुआ है और प्रकृति का कण-कण ईश्वर की ही सत्ता को दर्शाता है। इसके पश्चात महाराज जी ने परम भक्त ध्रुव के चरित्र का मर्मस्पर्शी वर्णन किया। उन्होंने बताया कि मात्र 5 वर्ष की अल्पायु में माता सुरुचि के कटु वचनों से आहत होकर बालक ध्रुव ने माता सुनीति के मार्गदर्शन में वन जाकर कठोर तपस्या की। नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र के जाप और दृढ़ संकल्प के बल पर बालक ध्रुव ने आदिपुरुष भगवान नारायण को साक्षात प्रकट होने पर विवश कर दिया। इस प्रसंग के माध्यम से महाराज जी ने उपस्थित मातृशक्ति को संदेश दिया कि यदि बच्चों में बचपन से ही लक्ष्य के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति और भक्ति के संस्कार डाले जाएं, तो वे संसार के हर कठिन से कठिन मार्ग पर विजय प्राप्त कर ध्रुव तारे की तरह चमक सकते हैं। तृतीय दिन की कथा के अंतिम एवं मुख्य सत्र में जब भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह का प्रसंग शुरू हुआ, तो समूचा पंडाल हर-हर महादेव और जय शिव शंभू के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मंच पर शिव-पार्वती विवाह की अत्यंत सुंदर और सजीव झांकी प्रस्तुत की गई। जैसे ही भोलेनाथ की बारात और विवाह के मांगलिक गीत शुरू हुए, पंडाल में उपस्थित समस्त मातृशक्तियां भावविभोर होकर ढोल-ताशों की थाप पर थिरकने लगीं। श्रद्धालुओं द्वारा दूल्हा बने भगवान शिव पर पुष्पवर्षा कर आरती उतारी गई। जून माह की भीषण गर्मी के बावजूद पंडाल में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए समस्त मातृशक्ति संगठन द्वारा कूलिंग व्यवस्था और शीतल पेय (ठंडा पानी व शरबत) के प्रबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया गया। आयोजन समिति ने बताया कि कल कथा का चौथा दिन अत्यंत विशेष है। आज श्रद्धेय महाराज जी द्वारा प्रह्लाद चरित्र (नृसिंह अवतार), गजेन्द्र मोक्ष की कथा के साथ-साथ कथा का सबसे प्रमुख प्रसंग श्रीकृष्ण जन्मोत्सव (नंदोत्सव) मनाया जाएगा। समिति ने नगर के सभी धर्मप्रेमी भाई-बहनों से कल की कथा में पीले वस्त्र धारण कर सपरिवार पधारने का भावभीना आग्रह किया है।

'मन की बात' के 134वें एपिसोड में सभी 1154 बूथों से शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

भारतीय जनता पार्टी नरसिंहपुर जिला संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड के अवसर पर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक उपलब्धि हासिल की है। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के सभी 1154 बूथों पर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया तथा प्रत्येक बूथ से संगठन ऐप के माध्यम से शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित की गई इस उपलब्धि पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने जिले के सभी मंडल अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण ही भाजपा की वास्तविक शक्ति है। सभी कार्यकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों से जिले ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है, जो संगठन की मजबूती और कार्यकुशलता को दर्शाती है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों, नवाचारों तथा देश के विकास में किसानों की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई। जिले भर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसान भाइयों के साथ बैठकर कार्यक्रम को सुना और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों पर विचार-विमर्श किया।जिला अध्यक्ष श्री पाठक ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को प्रेरित करने वाला जनसंवाद है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि कार्यक्रम से प्राप्त सकारात्मक संदेशों को सभी कार्यकर्ता एवं नागरिक अपने जीवन में आत्मसात करेंगे और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। जिले के सभी बूथों पर शत-प्रतिशत उपस्थिति और रिपोर्टिंग ने नरसिंहपुर भाजपा संगठन की एकजुटता, सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता को एक बार फिर प्रमाणित किया है।

इनर व्हील क्लब का सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भुवनेश्वर में आयोजित डिस्ट्रिक्ट 326 असेंबली में इनर व्हील क्लब ऑफ मैकल ने अपने उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के बल पर जिले का नाम गौरवान्वित किया वर्ष 2025-26 के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा एवं जरूरतमंदों की सहायता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए क्लब को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया असेंबली के दौरान डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती मधुस्मिता त्रिपाठी ने क्लब की विभिन्न परियोजनाओं एवं पदाधिकारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया।

फिल्टर प्लांट का कियाद निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशानुसार पेयजल संबंधी संयंत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण संस्कार बावरिया द्वारा नगर के वार्ड 12 स्थित वाटर फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल शुद्धिकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत सुभरिया जनपद पंचायत नैनपुर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत यौन शोषण एवं उत्पीड़न से संघर्षरत बालिकाओं की मानसिक दृढ़ता के लिए काउंसलिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श सत्र तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत संस्थाओं के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वृद्धजनों का सम्मान कर मनायी गई स्व.सारंग की जयंती

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्व.कैलाश नारायण सारंग की जन्म जयंती प्रयास शिक्षण एवं सामाजिक संगठन द्वारा मातृ.पितृ भक्ति दिवस एवं वृद्धजन सम्मान दिवस के रूप में मनायी गयी। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष पं.नीरज महाराज ने कहा कि स्व.श्री सारंग भाजपा के आधार स्तंभ रहे है।

नरसिंहपुर के सैकड़ों कार्यकर्त्ताओं से उनका सीधा संपर्क रहा है। स्व.श्री सारंग की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम के माध्यम से वृद्धजनों का सम्मा स्व.सारंग को सच्ची श्रद्धांजलि है। इसके पूर्व अतिथियों सहित उपस्थित जनों द्वारा स्व.श्री सारंग के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष नीरज महाराज सहित अनेक लोगों ने दीन दयाल रसोई में उपस्थित वृद्धजनों का माल्यार्पण एवं तिलक से स्वागत सम्मान किया। प्रयास संस्था द्वारा भोजन व्यवस्था में सहयोग भी प्रदान किया। इस अवसर पर कुवंर विक्रांत पटैल, प्रशांत नेमा, सूर्यप्रताप राजपूत, अविनाश तिवारीए,अभय राजपूत, मालती पटैल, रजनी पटैल, झल्लो बाई, डिल्ली बाई, अंचल यादव सहित प्रयास संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन 6 जून को

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

शिवाजी यूथ क्लब बरमान के तत्वाधान में शारदा मंदिर परिसर बरमान में 6जून शनिवार को रात्रि 8 बजे से अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कवि सम्मेलन में देश के आमंत्रित कवियों में सुश्री मंगला केवट श्रृंगार रस नर्मदापुरम अशोक त्रिपाठी ओज हास्य कवि नरसिंहपुर आजाद वतन वर्मा वीर रस सतना राजेन्द्र मौर्य हास्य व्यंग्य बिलासपुर प्रीतम नायक वीर रस हरियाणा नरेन्द्र मिश्र धड़कन चिरमिरी गीत ग़ज़ल छत्तीसगढ़ ब्रज किशोर पटेल हास्य व्यंग इटारसी ध्यान सिंह कौरव गीतकार बरमान वेणीशंकर पटेल ब्रज गीतकार सांईखेड़ा सुनील तन्हा हास्य व्यंग एवं गजलकार अमित जैन संजय करेली अपना काव्यपाठ करेंगे।पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह मुलायम भैया की अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ठाकुर राजीव सिंह श्रीमती ठाकुर अनिता सिंह उपाध्यक्ष जिला पंचायत सुश्री प्रतिज्ञा परिहार विकास खंड करेली अध्यक्ष श्रीमती अंजू साहू उपाध्यक्ष करेली के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित कवि सम्मेलन में शिवाजी यूथ क्लब बरमान आयोजन समिति की ओर से महेंद्र सिंह कौरव सहित सभी पदाधिकारियों ने कविता प्रेमी श्रोताओं की उपस्थिति का आव्हान किया है।

मंत्री उदय प्रताप सिंह की पहल से साईखेड़ा को मिली बड़ी सौगात

4 नए डीपी ट्रांसफार्मर एवं केबल सुधारीकरण कार्य शुरू

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर की विद्युत व्यवस्था को मजबूत एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की पहल पर महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ किया गया है। नगर के वार्ड क्रमांक 1, 5, 8 एवं 15 में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए 4 नए डीपी ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही विद्युत केबल सुधारीकरण के लिए स्वीकृत 10 लाख रुपये की राशि से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। रविवार को वार्ड स्थित खिरका मोहल्ला में नई हैवी विद्युत केबल लाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। लंबे समय से इस क्षेत्र के नागरिक बिजली के जर्जर तारों के कारण परेशान थे।

आए दिन तार टूटने की घटनाएं होने से न केवल विद्युत आपूर्ति बाधित होती थी, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता था। क्षेत्रवासियों द्वारा इस समस्या की शिकायत नगर परिषद एवं विद्युत विभाग से लगातार की जा रही थी। माननीय मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों से स्वीकृत इस कार्य के शुरू होने पर नागरिकों ने राहत की सांस ली है। नए डीपी ट्रांसफार्मरों की स्थापना से संबंधित वार्डों में ओवरलोडिंग की समस्या समाप्त होगी, जिससे बार-बार होने वाले विद्युत व्यवधानों में कमी आएगी। वहीं नई हैवी केबल लाइन से विद्युत व्यवस्था अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनेगी। जानकारी के अनुसार नगर के मुख्य मार्गों एवं आवश्यकता वाले क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से नवीन केवलीकरण का कार्य विद्युत विभाग द्वारा किया जाएगा, जिससे पूरे नगर की विद्युत व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री सचिन अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री कीरत सिंह पटेल, नगर परिषद सभापति एवं पार्षद श्री ओमप्रकाश पटेल तथा भाजपा कार्यकर्ता श्री मनजीत पटेल उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आगे भी विकास कार्यों की गति बनी रहेगी। क्षेत्र के नागरिकों ने माननीय मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी तत्परता एवं जनहितैषी सोच के कारण नगर की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव हो रहा है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों के माध्यम से नगर को नई सौगातें मिलती रहेंगी।

एनसीएल ने तालाबों के निर्माण हेतु किया एमओयू

सिंगरौली। सोमवार को सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफ़ील्डस लिमिटेड (एनसीएल) ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के उद्देश्य से नवीन तालाबों के निर्माण हेतु जिला प्रशासन, सिंगरौली के साथ एमओयू किया।

इस एमओयू के अंतर्गत सीएसआर के तहत एनसीएल द्वारा चितरंगी के ग्राम सुलखान खुर्द, ग्राम नैक़हवा एवं ग्राम कोरसर में 3 नवीन तालाबों के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये का वित्तीय सहयोग किया जाएगा। एनसीएल के इस प्रयास से जल संरक्षण के साथ भूजल स्तर में सुधार होगा जिस से स्थानीय किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल सुलभ मिलेगा जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आएगी।

इस दौरान एनसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर), राजीव रंजन और जिला ज़िला प्रशासन, सिंगरौली की ओर से पंचायत सीईओ,जगदीश गोमे ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन तथा जल संरक्षण व जल संरचनाओं के विकास हेतु की गई थी। एनसीएल द्वारा अपनी सीएसआर पहल च्स्वच्छ जलज् के माध्यम से स्थानीय परिक्षेत्र में स्वच्छ जल उपलब्धता हेतु और 52 तालाबों, 18 चेक डैम, 44 आरओ प्लांट्स, 2946 हेडपम्प इत्यादि की स्थापना की गई है।

हटा उपसंभाग के सभी वितरण केंद्रों में मानसून पूर्व लाइन मेंटेनेंस कार्य तेज

हटा। आगामी मानसून के दौरान उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हटा उपसंभाग के सभी वितरण केंद्रों में विद्युत लाइनों के रखरखाव एवं सुधार कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। यह अभियान 1 जून से 10 जून तक संचालित किया जा रहा है। अधीक्षण अभियंता दमोह वृत्त अमित चौहान के निर्देशन तथा दमोह उत्तर संभाग के कार्यपालन अभियंता प्रवीण कुल्हारे एवं सहायक अभियंता राजेश सहाय के मार्गदर्शन में हटाए हिनौताए मड़ियादो सहित उपसंभाग के सभी वितरण केंद्रों के 11 केवी एवं डीएल फीडरों का व्यापक मेंटेनेंस किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विद्युत तारों को व्यवस्थित रूप से खींचनेए विद्युत पोलों के समीप स्थित पेड़ों की शाखाओं की कटाई-छंटाई, लाइनों की तकनीकी जांच तथा अन्य आवश्यक सुधार कार्य किए जा रहे हैं। मानसून के दौरान तेज हवाओं और वर्षा से होने वाली संभावित विद्युत बाधाओं को रोकने के लिए यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर संपादित किया जा रहा है।सहायक अभियंता राजेश सहाय ने बताया कि हटा उपसंभाग के सभी वितरण केंद्रों में लाइन रखरखाव का कार्य निरंतर जारी है तथा संबंधित कनिष्ठ अभियंताओं और विद्युत कर्मियों की टीमों द्वारा क्षेत्रवार निरीक्षण एवं सुधार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानसून पूर्व मेंटेनेंस अभियान से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा मिल सकेगी। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि रखरखाव कार्य के दौरान आवश्यकतानुसार कुछ क्षेत्रों में अल्पकालिक विद्युत व्यवधान हो सकता है लेकिन यह कार्य भविष्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।

एनटीपीसी द्वारा वैढ़न में मच्छरदानी एवं सैनिटरी पैड का वितरण

सिंगरौली।

एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा अपनी नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता श्रेणी में सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देते हुए वार्ड-39, वैढ़न के जरूरतमंद निवासियों के बीच 300 मच्छरदानियों एवं 200 सैनिटरी पैड का वितरण किया गया। यह वितरण कार्यक्रम श्री माहताब आलम, उपमहाप्रबंधक (सीएसआर/आर एंड आर) की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वार्ड प्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता की।कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना तथा महिलाओं एवं किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं सुविधाओं को बढ़ावा देना था। लाभार्थियों ने इस पहल के लिए एनटीपीसी विंध्याचल के प्रति आभार व्यक्त किया। एनटीपीसी विंध्याचल समय-समय पर स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं सामुदायिक विकास से संबंधित विभिन्न सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। यह पहल भी समुदाय की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जनकल्याण के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जीतू पटवारी पर अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कचहरी चौक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन, कांग्रेस नेताओं ने कहा मर्यादा में रहे भाजपाई

कटनी (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरुद्ध की गई अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी शहर कटनी द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराते हुए टिप्पणी की कड़ी निंदा की और जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की।

पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद राजमणि पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों, राजनीतिक शुचिता एवं मर्यादित संवाद की पक्षधर रही है। किसी भी जननेता के विरुद्ध अभद्र एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करता है, जिसका कांग्रेस पार्टी

पुरजोर विरोध करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जनहित के मुद्दों को लगातार मजबूती से उठा रहे हैं और उनकी बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर भाजपा के नेता इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं के सम्मान एवं कार्यकर्ताओं के स्वाभिमान से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर की गई अमर्यादित टिप्पणी न केवल एक व्यक्ति का बल्कि समूचे कांग्रेस परिवार का अपमान है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेसजन लोकतांत्रिक एवं गांधीवादी तरीकों से इस मानसिकता का विरोध करते रहेंगे तथा जनहित, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत रहेंगे। एडवोकेट अमित शुक्ला ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं के सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन व्यक्तिगत एवं अमर्यादित टिप्पणियां किसी भी सभ्य राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा नहीं हो सकतीं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठा रही है, जिससे घबराकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस प्रकार की निम्नस्तरीय राजनीति पर उतर आए हैं। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला, पूर्व मंत्री राजमणि पटेल, रजनी वर्मा, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी, मंगल सिंह, कमलेश यादव, आनंद पटेल, राकेश गुड्डू द्विवेदी, राम मुलवानी, आदिता वर्मा, मारूफ अहमद हनीफ, अहमद कुरैशी, नारायण निषाद, संदीप यादव, इमरान खान, मुन्ना कुशवाहा, रंजीत सिंह, श्याम पाहुजा, अजय कोल, विजय मंगल चौधरी, राजकुमार विश्वकर्मा, रमेश अहिरवार, विनोद अहिरवार, अजय खटीक, जितेन्द्र बड़गैया, शशांक गुप्ता, सुरजीत सिंह सोलंकी, अजय वर्मा, एड. तरुण दुबे, अंशु गुप्ता, माधवेंद्र सिंह, मुकेश बर्मन, दिलदार खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नियमों का पालन जरूरी

जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को किया जा रहा प्रेरित

कटनी (स्वतंत्र मत)। शहर में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस एक्टिव मोड पर नजर आ रही है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहरवासियों से अपील की जा रही है कि वे यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। इसी क्रम में ट्रैफिक थाना प्रभारी अनूप सिंह के नेतृत्व में शहर के प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त चौराहों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि नागरिकों को यातायात संबंधी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े तथा सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सके। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अव्यवस्थित एवं नियम विरुद्ध पार्क किए गए वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है। इसके साथ ही मिशन चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग कर वाहन चालकों की जांच की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि एक वाहन चालक की छोटी सी लापरवाही न केवल उसके लिए बल्कि अन्य वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसी उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को सुरक्षित यातायात के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

ट्रैफिक पुलिस की अपील

कटनी ट्रैफिक पुलिस ने सभी शहरवासियों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा है कि सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इससे न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था भी बेहतर होगी।

कलेक्टर जनसुनवाई में सुन रहे लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दे रहे निराकरण के निर्देश

कटनी (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर अब तक 59 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं। इस दौरान अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंहमारे उइके, जिला प्रबंधक लोकसेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

समाधान समारोह के तहत 21 से 23 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट में आयोजित होगी विशेष लोक अदालत

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लंबित प्रकरणों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण के लिए समाधान समारोह-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष लोक अदालत 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के परिसर में आयोजित की जाएगी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रदेश के पक्षकारों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की गई है। यह पूर्णतः स्वैच्छिक है और दोनों पक्षों की सहमति अनिवार्य है।

लोक अदालत से पूर्व मध्यस्थता और समझौते के लिए बैठकों का आयोजन किया जाएगा। पक्षकार स्वयं उपस्थित होकर या वर्चुअल (ऑनलाइन) माध्यम से भी शामिल हो सकते हैं। समझौते के बाद कोर्ट फीस की

वापसी होगी और आदेश अंतिम माना जाएगा।

इन श्रेणियों के प्रकरणों का होगा निराकरण

पक्षकारों की आपसी सहमति से बैंकिंग एवं बीमा से संबंधित प्रकरण, सिविल (दीवानी), मोटर दुर्घटना प्रतिकर और पारिवारिक विवाद, उपभोक्ता विवाद, रेरा और वाणिज्यिक मामले, भूमि अधिग्रहण, श्रम एवं औद्योगिक विवाद, शासकीय सेवाओं से संबंधित सेवा प्रकरण और स्थानांतरण याचिकाएं, किराया नियंत्रण एवं बेदखली से संबंधित मामलों को इस विशेष लोक अदालत में शामिल किया गया है। अधिवक्ता एवं पक्षकार मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की वेबसाइट पर चिन्हित प्रकरणों की सूची देख सकते हैं। यदि आपका केस सूची में नहीं है, तो पक्षकार 31 मई 2026 तक गूगल फॉर्म लिंक के माध्यम से अपना प्रकरण लोक अदालत में रेफर करवा सकते हैं। निःशुल्क सहायता और प्री-सिटिंग बैठकों के लिए पक्षकार अपने निकटतम जिला या तहसील विधिक सेवा समिति से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के जबलपुर 0761-2623225, इंदौर 0731-2528555 और ग्वालियर 0751-2402231 केंद्रों पर भी संपर्क किया जा सकता है। साथ ही मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण 0761-2678352 और पर भी संपर्क किया जा सकता है।

कन्या महाविद्यालय की पूर्व छात्रा चारू जैन का सुयश

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय की पूर्व छात्रा चारू जैन ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से महाविद्यालय तथा जिले का नाम रोशन किया है। बी.एससी. कंप्यूटर साइंस की छात्रा चारू जैन ने वर्ष 2022 की मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा उत्तीर्ण कर असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर के पद पर चयनित हुई हैं। पिता सुनील कुमार जैन तथा माता संगीता जैन की पुत्री चारू जैन अपनी छात्रा जीवन से ही मेधावी रही हैं। उन्होंने महाविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। प्राचार्य ने चारू के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

नहीं रूक रहे सायबर ठगी के मामले

यूपीआई से बैंक खाते में लगाई सेंध, पार किए 2 लाख 26 हजार 998.83 रुपये

कटनी (स्वतंत्र मत)।

सायबर जागरूकता को लेकर चलाए जा रहे अभियानों का कोई असर होता नहीं दिख रहा है। कम समय में अधिक कमाई के लालच और जानकारी के अभाव में लोग सायबर क्राइम का शिकार हो रहे हैं। साइबर अपराधी मासूम लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सामने आया है, जहां एक शातिर ठग ने यूपीआई के माध्यम से एक व्यक्ति के बैंक खाते में सेंध लगाकर 2 लाख 26 हजार 998.83 रुपये पार कर दिए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली टीआई राखी पांडे ने बताया कि दुर्गा मंदिर के पास मनीष किराना स्टोर्स आधारकाप निवासी 31 वर्षीय मोनू गुप्ता पिता विश्वनाथ गुप्ता के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी की वारदात हुई। अज्ञात साइबर ठग ने बड़ी ही चालाकी से उनके बैंक खाते से जुड़े यूपीआई माध्यम का उपयोग किया और किस्तों में 2 लाख 26 हजार 998 रुपये से अधिक की रकम उड़ा ली। खाते से पैसे कटने का मैसेज मोबाइल पर आने के बाद पीड़ित के होश उड़ गए, जिसके बाद उन्होंने तुरंत मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई। कोतवाली पुलिस ने पीड़ित मोनू गुप्ता की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की नई धारा 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की गंभीरता और बड़ी रकम की ठगी को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने साइबर सेल को ट्रांजैक्शन डिटेल सौंप दी है। पुलिस उस बैंक खाते और मोबाइल नंबर की कुंडली खंगाल रही है, जिसमें यूपीआई के जरिए यह राशि ट्रांसफर की गई है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी की लोकेशन ट्रैक कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मछुआ सम्मेलन में आधुनिक तकनीकों पर जोर

कटनी। मछुआ समुदाय की आय में वृद्धि और मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहायक संचालक मत्स्य उद्योग कार्यालय, कटनी में मछुआ सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मछुआ प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्याम निषाद ने की। इस अवसर पर जिले के सभी विकासखंडों की मछुआ सहकारी समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए निषाद ने मछुआ समुदाय से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं और मुद्दों पर चर्चा की तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अग्रसेन उद्यान में कुलदेवी महालक्ष्मी एवं भगवान अग्रसेन की 30वीं महाआरती

कटनी (स्वतंत्रमत)। अग्रसेन उद्यान, घंटाघर में कुलदेवी महालक्ष्मी जी एवं भगवान अग्रसेन महाराज की 30वीं महाआरती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। महाआरती का यह क्रम निरंतर जारी है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ-साथ सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था को भी मजबूत कर रहा है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भगवान अग्रसेन जी के आदर्शों तथा 'एक ईंट, एक रुपया' के सिद्धांत को आत्मसात कर समाज कल्याण की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। महाआरती के माध्यम से समाज के लोगों को एक मंच पर आने और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा मिल रहा है। 30वीं

महाआरती की जजमानी राजकुमार अग्रवाल, नमन अग्रवाल एवं गगन अग्रवाल चूड़ी वाले परिवार द्वारा की गई। जजमान परिवार ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं अग्रबंधुओं के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी धार्मिक आयोजन को सफल बनाया। उपस्थित जनों ने समूह द्वारा शुरू की गई इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए इसे समाज को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आयोजन बताया। समापन पर समाज की सुख-समृद्धि, उन्नति एवं कल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम का आयोजन भगवान अग्रसेन के सान्निध्य में अग्र समाज के सहयोग से संपन्न हुआ।

अवैध निर्माण और फायर नियम उल्लंघन पर निगम सख्त

नाला सफाई, पीएम आवास और राजस्व वसूली कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर में अवैध कॉलोनियों, अनधिकृत निर्माणों और फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश निगमायुक्त तपस्या परिहार ने नगर निगम में आयोजित समय-सीमा बैठक में दिए। उन्होंने अधिकारियों से बिना अनुमति निर्माण कार्यों पर रोक लगाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निर्माणों की समीक्षा करते हुए प्रति सप्ताह एफआईआर दर्ज कराने तथा निर्धारित कंपाउंडिंग लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। वहीं फायर अप्रूवल और फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र नहीं लेने वाले संस्थानों के खिलाफ भी कार्रवाई करने को कहा गया। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए निगमायुक्त ने नालों की सफाई कार्यों की समीक्षा की और जलभराव संभावित क्षेत्रों में शेष कार्य प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के सर्वे और आवास आवंटन प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर दिया गया। बैठक में पेयजल आपूर्ति, राजस्व वसूली, अतिक्रमण नियंत्रण, ट्रांसपोर्ट नगर व्यवस्था, अमृत योजना और अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने अधिकारियों को जन शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

जल गंगा दशहरा कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी

कटनी। नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक समन्वय नंदिनी वाटिया के सहयोग से ब्लॉक बड़वारा के सेक्टर क्रमांक 04 (बसाडी) अंतर्गत प्रस्फुटन ग्राम बेहड़ी एवं मिडरा में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम के तहत जल गंगा दशहरा कार्यक्रम मनाया गया। परिषद द्वारा दिए गए लक्ष्य आधारित गतिविधियों जैसे जल संचय करने हेतु, जल संगोष्ठी की गई एवं खेर माता मंदिर में आरती पूजन, जल श्रोत तालाब में साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, गंगा आरती एवं जल संचय को लेकर शपथ ग्रहण, रैली, भजन एवं बैठक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जल गंगा दशहरा कार्यक्रम में उपस्थित विकासखंड समन्वयक बड़वारा नंदिनी वाटिया, जनपद पंचायत बड़वारा उपाध्यक्ष रामसेवक दुबे, प्रस्फुटन समिति मिडरा के अध्यक्ष सचिव, सदस्य नवांकुर संस्था सेक्टर प्रभारी गुलशन सिंह, परामर्शदाता प्रियंका रजक एवं ग्रामीण जनों द्वारा दोनों गांवों के कार्यक्रम में पूरे उत्साह सहित सहभागिता रही।

एक मंच-सीधा समाधान: कटनी नगर निगम में आयोजित हुई महापौर जनसुनवाई

महापौर ने संवेदनशीलता से सुनीं नागरिकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई एक बार फिर नागरिकों के लिए राहत और विश्वास का केंद्र बनी। प्रातः 11 बजे से प्रारंभ हुई जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं एवं मांगें लेकर पहुंचे। इस दौरान निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहे, जिससे नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़े तथा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

नागरिकों की समस्याओं पर गंभीरता से हुई सुनवाई - जनसुनवाई के दौरान महापौर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने पेयजल, सफाई, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, राजस्व एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

दिव्यांग नागरिक की समस्या सुनने स्वयं पहुंचीं महापौर - जनसुनवाई के दौरान वेंकट वार्ड से

आए दिव्यांग नागरिक अजय निषाद शारीरिक असुविधा के कारण सभागार तक नहीं पहुंच सके। इसकी जानकारी मिलते ही महापौर स्वयं नीचे पहुंचीं और उनसे मुलाकात कर उनकी समस्या को गंभीरता से सुना। निषाद द्वारा राशन पर्ची में नाम दर्ज कराए जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत की गई, जिस पर मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों द्वारा प्रकरण का त्वरित संज्ञान लेते हुए निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। महापौर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें प्राप्त करना नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। नगर निगम प्रशासन आमजन की सुविधा एवं विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रहा है तथा प्रत्येक शिकायत के निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। उन्होंने नागरिकों से भी नगर विकास, स्वच्छता एवं जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा। इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन के दूसरे दौर में पीवी सिंधु

थाइलैंड की खिलाड़ी को 25-23, 21-16 से हराया, श्रीकांत हारे

नई दिल्ली।

भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। मालविका बनसोड़ पहले दौर में हार गईं। मेंस सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत भी बाहर हो गए। वर्ल्ड नंबर-12 सिंधु ने मंगलवार को राउंड ऑफ 32 में थाईलैंड की बुसानन ओन्गब्रामंगफान को सीधे गेम में 25-23, 21-16 से हराया। मैच 51 मिनट तक चला।

30 साल की सिंधु राउंड ऑफ 16 में तुर्किये की नेस्लिहान आरिन और साउथ कोरिया की वर्ल्ड नंबर-1 शटलर आन से-यौंग के बीच होने वाले मैच की विजेता से खेलेंगी। इस मैच में सिंधु को पहले गेम में संघर्ष करना पड़ा। ओन्गब्रामंगफान ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हालांकि, भारतीय स्टार ने यह गेम 25-23 से जीत लिया। सिंधु ने दूसरे गेम में लय हासिल की और दूसरा गेम 21-16 से जीत लिया। एक अन्य मैच में मालविका बनसोड़ को थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग ने 21-12, 21-10 से हराया। मैच महज 39 मिनट में समाप्त हो गया।

श्रीकांत को जापानी खिलाड़ी ने हराया

मेंस सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत को पहले राउंड में हार मिली। जापान के युशी तनाका ने उन्हें महज 37 मिनट में 21-19, 21-15 से हराया। लक्ष्य सेन का मैच थोड़ी देर में होगा। डबल्स कैटेगरी में भी भारतीय जोड़ियां एक्शन में होंगी। यह बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन का लेवल-1 बैडमिंटन टूर्नामेंट है। यह साल में एक बार होता है। टूर्नामेंट पहली बार 1982 में खेला गया था। तब से इसमें दुनिया के बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे।

बतौर नेट बॉलर भारतीय टेस्ट टीम से जुड़े आकिब नबी

पिछले 2 रणजी सीजन में 104 विकेट झटके, 6 जून से अफगानिस्तान से मैच

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया से जुड़ गए हैं। उन्हें नेट बॉलर के रूप में चंडीगढ़ में चल रहे भारतीय कैंप में शामिल किया गया है। मैच 6 जून से मुल्लांपुर स्टेडियम में खेला जाएगा। 29 साल के नबी 19 मई को जारी टेस्ट और वनडे टीम में नहीं चुने गए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार उन्हें भारतीय टीम के माहौल में घुलने-मिलने के लिए बुलाया है। कुछ दिन पहले प्रिंस यादव को भी टीम से जोड़ा गया था।नबी पिछले दो रणजी ट्रॉफी सीजन में घरेलू क्रिकेट के सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 17 पारियों में 60 विकेट झटके । उन्होंने पिछले सीजन में 17 पारियों में 60 विकेट लेकर जम्मू-कश्मीर को पहली बार चैंपियन बनाया था। इस तरह दो सीजन में उनके खाते में 104 विकेट दर्ज हैं।

नबी न्यूजीलैंड दौरे के लिए संभावित विकल्प - नबी को भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए संभावित विकल्प माना जा रहा है। अक्टूबर में होने वाले इस दौरे पर भारतीय टीम को दो टेस्ट मैच खेलने हैं। वहां की सीम और स्विंग के लिए मददगार परिस्थितियां उनके पक्ष में जा सकती हैं।

आकिब नबी बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान देते हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 969 रन हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में उन्होंने एक शतक सहित 572 रन बनाए हैं। हालांकि, 2026 में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से पांच मुकाबलों में वे कोई विकेट नहीं ले सके। उनकी इकोनॉमी 11.46 रही।

कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा फीफा विश्वकप

सेन डियागो।

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। ,

वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में सहायक साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है।

यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रतिभा के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

दूध में मिलावट रोकने के लिए संगठित व्यवसाय का विस्तार आवश्यक

नयी दिल्ली।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष डॉ मीनेश शाह ने मंगलवार को कहा कि दूध और दुग्ध उत्पादों में मिलावट इस सेक्टर के लिए एक बड़ी चुनौती होने के साथ-साथ गंभीर चिंता का विषय है और इस समस्या से निटपने के लिए इस क्षेत्र में संगठित इकाइयों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है ।डॉ शाह एनडीडीबी की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी मदर डेयरी के लिए दूध पैकिंग की पर्यावरण अनुकूल थैली प्रस्तुत करने के अवसर पर यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मिलावट की समस्या से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे ।उन्होंने कहा कि वर्तमान में केवल 30-35 प्रतिशत दूध और दुग्ध उत्पाद संगठित क्षेत्र के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचते हैं ।असंगठित क्षेत्र में मिलावट की आशंका बहुत अधिक रहती है ।यह एनडीडीबी और सरकार के लिए गहरी चिंता का विषय है ।इसके लिए अन्य उपायों के साथ-साथ दूध का कारोबार दुग्ध सहकारी समितियों जैसे संगठित क्षेत्र के माध्यम से करने पर जोर दिया जा रहा है ।उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि मदर डेयरी का फिलहाल दूध और दुग्ध के दाम और बढ़ाने का इरादा नहीं है ।वर्ष में एक बार मई में दूध के दाम बढ़ाये जाते हैं ।ऐसा वर्ष भर में दूध उत्पादन में बढ़ी हुई लागत के कारण किया जाता है और मई में मदर डेयरी के दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाये गये हैं ।उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध के उत्पन्न कारण ऊर्जा संकट की वजह से परिवहन और अन्य खर्चों में बढ़ोतरी के बावजूद अब दूध के दाम और बढ़ाये जाने का इरादा नहीं है ।डॉ शाह ने कहा कि भारत दुनिया के कुल दूध उत्पादन में लगभग एक चौथाई योगदान करता है, जिसके अगले पांच-छह वर्षों में एक तिहाई हो जाने की संभावना है।

मदर डेयरी ने पेश किया पर्यावरण अनुकूल मिल्क पाउच

नयी दिल्ली। दूध एवं दुग्ध उत्पादों के विकास की प्रमुख संस्था एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मदर डेयरी ने पहली बार पैकिंग के लिए एक ऐसा मिल्क पाउच प्रस्तुत किया है जो एक बार इस्तेमाल के बाद मिट्टी में मिल कर धीरे धीरे गल-पच जाएगा ।एनडीडीबी के अध्यक्ष डॉ मीनेश शाह ने मंगलवार को यहां कहा कि पर्यावरण और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते मदर डेयरी ने जैविक तरीके से गल-पच कर मिट्टी बन जाने वाले विशेष डीग्रेडेबल उत्पाद से तैयार पाउच का उपयोग करने का फैसला किया है ।इसे मदर डेयरी के लोकप्रिय गाय के दूध की पैकिंग में इस्तेमाल किया जाएगा और इसकी शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस पर पांच जून को की जाएगी ।इस डिग्रेडेबल पैकेजिंग में ऐसे उत्पाद का इस्तेमाल किया गया है जो दूध की थैली को बायोअवेलेबल-वैक्स (जैविक मोम) में बदलने में सहायक बनाती है ।उस बायोअवेलेबल वैसक्स को मिट्टी में मौजूद माइक्रोब्स सूक्ष्म टुकड़ों में विभाजित करके प्राकृतिक तत्वों में बदल देते हैं ।उन्होंने बताया कि इस पाउच की सामग्री को ऐसे डिजाइन किया गया है कि यह कुछ ही वर्षों में अपघटित हो मिट्टी में मिल जाए ।उन्होंने कहा कि मदर डेयरी पोषण के माध्यम से लोगों के जीवन का समृद्ध बनाने और जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है ।डॉ शाह ने यह भी बताया कि अभी दूध की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले 50 प्रतिशत पालीथिन पाउच ही रिसाइकिल के उपलब्ध हो पाते हैं ।शेष 50 प्रतिशत मिल्क पाउच का समुचित निस्तारण न हो पाना चिंता का विषय रहा है।

सोने ने पकड़ी रफ्तार चांदी की चमक पड़ी फीकी

सोना 1.59 लाख के पार, चांदी का भाव लगभग 2,65,750 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने ने अपनी चमक बरकरार रखी, लेकिन चांदी की चाल सुस्त पड़ गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट जहां तेजी के साथ कारोबार कर रहा था, वहीं चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट गिरावट दर्ज करते हुए लुढ़क गया। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं में मजबूती का रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 208 रुपये की तेजी के साथ 1,59,449 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला।

इसका पिछला बंद भाव 1,59,241 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 142 रुपये की बढ़त के साथ 1,59,383 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,59,499 रुपये का उच्च और 1,59,255 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच चुके हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भले ही तेजी के साथ हुई थी, लेकिन बाद में इसकी चमक फीकी पड़ गई। एमसीएक्स पर चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 39 रुपये की तेजी के साथ 2,66,202 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,66,163 रुपये था। हालांकि, मौजूदा समय में यह कॉन्ट्रैक्ट 413 रुपये की गिरावट के साथ 2,65,750 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसने दिन में 2,66,350 रुपये का उच्च और 2,65,685 रुपये का निचला स्तर देखा। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को छू चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी दोनों में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,515.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 12.40 डॉलर की बढ़त के साथ 4,518.70 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ है।

थोक मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 किया गया

नयी दिल्ली। सरकार ने थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने और उत्पादक मूल्य सूचकांकों (पीपीआई) के संकलन को मंजूरी दे दी है तथा नयी श्रृंखला के आधार पर थोक महंगाई (डब्यूपीआई) तथा पीपीआई का पहला आंकड़ा 15 जून को जारी किया जाएगा ।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रायल की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नयी श्रृंखला को अपनाने को लेकर 25 मई को आयोजित बैठक में सक्षम प्राधिकारी द्वारा मंजूरी दे दी गई है ।इससे पहले, मूल्य एवं जीवन-यापन लागत सांख्यिकी (एसपीसीएल पर तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) ने प्रस्तावित संकलन पद्धति को अनुमोदित किया था ।बाद में राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) के समक्ष भी इसे प्रस्तुत किया गया था ।विज्ञप्ति में कहा गया है कि उपरोक्त निर्णयों के अनुसार उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा 15 जून ,2026 को दोपहर 12 बजे आधार वर्ष 2022-23 वाली संशोधित थोक मूल्य सूचकांक श्रृंखला जारी की जाएगी, जो अब तक चली आ रहे आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित थोक मूल्य सूचकांक श्रृंखला का स्थान लेगी ।डीपीआईआईटी के आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा इसके अतिरिक्त कुछ और श्रृंखलाएं भी जारी की जाएंगी।

समुद्री खाद्य निर्यात 2025-26 में 8.46 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली।

अमेरिकी बाजार में गिरावट के बावजूद देश से समुद्री उत्पादों का निर्यात वर्ष 2025-26 में 19,72,018 टन रहा जिसकी जिसकी कुल कीमत 73,890.46 करोड़ रुपये (8.46 अरब अमेरिकी डॉलर) रही तथा मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से अब तक का एक कीर्तिमान है ।वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत कार्यकरने वाली एजेंसी समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पी. जवाहर ने सोमवार को यह जानकारी दी ।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष के दौरान अमेरिका और चीन भारत के समुद्री उत्पादों के प्रमुख बाजार रहे तथा फ्रोजन झींगा सबसे बड़ा समुद्रीय खाद्य निर्यात उत्पाद रहा ।वर्ष के दौरान फ्रोजेन झींगा का निर्यात 49,037.93 करोड़ रुपये (5.62 अरब डॉलर रहा) और कुल समुद्री उत्पाद निर्यात की मात्रा में इसका हिस्सा 40.19 प्रतिशत तथा कुल निर्यात आय में 66.52 प्रतिशत रहा ।वित्त वर्ष 2025-26 में झींगा निर्यात आय रुपये के आधार पर 13.16 प्रतिशत और डॉलर के आधार पर 8.64 प्रतिशत बढ़ी ।वर्ष के दौरान कुल 7,92,647 टन फ्रोजन झींगा निर्यात किया गया ।भारत से झींगा आयात करने वाले प्रमुख बाजरों में अमेरिका 2,56,128 टन , चीन 1,69,505 टन , यूरोपीय संघ 1,35,599 टन, दक्षिण एशिया 83,810 टन, जापान 40,776 टन, पश्चिम एशिया 30,478 टन , लम्बा वन्नामेई (सफेद) और ब्लैक टाइगर झींगा दोनों के निर्यात में मात्रा और मूल्य के आधार पर वृद्धि दर्ज की गई ।वर्ष के दौरान समुद्री फ्रोजन मछली दूसरा सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद रहा और इसका निर्यात रुपये के हिसाब से 5,658.37 करोड़ रुपये रहा ।इसी तरह सुखाए समुद्री उत्पादों का निर्यात 5,079.09 करोड़ रुपये रहा ।फ्रोजन स्क्विड का निर्यात मात्रा के हिसाब से 1,02,060 टन और आय के हिसाब से 4,493.80 करोड़ रुपये, फ्रोजन कटलफिश का निर्यात मात्रा के हिसाब से 67,157 टन डॉलर और मूल्य के हिसाब से33.2 करोड़ डॉलर रहा।

वैश्विक तनाव से भारतीय शेयर बाजार फिसले

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 23,300 के नीचे

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार के कारोबार की शुरुआत भारी कमजोरी के साथ की। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, विशेषकर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में आई रुकावट के संकेतों ने घरेलू बाजार पर गहरा असर डाला। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों 0.5 फीसदी से अधिक लुढ़क गए, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। सुबह शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 437.97 अंक की गिरावट के साथ 73,829.37 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी50 134.30 अंक फिसलकर 23,259.70 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 में बजाज फाइनेंस, अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान में रहे, जिससे बाजार में बिकवाली का दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बड़े शेयरों के साथ-साथ व्यापक बाजार में भी कमजोरी हावी रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक लगभग 0.95 फीसदी तक गिर गए, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

सेक्टोरल मोर्चे पर मिला-जुला रुख देखने को मिला; जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स लगभग 2 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर्स में शामिल रहा, वहीं मेटल शेयरों में भी कुछ खरीदारी दिखी।

पेयजल आपूर्ति में न रहे कोई कमी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों को समुचित पेयजल आपूर्ति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को पर्याप्त और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। गर्मी के मौसम और बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था की सतत् निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि जहां जैसी आवश्यकता हो, वहां वैसी त्वरित व्यवस्थाएं की जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में जल अभाव की स्थिति बन रही है, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्थाएं लागू कर पानी उपलब्ध कराया जाए। बैठक में पीएचई की मैदानी योजनाओं एवं पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पत्तिया उइके ने बताया कि विभाग तेजी से अपनी लक्ष्य पूर्ति की ओर ब? रहा है। मार्च 2028 से पहले प्रदेश में हर घर नल से जल के उद्देश्य से जल जीवन मिशन का काम पूरा कर लिया जायेगा। मिशन का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। उज्जैन राजस्व संभाग सहित प्रदेश के 11 जिलों में जल जीवन मिशन का शत् प्रतिशत कार्य हो चुका है।

प्रदेश में बना बोरवेल अधिनियम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शत-प्रतिशत कार्य करने वाले ऐसे गांवों/ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन/सम्मानित किया जाये, जिन्होंने बेहतर तरीके से नल जल योजनाओं का संचालन/संधारण किया। मंत्री श्रीमती उइके ने बताया कि बोरवेल में गिरने से होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं/मृत्यु को रोकने के लिए प्रदेश में बोरवेल अधिनियम बनाया गया है। ऐसा अधिनियम बनाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है। उन्होंने विभागीय संरचना और गतिविधियों को अधिक बेहतर बनाने के लिए विभाग के सिविल विंग, मैकेनिकल विंग और जल निगम को एकीकृत करने का सुझाव दिया। मंत्री श्रीमती उइके बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 में डिंडोरी और मंडला जिले में 8 हजार से अधिक एकल ग्राम नल जल योजनाओं पर काम पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इस काम को च्कर्म स्थान से जन्म स्थान की ओरज् अवधारणा से जोड़ा जाये।

5 हजार करोड़ रुपये का आवंटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में जल आपूर्ति व्यवस्था एवं अधोसंरचनात्मक विकास के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय से तत्काल समन्वय करें। केन्द्र सरकार से मध्यप्रदेश को जल जीवन मिशन अन्तर्गत लगभग 5 हजार करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त होना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने मध्यप्रदेश को यह आवंटन जारी करने की सहमति दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से राज्य में ऐसा मैकेनिज्म तैयार करने को कहा जिससे कि सभी नलजल योजनाएं बिना किसी बाधा के संचालित होती रहे।

उन्होंने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल बचाने वाले और इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वालों का राज्य एवं जिला स्तर पर सम्मान कार्यक्रम आयोजित करें। बताया गया कि विभाग द्वारा जल महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें प्रदेश में एकल एवं समूह नल जल योजना के संचालन एवं प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाता है।

जल संरक्षण के साथ जल स्तर में होगी वृद्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल स्त्रोतों के लिए पीएचई केवल टयूबवेल जैसे माध्यम पर ही आश्रित न रहे। जल स्त्रोत के रूप में तालाब सरोवर निर्माण से कई लाभ होंगे। इससे जल संरक्षण के साथ जल स्तर में वृद्धि होगी। क्षेत्र में वॉटर रिचार्जिंग बढ़ेगी। जल संग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ ही नल-जल योजना के संचालन के लिए स्थायी जल संरचना भी उपलब्ध हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कार्य में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिसर (मैपकास्ट) की विशेषज्ञ सेवाओं का भी लाभ लें।

प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री मनीष सिंह ने बताया कि विभागीय स्तर पर पेयजल आपूर्ति की गहन मॉनीटरिंग की जा रही है। प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के साथ ही नगरीय क्षेत्रों में भी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार किया गया है। पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्या की सूचना मिलते ही उसे तत्काल दूर किया जा रहा है। पेयजल से निर्माण कार्य करने वालों पर सख्ती की जा रही है। उन्होंने बताया कि म.प्र. जल निगम के समूह ग्राम पेयजल प्रदाय योजनाओं के संचालन एवं संधारण खर्चे को कम करने के लिए प्रदेश में सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित की जा रही हैं।

वन संरक्षण में नवाचार और जन-सहभागिता का नया अध्याय-लॉन्च हुआ 'गुप्तचर ऐप'

ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से वन अपराधों पर लगेगी रोक गोपनीय रहेगी पहचान

भोपाल (स्वतंत्र मत)। वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा एवं संरक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वन विभाग ने 'गुप्तचर ऐप' विकसित किया है। 'गुप्तचर ऐप' से स्थानीय नागरिक स्वयं को 'गुप्तचर' के रूप में पंजीकृत कर वन संरक्षण अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। ऐप की पंजीकरण प्रक्रिया सरल, सहज और यूजर फ्रैंडली बनाई गई है। इससे अधिक से अधिक ग्रामीण ऐप से आसानी से जुड़ सकेंगे। पंजीकरण के साथ ही प्रत्येक उपयोगकर्ता को एक विशिष्ट गुप्तचर आईडी प्रदान की जाती है, जिससे उसकी पहचान पूर्णतः गोपनीय बनी रहती है। 'गुप्तचर ऐप' एक प्रभावी, पारदर्शी और सहभागी तंत्र के रूप में वन संरक्षण के प्रयासों को मजबूत करेगा तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में स्थानीय समुदाय की भूमिका को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। यह ऐप विशेष रूप से दक्षिण सिवनी वनमंडल के अंतर्गत वन क्षेत्रों के आसपास निवास करने वाले ग्रामीणों की वन सुरक्षा में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है। ऐप के माध्यम से पंजीकृत गुप्तचर वन अपराधों से संबंधित सूचनाएं तत्काल वन विभाग तक पहुंचा सकते हैं। रिपोर्टिंग प्रक्रिया को आसान और प्रभावी बनाने के लिए ऐप में एक सुव्यवस्थित ड्रॉप-डाउन सूची उपलब्ध कराई गई है, जिसमें अवैध वृक्ष कटाई, वन्यजीव शिकार, अतिक्रमण, आगजनी और अन्य वन अपराधों की श्रेणियां शामिल हैं।

इससे प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित और सटीक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। ऐप में वन विभाग के अधिकारियों, रेंज अधिकारी (आरओ) से वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) तक के संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर उपयोगकर्ता सीधे संबंधित अधिकारी से संपर्क कर वन अपराधों की जानकारी साझा कर सकते हैं। इससे सूचना संप्रेषण और कार्रवाई की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनेगी। गुप्तचर ऐप की एक विशेषता यह भी है कि वन विभाग के अधिकारी परिक्षेत्रवार एवं बीटवार पंजीकृत गुप्तचरों से उनके पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर सीधे संवाद स्थापित कर सकते हैं तथा वन सुरक्षा और संरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। इससे स्थानीय समुदाय और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। यह ऐप वन अपराधों के निगरानी तंत्र को सशक्त बनाएगा, साथ ही जन-सहभागिता आधारित वन संरक्षण मॉडल को नई दिशा भी देगा।

परमात्मा का स्वरूप निर्गुण है : किशोरी निधि गर्ग

दमोह। ग्राम भौंरासा में चल रही संगीत में श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन किशोरी निधि गर्ग ने बताया कि अपने बच्चों को संस्कार देना चाहिए, संस्कार पहले से ही देना चाहिए, परमात्मा का स्वरूप निर्गुण है भक्तों की भक्ति के बस में होकर वह अवतार लेते हैं। भगवान विष्णु ने जब भी अवतार लिया उसके पीछे उनके भक्तों की भक्ति है, जिसके चलते उन्हें इस संसार में अवतार लेना पड़ा, इसलिए कहा गया है कि भगवान को अपने भक्तों के सिवाय आचार्य ने कहा गुरु हमारे जीवन में अनुपम है।

जनजातीय छात्राओं को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जा रहा जागरूक

रक्षा सखी अभियान के तहत बड़वानी पुलिस दे रही महिला सुरक्षा, साइबर अपराध एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। जनजातीय छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से बड़वानी पुलिस द्वारा रक्षा सखी अभियान चला रही है। अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों एवं साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी प्रदान की जा रही है। बड़वानी पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं को अनुसूचित जनजाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना तथा महिला संबंधी अपराधों के बारे में विस्तार से अवगत कराया जा रहा है। बालिकाओं के संरक्षण के लिए बनाए गए कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बड़वानी के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने बताया है कि कार्यक्रम में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव एवं डिजिटल सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जा रही है। इसके अलावा यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया जा रहा है।

बाबूलाल गौर ने जनहितैषी कार्यों से लोगों के दिलों में बनाई जगह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गौर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय बाबूलाल गौर की जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके कार्यकाल के स्वर्णिम क्षणों का स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि श्रद्धेय बाबूलाल गौर जी मध्यप्रदेश के ऐसे राजनेता रहे, जिन्होंने अपने जनहितैषी कार्यों से लोगों के दिलों में जगह बनाई। वे सदैव हमारे लिए आशीर्वाददाता की भूमिका में रहे। राज्य सरकार उनके बताए मार्ग और आदर्शों का अनुसरण करते हुए प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय बाबूलाल जी ने अपने राजनीतिक जीवन में विभिन्न जनआंदोलनों में सक्रिय सहभागिता करते हुए राष्ट्रसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका समर्पित सार्वजनिक जीवन और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। बाबूलाल जी गौर ने प्रदेश के 16वें मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेशवासियों की सेवा की। प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए उनका अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राजधानी भोपाल के वीआईपी रोड के विकास में उनकी दृढ़ता स्मरणीय है।

मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा तथा परिजन सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत किन्द्राहो में पेड़ से लटका मिला शव

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

पथरिया। पथरिया जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत किन्द्राहो में मंगलवार की सुबह उस वक्त गहमा गहमी का माहौल बन गया जब पेड़ की टहनी से लटका एक युवक का शव मिला। युवक के सब की पहचान इस्माइल खान पिता कोमल खान उम्र 50 वर्ष निवासी किन्द्राहो बताई गई। वहीं समस्त घटना की जानकारी मृतक के परिजनों ने पथरिया पुलिस को थाने जाकर दी, उसके उपरांत पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर मृत इस्माइल का पंचनामा तैयार किया। उसके बाद एफएसएल डॉग स्कॉट टीम के जरिए भी सुराग लगाने का प्रयास किया गया परंतु किसी भी प्रकार की पुष्टि युक्त सबूत नहीं मिल सके ।

मृतक ने लगाई फांसी या सोच समझकर की गई हत्या

यह समस्त घटना क्रम एक असमंजस्य की स्थिति में बना हुआ है। एक ओर देखने पर स्थिति ऐसी लग रही थी जैंसे मृतक ने फांसी लगाई हो वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे तथ्य मिले जो कि इशारा करते है। युवक को सोच समझकर मारा गया हो और पेड़ की टहनी से लटका दिया हो। सबसे महत्वपूर्ण मृतक के पास से एक नोट मिला है जिसमें बतियागढ़ ब्लॉक के तीन लोगों के नाम लिखे है। जिसमें यह कहा गया है। तुम्हारे द्वारा झाड़ा फूकी का काम फ्री में किया जा रहा है। जिससे उनका नुकसान हो रहा है और तुम्हारा नाम अब खत्म। परंतु उनके बेटे द्वारा इस नोट को भी निराधार बताते हुए कहा गया कि यह स्वयं का नाम बचाने किसी और के नाम से ऐसा किया गया है। वहीं पुलिस तस्दीक के दौरान मौके पर वहां तीन खाली क्वाटर, आधी सिगरेट की भरी डिब्बी और मृतक के द्वारा पहनी गई शर्ट कई जगह से फटी हुई मिली।

मृतक इस्माइल के बेटे ने लगाए हत्या के आरोप

मृतक के छोटे बेटे शरीफ खान ने बताया कि वह गांव में ही खेती करते थे और रोज की तरह शाम को घर लौट आते थे। परंतु बीती रात वह घर वापस नहीं लौटे जिससे हम सभी उन्हें गांव में ढूंढते रहे। पर वह नहीं मिले उसके बाद सुबह खेत से कुछ ही दूरी पर पेड़ की टहनी पर लटका उनका शव मिला जबकि मेरे पिता मेरे दादा और घरवालों से कह रहे थे। उन्हें कुछ लोग काफी दिनों से परेशान कर रहे है। वहीं मृतक के बेटे और परिजनों ने गांव के ही पांच लोग अमर सिंग, लकी, गजेंद्र, अजय एवं अजुद्दी राठौर पर आरोप लगाते हुए कहा इन सभी से पहले से ही जमीनी विवाद चल रहा था।

इनका कहना है

आज सुबह एक फांसी लगाने की घटना सामने आई थी। जिसके बाद मौके पर जाकर तस्दीक की गई साथ ही मृत इस्माइल के परिजनों ने जमीनी विवाद के चलते कुछ लोगों पर आरोप भी लगाए है। जिसकी जांच चल रही है अथवा पीएम रिपोर्ट आने के पश्चात इसमें जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कानूनन कार्यवाही की जाएगी।

प्रिया सिंधी, एसडीओपी पथरिया

रक्षाबंधन पर बहनें करेंगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन की बसों में सफर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य परिवहन सामान्य जन के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्य सरकार न सिर्फ प्रदेश में बेहतर और आधुनिक सड़कों का तेजी से निर्माण कर रही है, बल्कि जल्द ही नागरिकों को राज्य परिवहन की विशेष सुविधा भी देने जा रही है। राज्य सरकार चरणबद्ध तरीके से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की ओर बढ़ रही है। इस बार रक्षाबंधन पर हमारी बहनें परिवहन विभाग की बसों में सफर करें, इसके लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी विधानसभा में मीडिया से चर्चा में दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति के कारण

सामान्य जन के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है राज्य परिवहन सेवा

शहरों के बीच दूरी अधिक है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा सभी समस्याओं को खत्म कर जनता का आवागमन सुगम बनाएगी। उम्मीद है कि राज्य के अंदरूनी हिस्सों और पड़ोसी राज्यों के साथ मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास सुगम परिवहन सेवा के प्रभावी रूप में देखने को मिलेगा। प्रदेश में जन सुविधाओं के विस्तार के लिए हमारी सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता और संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

बांदकपुर मंदिर ट्रस्ट द्वारा बनाई गई दर्शनार्थियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं

दमोह। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्रीदेव जागेश्वर नाथ जी मंदिर में पुरूषोत्तम मास के चलते बड़ी संख्या में दर्शनार्थी दर्शन जलाभिषेक करने के लिए बांदकपुर पहुंच रहे हैं। आगामी 15 जून को द्वितीय ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास की अमावस्या के साथ.साथ सोमवती अमावस्या है जिसके चलते दर्शनार्थियों के अधिक संख्या में पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट द्वारा लगातार व्यवस्था की जा रही हैं। ट्रस्ट के प्रवक्ता रवि शास्त्री ने बताया की दर्शनार्थियों के लिए जल चढ़ाने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहीं साफ सफाई, ठहरने, पीने के लिये स्वच्छ जल सहित मंदिर ट्रस्ट के द्वारा समस्त व्यवस्थाएं की गई है। पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन द्वारा भी व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO/243 Date 02/6/2026 2026_UDA_512007_1	संभाग क्रमांक 06 अंतर्गत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड में संतोष लाईट से हरदौल मंदिर तक चेम्बर निर्माण कार्य ।	3 माह 9.98/- (लाख)	2000/- 9982/-	22/6/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं शालकराम श्रीवास्तव (Shalakram Shrivastava), निवासी वार्ड नं. 07 लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास पथरिया, 470666 , द्वारा यह घोषित करता हूंकि मैंने अपना नाम शालकराम श्रीवास्तव (Shalakram Shrivastava) से बदलकर S. R. hrivastava कर लिया है। भविष्य में मैं S. R. Shrivastava नाम से जाना जाऊँगा। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

शालकराम श्रीवास्तव
(S.R. Shrivastava)
वार्ड नं. 07 लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास, पथरिया

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 2/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आनंद एग्रो इडस्ट्रीज द्वारा अंकित जिंदल ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक फ्लैट नं. 4 एफ-6 अनंतारा संपत्ति के पिन क्रमांक 1002732888 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित छटवा तल 2013 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री परिमल कुमार पारिख पिता नटवरी लाल पारिख का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 2/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री फूलदेव पाण्डेय पिता परमानंद पाण्डेय ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक 753 घाट बाबा तिवारी दुकान के पीछे संपत्ति के पिन क्रमांक 1000384425 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1200 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 960 व.फु. किराये से 240 व.फु. स्वयं उपयोग पर निम्न दस्तावेज अनु. विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री परमानंद पाण्डेय पिता श्री दूधनाथ पाण्डेय का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर में भवन क्रमांक LIG CL-67 श्रीमती अनीता पाण्डेय पति स्व. श्री अरविन्द पाण्डेय के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.09.2025 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती अनीता पाण्डेय पति स्व. श्री अरविन्द पाण्डेय ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 15. 01.2026 के माध्यम से श्रीमती रानी साहू पति श्री महेश साहू को विक्रय किया है। श्रीमती रानी साहू पति श्री महेश साहू द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित हाथीताल कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक LIG-97 श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव पति स्व. श्री प्रेमनारायण श्रीवास्तव को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25.07.1998 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव पति स्व. श्री प्रेमनारायण श्रीवास्तव का निधन दिनांक 03.12.2002 को हो गया है। उनके पुत्र श्री सूर्यकृष्णा श्रीवास्तव पिता स्व. श्री प्रेमनारायण श्रीवास्तव के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य वारीसानों का सहमती शपथपत्र, स्वयं का शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

जनता की समस्याओं पर कार्यवाही के दिए निर्देश

कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे 128 आवेदन

जबलपुर। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। साप्ताहिक जनसुनवाई में मंगलवार को नागरिकों से कुल 128 आवेदन प्राप्त हुये। इनमें दोबारा आये 24 आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर आवेदन अतिक्रमण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकार्ड सुधार, अवैध कब्जा, छात्रवृत्ति, स्कूल में प्रवेश, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता आदि से संबंधित आवेदन थे। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बढ़ते हमलों के विरोध में एकजुट हुआ ईसाई समुदाय

मांगों को लेकर एसपी को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। ईसाई समुदाय के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर समुदाय पर बढ़ते हमलों एवं झूठे प्रकरणों में फंसाए जाने की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। ज्ञापन में बताया गया कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर नारेबाजी एवं मारपीट जैसी घटनाएं की जा रही हैं। साथ ही, बिना उचित एवं निष्पक्ष जांच के धर्मांतरण जैसे मामलों में प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे निर्दोष लोगों को मानसिक एवं सामाजिक रूप से प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है।

घर के बाहर 80 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त के जाल में फंसा आरआई

व्यापारी से जमीन सीमांकन के बदले मांगी गई थी रकम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लोकायुक्त पुलिस की टीम ने मंगलवार सुबह राजस्व विभाग में पदस्थ एक राजस्व निरीक्षक (आरआई) को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी राजस्व निरीक्षक एक व्यापारी से जमीन के सीमांकन के बदले एक लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए उसे उसके घर के बाहर रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक जबलपुर निवासी व्यापारी रोहित जैन ने अपने साथियों के साथ ग्राम क्लोन, तहसील शहपुरा में मटर प्लांट स्थापित करने के लिए जमीन खरीदी थी। जमीन का नामांतरण हो चुका था, लेकिन सीमांकन की प्रक्रिया बाकी थी। इसके लिए उन्होंने शहपुरा में पदस्थ राजस्व निरीक्षक करण सिंह लोधी से संपर्क किया।

2 माह से लगवा रहा था चक्कर

व्यापारी का आरोप है कि सभी दस्तावेज देखने के बाद राजस्व निरीक्षक ने कुछ कमियां बताईं, जिन्हें पूरा कर दिया गया। इसके बावजूद सीमांकन करने के बदले एक लाख रुपए की रिश्वत की मांग की गई। रोहित जैन का कहना है कि पिछले लगभग 2 माह से वह सीमांकन के लिए चक्कर लगा रहे थे, लेकिन हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर काम टाल दिया जाता था। जिससे परेशान होकर व्यापारी ने लोकायुक्त एसपी को लिखित शिकायत दी। शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर लोकायुक्त टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। मंगलवार को आरोपी ने रतन कॉलोनी स्थित अपने निवास के पास शिकायतकर्ता को रुपए लेकर बुलाया था।

रंगे हाथों पकड़ा

पूर्व निर्धारित योजना के तहत व्यापारी ने आरोपी को 80 हजार रुपए दिए। जैसे ही उसने रकम स्वीकार की, लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्यवाही के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इस मामले में लोकायुक्त निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत की जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद ट्रैप कार्यवाही कर राजस्व निरीक्षक करण सिंह लोधी को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। आगे मामले में वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

प्रस्तावित एम्पायर तिराहा-पेंटीनाका फ्लाइओवर स्थल का 3 विभागों ने किया संयुक्त निरीक्षण

जल्द चालू होगा निर्माण, लंबाई बढ़ाने मिल चुकी सहमति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एम्पायर तिराहा से पेंटीनाका तक बनने वाले प्रस्तावित फ्लाइओवर निर्माण स्थल के निरीक्षण के लिए मंगलवार को मप्र रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआरडीसी), कैंट बोर्ड का इंजिनियरिंग विभाग व रक्षा संपदा विभाग के संयुक्त अधिकारी दल ने स्थल निरीक्षण किया। संयुक्त टीम ने पूरे निर्माण स्थल का बारिकी से निरीक्षण किया एवं निर्माण के दौरान यातायात को सुचारू बनाए रखने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। टीम के निरीक्षण के दौरान सैन्य अधिकारियों के नहीं पहुंच पाने के चलते अगले तय दिन में संभवतः पुनः स्थल निरीक्षण किया जाएगा। पूर्व में तय लंबाई की लागत 44 करोड़ तय हुई थी लेकिन अब डेढ़ किमी ज्यादा गोराबाजार तक बढ़ाये जाने से

फ्लाई ओवर की लागत 70 करोड़ हो गई है। निर्मित होने वाले पहुंच मार्ग की लंबाई 283 मीटर होगी। जहां यह रैंप उतरेगा उसकी सर्विस रोड की चौड़ाई 24 फीट रखी गई है। सेतु बंधन योजना के तहत स्वीकृत किया गया यह फ्लाई ओवर केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने स्वीकृत किया है।

गोराबाजार तक होगा निर्माण– हाल ही में इसकी लंबाई बढ़ाने का प्रस्ताव को सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपनी सहमति दी है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह फ्लाइओवर एम्पायर तिराहे से वायएमसीए चौक तक बनाया जाना था, लेकिन अब राज्य शासन ने इसकी लंबाई को बढ़ा दिया है। अब उक्त फ्लाई ओवर का निर्माण गोराबाजार तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। अब सड़क के जिस हिस्से में यह फ्लाइओवर बनना है, उसमें रक्षा मंत्रालय की सहमति भी जरूरी है। मप्र रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन ने फ्लाई ओवर के नए प्रस्ताव को रक्षा मंत्रालय को दिया था, जिसके बाद मंगलवार को एक ज्वाइंट विजिट तय की गई थी।

2 जेसीबी लगाकर हिरण नदी से निकाली जा रही थी रेत

जिला प्रशासन की टीम ने दी दबिश, मचा हड़कंप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर सख्ती से रोक लगाने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार मंगलवार को सिहोरा अनुभाग के अंतर्गत पोंडा तहसील के ग्राम खिन्नी में खनिज, राजस्व और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम ने छापामार कार्यवाही कर हिरन नदी से रेत के अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर दो जेसीबी, एक दस चक्का हाइवा और एक ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया है। वहीं, मौके से दोनों जेसीबी मशीनों के ऑपरेटरों (चालकों) को भी पकडा लिया गया है। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सिहोरा ज्योति परस्ते ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसीलदार ललित ग्वालवंशी और खनिज निरीक्षक शिवपाल चौधरी ने हिरन नदी से रेत के अवैध उत्खनन की सूचना मिलने पर पोंडा तहसील के ग्राम खिन्नी में औचक कार्यवाही कर मौके से दो जेसीबी मशीन, रेत से आधा भरा हुआ एक दस चक्का हाइवा और रेत से भरी हुई एक ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया गया। रेत के अवैध उत्खनन में प्रयुक्त इन वाहनों को गोसलपुर थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया। कार्यवाही के दौरान रेत का अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर दोनों जेसीबी के ऑपरेटर मोहम्मद रहमान उर्फ मोहम्मद रियाज मंसूरी तथा मोहित बर्मन पिता रंजीत बर्मन को पकड़ कर गोसलपुर थाने में पूछताछ की जा रही है। तहसीलदार पोंडा ललित ग्वालवंशी के मुताबिक पूछताछ के दौरान एक जेसीबी के आपरेटर मोहम्मद रियाज मंसूरी पुलिस को बताया कि खिन्नी में हिरन नदी से रेत का अवैध उत्खनन चन्नोटा निवासी बलराम ऊर्फ गोलू सिंह द्वारा कराया जाता है। वहीं जेसीबी ऑपरेटरों ने एक जेसीबी मशीन अरुण प्रताप भदौरिया ऊर्फ सोनू भदौरिया निवासी चन्नोटा तथा दूसरी जेसीबी पनागर के शुभम पटेल की होना बताई है। कार्यवाही में जब्त दस चका हाइवा के मालिक का पता लगाया जा रहा है।

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सिहोरा ने बताया कि रेत के अवैध उत्खनन के इस प्रकरण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है तथा वैधानिक कार्यवाही के लिये खनिज विभाग के माध्यम से कलेक्टर न्यायालय को प्रेषित किया जाएगा।

लक्ष्य से अधिक हासिल की ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र ने ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट पारेषण प्रदर्शन किया । एमपी ट्रांसको ने वित्तीय वर्ष में 99.52 प्रतिशत ट्रांसमिशन सिस्टम अवेलेबिलिटी हासिल की , जो मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित 98 प्रतिशत लक्ष्य से काफी अधिक है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि एमपी ट्रांसको ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त 99.47 प्रतिशत ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी के प्रदर्शन में भी सुधार करते हुए 2.52 प्रतिशत के साथ यह उपलब्धि हासिल की है। इसी प्रकार कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2.60 प्रतिशत ट्रांसमिशन लॉस दर्ज किया, जबकि नियामक आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्य 2.74 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि किसी भी ट्रांसमिशन यूटिलिटी के प्रदर्शन के मूल्यांकन में ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी और ट्रांसमिशन लॉस दो सबसे महत्वपूर्ण मानक माने जाते हैं। इन दोनों प्रमुख मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश देश की अग्रणी ट्रांसमिशन यूटिलिटीज में अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने इस उपलब्धि के लिए प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों को बधाई दी।

ऑनलाइन धोखाधड़ी कर खाते से निकाल ली लाखों की रकम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ऑनलाइन के माध्यम से शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में धोखधड़ी की 2 वारदातें सामने आई है। इस मामले में सिविल लाइन थाने में 45 वर्षीय शोभाराम मेहरा निवासी रानी दुर्गावती केम्पस पचपेढ़ी ,सिविल लाईन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह आनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हुआ। किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे आनलाइन धमकी देकर धोखा देते हुये उसकी 3 लाख 2 हजार 6 रूपये की राशि हड़प ली। इसी प्रकार बेलखेड़ा थाने में 44 वर्षीय गिरिराज सिंह ठाकुर उम्र वर्ष निवासी हिनोतिया ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की 4 मई को उसके मोबाइल नम्बर से कॉल आया। उसे व्हाटएसएप पर एक एपीके फाईल भेजी फिर 90 हजार रूपये निकल गये।

यूपी की तर्ज पर मप्र में भी फ्यूल सरचार्ज पर लगाई जाए रोक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भीषण गर्मी और उमस के बीच मप्र के बिजली उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल, मई और जून के महीनों में फ्यूल सरचार्ज में हुई भारी बढ़ोत्तरी के खिलाफ नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने मोर्चा खोल दिया। मंच ने मप्र विद्युत नियामक आयोग के सचिव को ई-मेल के जरिए एक औपचारिक अपील भेजकर उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बढ़े हुए फ्यूल सरचार्ज की वसूली पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। इस अपील की एक प्रतिलिपि प्रदेश के ऊर्जा मंत्रालय के सचिव को भी भेजी गई है। डॉ. पीजी नाजपांडे ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि जो फ्यूल सरचार्ज मार्च के महीने में शून्य प्रतिशत था, उसे अप्रत्याशित रूप से बढ़ाकर अप्रैल में 5.36 प्रतिशत और मई-जून में 3.91 प्रतिशत कर दिया गया है। मंच ने उत्तर प्रदेश बिजली आयोग के हालिया फैसले का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 1 जून को ही बढ़े हुए फ्यूल सरचार्ज की वसूली पर रोक लगाकर बिजली कंपनियों से जवाब तलब किया गया है।

बिना पुनर्वास और विधिक प्रक्रिया के आदिवासी परिवारों के आशियानों को क्यों कर रहे ध्वस्त..?

मऊगंज जिले में प्रशासनिक भवनों के निर्माण संबंधी मामला

मप्र हाईकोर्ट ने लगाई रोक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने मऊगंज जिले में प्रस्तावित प्रशासनिक भवनों के निर्माण के लिए आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मकान तोड़े जाने की कार्यवाही पर लगाई गई अंतरिम रोक को फिलहाल जारी रखा है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले में जवाब पेश करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया है। इस मामले में जस्टिस प्रणय वर्मा और जस्टिस जेके पिल्लई की वेकेशन बेंच ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि

अगली सुनवाई तक बेदखली और तोड़फोड़ की कार्यवाही पर पूर्व में दिया गया अंतरिम संरक्षण जारी रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को निर्धारित की गई है। जनहित याचिका मऊगंज जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बलभद्रगढ़ निवासी पूर्व जनपद सदस्य बसंत लाल कोल की ओर से दायर की गई है।

याचिका में कहा गया है कि ग्राम घुरेहटा कला (वार्ड क्रमांक 11) में अनुसूचित जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार दशकों से निवास कर रहे हैं। इन परिवारों के कब्जे को स्वयं शासन द्वारा मान्यता दी गई थी और उन्हें भूमि के पट्टे भी आवंटित किए गए थे। याचिकाकर्ता का कहना है कि संबंधित परिवारों को विभिन्न सरकारी आवास योजनाओं का लाभ मिला था, जिसके तहत उन्होंने अपने पक्के मकान निर्मित किए। इसके बावजूद प्रशासन जिला कार्यालय और अन्य प्रशासनिक भवनों के निर्माण के लिए उन्हें हटाने की कार्यवाही कर रहा है।

2 सप्ताह में मांगा जवाब

याचिका में आरोप लगाया गया है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था, पुनर्वास योजना या विधिक प्रक्रिया का पालन किए जेसीबी मशीनों की मदद से मकानों को ध्वस्त करने का प्रयास किया गया, जो संविधान और कानून के प्रावधानों के विपरीत है। जनहित याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि जब तक प्रभावित आदिवासी और गरीब परिवारों के लिए सम्मानजनक पुनर्वास या वैकल्पिक आवास की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक किसी भी प्रकार की बेदखली अथवा तोड़फोड़ की कार्यवाही पर रोक लगाई जाए। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने तत्काल राहत देते हुए बेदखली की कार्यवाही पर रोक लगाई थी। कोर्ट ने उस अंतरिम आदेश को जारी रखते हुए राज्य सरकार को 2 सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए।

16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की अनुमति नहीं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 31 सप्ताह के गर्भ का गर्भपात कराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि गर्भावस्था अब ऐसे चरण में पहुंच चुकी है, जहां गर्भसमापन का अर्थ लगभग पूर्ण विकसित हो चुके शिशु की धड़कन रोकना होगा। साथ ही मेडिकल रिपोर्ट में गर्भपात को किशोरी के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा बताया गया है। जस्टिस विवेक जैन की वेकेशन बेंच ने याचिका खारिज करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह पीड़िता के उपचार, प्रसव और बच्चे की देखभाल की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करे। मामला मंडला जिले के घुघरी थाना क्षेत्र का है। याचिका के अनुसार ग्राम बहरा निवासी आरोपी ने शादी का झांसा देकर 16 वर्षीय किशोरी के साथ 15 अक्टूबर 2025 से कई बार दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। गर्भावस्था 24 सप्ताह की कानूनी सीमा पार कर जाने के कारण मामला हाईकोर्ट द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत ट्रायल कोर्ट से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट भेजा गया था। राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता ने पक्ष रखा।

बातचीत के दौरान उपजे विवाद में युवक की धुनाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाने में 19 वर्षीय नील रजक निवासी सिद्धनगर संजय गांधी गढ़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्लम्बर का काम करता है बीती रात वह मेडिकल में चाय पीने गया था। उसी दौरान राज चक्रवर्ती से बातचीत के दौरान बहस हो गयी। वह अपने घर वापस जा रहा था तभी राज चक्रवर्ती ने उसे फोन करके छोटे जैन मंदिर के पास रूकने के लिये कहा। वह रूक गया तभी राज चक्रवर्ती और उसका साथी सुम्मि आकर उससे विवाद करने लगे तथा राज ने उसे पीठ में थप्पड़ मार दिया और सुम्मि ने चाकू जैसी नुकीली चीज से हमलाकर उसे घायल कर दिया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**